''बापदादा की आश - अब ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने का कदम उमंग-उत्साह से तीव्र करो, इसका विशेष प्लैन बनाओ''

आज बापदादा अपने मीठे-मीठे प्यारे-प्यारे बच्चों को देख खुश हो रहे हैं। सबके दिल से वाह बाबा वाह निकल रहा है और बाप के मुख से वाह बच्चे वाह! यही बोल निकल रहे हैं। आज चारों ओर के बच्चों को भी बापदादा देख रहे हैं, सबके मन में ब्रह्मा बाप के स्नेह की झलक दिखाई दे रही है। सबके मन में प्यार की लहर दिखाई दे रही है। बाप के मन में भी हर बच्चों के प्रति प्यार की लहरें आ रही हैं। यह प्यार अलौकिक प्यार है। बापदादा ने देखा मैजारिटी बच्चे प्यार की शक्ति से ही चल रहे हैं। बाप को भी हर बच्चे के प्रति प्यार आ रहा है और दिल से हर बच्चे प्रति यही निकलता मीठे बच्चे, प्यारे बच्चे, हर बच्चे को बाप ने तीन तख्त के मालिक बनाया है। जानते हो ना! सारे कल्प में कोई भी आत्मा तीन तख्त के मालिक नहीं बन सकती लेकिन आप श्रेष्ठ आत्मायें तीन तख्त के मालिक बन कितने रूहानी प्यार में, नशे में रहते हो! हर एक अपने से पूछे इतनी खुशी, इतना रूहानी नशा सदा स्मृति में रहता है? सदा शब्द सदा याद है? बापदादा को कभी-कभी शब्द अच्छा नहीं लगता।

तो आज सभी चाहे सामने बैठे हैं, चाहे अपने-अपने स्थानों पर बैठे हैं लेकिन बाप तो देख ही रहे हैं, दूर होते भी बाप के तो सामने ही हैं। तो बाप ने देखा हर एक बच्चा आज विशेष ब्रह्मा बाप के स्नेह में समाये हुए हैं। स्नेह मुश्किल बात को भी सहज करने वाला होता है। तो बापदादा हर एक बच्चे से अति स्नेह करते हैं। चाहे पुरुषार्थी हैं लेकिन हैं तो बाप के बच्चे। तो आज बापदादा यही चाहते हैं कि हर एक बच्चे के मुख से सदा शब्द निकले। हो सकता है? जो समझते हैं कि अब से सदा शब्द सहज है, लक्ष्य रखकर लक्षण आ ही जायेंगे क्योंकि बापदादा मददगार है, वह हाथ उठाओ। वाह वाह! वाह बच्चे वाह! ताली बजाओ।

बापदादा भी सिर्फ सामने वालों को नहीं लेकिन चारों तरफ के बच्चों को देख प्यार से कहते वाह बच्चे वाह! जैसे मैजारिटी बच्चे बापदादा से दिल के प्यार में नम्बरवन हैं ऐसे सदा विजयी, इससे भी कभी-कभी शब्द निकल जाए। यह हो सकता है? हो सकता है? इसमें हाथ उठाओ। हाथ बड़ा उठाओ, हिलाओ। हाथ तो बहुत अच्छे हिल रहे हैं। बापदादा बच्चों को हिम्मत में देख खुश होते हैं। एक-एक बच्चे से बाप का, दोनों बाप, बापदादा दोनों का दिल का प्यार सदा है और सदा रहेगा। अगर चलते-चलते थोड़ा सा माया का वार हो भी जाता है तो भी बाप का प्यार समाप्त नहीं हो सकता। और ही बापदादा साथी बच्चों को यही कहते इनको एकस्ट्रा सहयोग, प्यार दे करके उड़ाओ। अब बापदादा यही चाहते हैं समय को तो सब जानते ही हो। समय कहाँ जा रहा है, यह सब जानते हैं। तो समय को देखते बापदादा की अचानक की बातें याद करो। बापदादा की यही दिल की आश है एक भी बच्चा पीछे न हो, साथ रहे, साथ चले। साथ रहना स्थूल नहीं, लेकिन दिल से सदा श्रीमत पर चलना, यही सदा साथ है। तो अभी समय प्रमाण जैसे प्यार होता है तो समझते हैं साथ रहें, साथ रहना स्थूल में तो हो नहीं सकता लेकिन जो बाप चाहता है, परिवार साथी चाहते हैं उसमें समान और साथी बनके चलना यही साथ है।

तो जैसे आज के दिन बापदादा के पास प्यार की लहर चारों ओर के हर बच्चे की पहुंची है, ऐसे ही बापदादा की शुभ आशा है कि हर रोज़ अमृतवेले से लेके रात तक जो भी मन, वचन, कर्म में कार्य करते हो, उसमें चेक करो बाप का कहना और मेरा करना समान रहा? यह हो सकता है! इजी है? मुरली रोज़ की बाप का कहना है। तो हर एक चेक करे बाप का कहना मेरा करना, एक रहा? यह मुश्किल तो नहीं क्योंकि हर एक रात को सोने के पहले अपने रोज़ की रिजल्ट चेक तो करते ही होंगे। बाप अभी चाहते हैं कि आप बच्चे स्वयं सम्पन्न बन समय को समीप लाओ। ब्रह्मा बाप भी आवाह्न कर रहे हैं आओ बच्चे साथ चलें अपने राज्य में। आत्माओं को भी मुक्ति का गेट

खुलवाकर मुक्ति का पार्ट बजाने दो। किसको राज्य, किसको मुक्ति।

तो आज के दिन अमृतवेले से लेके स्नेह की मालायें तो सब तरफ से बहुत पहुंच गई। बापदादा सबको भेजने वालों को मुबारक दे रहे हैं। अब क्या करना है? अब जो बापदादा और आपकी भी चाहना यही है कि सब सम्पन्न और सम्पूर्ण बन जायें। इस कदम को और तीव्र करो। आपको भी पसन्द है ना! दु:ख अशान्ति अपने भाई बहनों की सुनते अच्छी नहीं लगती है ना! अब आपस में मिलके और बातों में समय न देके यह प्लैन बनाओ। चारों ओर सम्पन्न सम्पूर्ण बनने का उमंग-उत्साह हो। ब्रह्मा बाप यही चाहते हैं मेरा एक-एक बच्चा मेरे समान सम्पन्न बन जाये। यह ब्रह्मा बाप की आशा पूर्ण तो करेंगे ना! तो आज ब्रह्मा बाप चारों ओर के बच्चों पर स्नेह और शक्तियों की लहर वा शुभ संकल्प की लहर फैला रहे थे। बाप भी ब्रह्मा बाप से बच्चों का प्यार देख करके आज फूल फैलाने का दिन है ना, तो बाप भी शुभ आशाओं के फूल ''कहा और किया'' इस उम्मीदों के नहीं लेकिन तीव्र पुरुषार्थ के फूल आप चारों ओर के बच्चों पर डाल रहे थे। अच्छा।

बापदादा हर बच्चे को चाहे नये भी आये हो, पहले बारी जो आये हैं वह उठो। देखो, सभी मैजारिटी आधा नये आये हैं। आने वालों को बहुत-बहुत बापदादा का यादप्यार स्वीकार हो। बापदादा खुश है लेकिन कमाल करके दिखाना। अच्छा। देख रहे हैं, हर एक बच्चा सामने दिखाई दे रहा है, चाहे वहाँ है चाहे लास्ट है लेकिन इसमें (बापदादा के सामने टी.वी. रखी है) सामने ही दिखाई दे रहा है तो एक-एक बच्चे को बापदादा का यादप्यार स्वीकार हो। अभी परिवर्तन जल्दी-जल्दी करना पड़ेगा। आ गये उसकी मुबारक, अभी पुरुषार्थ कर नम्बर आगे लेके फिर मुबारक लेना। अच्छा, बैठ जाओ, भले पधारे।

सेवा का टर्न पंजाब ज़ोन का है:- भले पधारे। अच्छा है, पंजाब में ब्रह्मा बाप का बहुत प्यार था। खास पंजाब में चक्कर लगाके रहा। सभी जगह नहीं गये ब्रह्मा बाप लेकिन थोड़े स्थानों में गये, उसमें भी पंजाब में भी गये तो पंजाब को बाप ने अपने डायरेक्ट वरदान दिये हैं और पंजाब की विशेषता कुमारियां टीचर्स बहुत अच्छी निकाली हैं। बहादुर, डरने वाली नहीं। ठीक है ना टीचर्स। बहादुर हो ना, डरने वाली तो नहीं हो। नहीं हैं। आखिर भी सभी को कितने भी बड़े हैं, क्या भी हैं लेकिन आखिर तो जय शिव शक्तियां कहना ही पड़ेगा। अच्छा है बापदादा सेवा में तो हर एक को देखते हैं कि कर रहे हैं, करते रहेंगे लेकिन एक बात सभी ज़ोन के लिए जो बापदादा ने कही है, सर्टीफिकेट लेने के लिए वह अभी तक किसी ज़ोन ने नहीं ली है। अभी पंजाब को नम्बरवन जाना चाहिए। एक ने कहा, सभी ने प्यार से किया और जैसे स्थूल में एक दो को साथ देते हो वैसे संस्कारों के मिलन में भी प्रत्यक्ष फल दिखाओ। ठीक है ना! अभी वह नम्बर नहीं आया है, अभी तक कोई भी ज़ोन की यह रिजल्ट नहीं आई है। पंजाब करेगा। करेंगे ना? टीचर्स हाथ उठाओ। टीचर्स तो बहुत हैं। बहुत अच्छा, बापदादा खुश है।

डबल विदेशी:- विदेशी, लेकिन बापदादा विदेशी बच्चों का उमंग उत्साह देख खुश है और बापदादा को विशेष खुशी है कि मधुबन में आके हर एक अपने पुरुषार्थ में एडीशन करते हैं। आप जो भी सभी आये हैं तो विशेष कोई न कोई बात में अटेन्शन दिया है ना! आगे से यह बात नहीं करनी है और यह बात करनी है, दोनों का स्पष्टीकरण लेके जाते हैं और बापदादा ने देखा अटेन्शन देते भी हैं और निमित्त बने हुए अटेन्शन दिलाते भी हैं इसलिए बापदादा खुश होते हैं कि अटेन्शन देके कई परिवर्तन भी करते हैं यह रिजल्ट बापदादा ने देखी है और आगे के लिए यह अटेन्शन देना कि मधुबन में आना अर्थात् कोई न कोई बात का प्रोग्रेस करना। तो आप सभी ने किया है? हाथ उठाओ। कुछ न कुछ परिवर्तन करके ही जाना। है ठीक है, मंजूर है? बापदादा का भी प्यार है क्योंकि बापदादा ने देखा है डबल सर्विस करते भी कई बच्चे बहुत अच्छे तीव्र पुरुषार्थी भी हैं। बापदादा खुश है और नम्बर सदा आगे लेते रहना। चल रहे हैं, नहीं। नम्बर कौन सा? आ रहे हैं, क्लास कर रहे हैं नहीं। हर दिन प्रोग्रेस क्या किया? मुरली सुनना, धारण करना, इसका प्रूफ है परिवर्तन करना। तो अच्छा है बापदादा खुश है। करते हैं

और आगे भी करते रहेंगे। अच्छा है। हाथ हिलाओ बापदादा सभी को देख रहे हैं क्योंकि इसमें (टी.वी.में) खास आता है। देखो ड्रामानुसार जब बच्चे आये थे उनसे 100 साल पहले यह साइंस ने तरक्की की, तो अभी भी देखो यह साइंस आपके काम में आ रही है। ठीक है ना! अच्छा। सभी बच्चों से, एक-एक बच्चा पीछे वाला भी ऐसे ही समझो हम बापदादा के सामने हैं और बापदादा मेरे को यादप्यार दे रहे हैं।

कलकत्ता वालों ने सभी स्थानों पर फूलों से श्रृंगार किया है:- - अच्छा करते हैं, दिल से करते हैं, मेहनत भी करते हैं इसीलिए इन्हों को खास बापदादा की तरफ से दो दो टोली और 6-6 फल इन्हों को देना। मेहनत जिन्होंने की है, उन्हों को फल तो मिलना चाहिए ना। बाकी अच्छा है दिल से करते हैं और दिल को अच्छा लगता है। मुबारक हो। सेवा की, एक आने की दूसरा सेवा की तो मुबारक हो। अच्छा।

अभी चारों ओर के बच्चे बापदादा उन्हों को देख रहे हैं, वह भी बापदादा को देख रहे हैं, तो सभी को बहुत-बहुत तीव्र पुरुषार्थी, सोचा और किया, इसको कहते हैं तीव्र पुरुषार्थी। तो जो भी तीव्र पुरुषार्थी बच्चे हैं, उन एक-एक को बापदादा तीव्र पुरुषार्थ के लक्ष्य की मुबारक भी दे रहे हैं और साथ-साथ आगे बढ़ने की बधाई भी दे रहे हैं। अच्छा।

आज तो सबसे मिले ना। देखो, एक-एक से अलग सामने तो मिल नहीं सकते लेकिन एक-एक को दूर बैठे भी साथ में अनुभव करते यादप्यार दे रहे हैं। अच्छा। अभी क्या करना है!

बापदादा ने दादी जानकी जी को फूलों का हार पहनाया:- क्या करूं, नहीं कर रही हो। सभी अच्छा कर रहे हैं। जो भी निमित्त बने हैं वह सब अच्छा कर रहे हैं। सुना। (दादी जानकी जी ने कुछेक भाई बहिनों की बाबा को याद है) उनको कहना बापदादा अमृतवेले चक्कर लगाते हैं तो इन्हों के पास भी चक्र लगाते हैं। (नारायण दादा हॉस्पिटल में हैं) सेवा ध्यान से करना और यादप्यार भी देना।

मोहिनी बहन ने अहमदाबाद हॉस्पिटल से याद भेजी है:- कितनी भी बीमारी हो लेकिन बापदादा याद है तो बीमारी कम हो जाती है। जितनी कोशिश करके याद में रहते हैं, तो बीमारी आधी हो जाती है। जैसे वह दवाई है तो पहली दवाई यह याद की है, तो कर रहे हैं, करते रहेंगे। अच्छे हैं। फिर भी इतना सहन करने की हिम्मत है। अच्छा है, ठीक हो जायेगी।

निर्मलशान्ता दादी कमरे में हैं:- अभी भी कमरे में सुनेंगी। वह याद करती है और बाप भी यादप्यार देते हैं। नारायण को बाप की तरफ से टोली भेज देना।

सभी को बाप की याद देते ही रहना। अच्छा है। दिल्ली वाले भी अच्छा पुरुषार्थ कर रहे हैं। (बृजमोहन भाई ने शिवजयन्ती के प्रोग्राम की जानकारी दी) बहुत अच्छा मिलकर करने से आवाज फैलता है। भले कोने कोने में तो करना पड़ता है लेकिन इकट्ठा करने से चारों ओर फैलता है। अच्छा है, सभी को हर एक दिल्ली वाले समझें, हमको यादप्यार मिला है। (रमेश भाई से) तबियत ठीक है। बहुत अच्छा। (स्टुडियो की सेवा कैसे बढ़ायें) उसमें कोई ग्रुप बनाओ। सेवा की कमेटी थोड़ी बनाओ, उसके ऊपर जिसे चाहिए उसको रखो और फिर रिजल्ट पूछो, जो सोचा वह किया! अगर कोई प्रॉबलम हो तो वह भी उनकी हल करो। रात को 5 मिनट भी बैठकरके मुबारक दो, उमंग में आवे। मेहनत तो करनी पड़ती है। अच्छा है। सभी को याद देना।

यज्ञ निवासी बापदादा के बच्चों से सबका बहुत प्यार है। बापदादा के निमित्त बने हुए जो भी बच्चे हैं। दादियां निमित्त बनी हैं, तो उन्हों को भी बाबा विशेष दुआयें देते हैं। दुआओं से ही वह चलती हैं और चलाते हैं। विशेष दुआयें स्पेशल उन निमित्त बने हुओं को, चाहे भाई हो चाहे बहन हो, लेकिन निमित्त बने हुए कोई भी कार्य के लिए है, उन्हों को स्पेशल दुआयें मिलती रहती हैं। मिलती रहेंगी। अच्छा।

''बाप के स्नेह में समाते हुए, शक्तियों द्वारा मन को कन्ट्रोल कर सदा मनजीत, जगतजीत बनो''

आज बापदादा हर एक बच्चे को देख हर्षित हो रहे हैं। हर एक बच्चा चाहे सम्मुख है, चाहे दूर है लेकिन बापदादा के स्नेह में लवलीन है। बापदादा भी हर बच्चे के स्नेह को देख हर्षित हो रहे हैं। हर एक बच्चे का चेहरा स्नेह में समाया हुआ है और बापदादा भी हर बच्चे को देख, लवलीन बच्चों को देख स्नेह में समाये हुए बच्चों को देख खुश हो रहे हैं। हर एक बच्चे में तीन वरदान देख रहे हैं। एक बाप के स्वरूप में वर्से का वरदान, दूसरा शिक्षक के रूप में श्रेष्ठ शिक्षा का वरदान, तीसरा गुरू के रूप में वरदानों का वरदान। तीनों ही वरदान का स्वरूप देख हर्षित हो रहे हैं। चाहे यहाँ बैठे हैं, चाहे दूर बैठे हैं लेकिन हर बच्चा स्नेह में लवलीन है। बाप भी बच्चों के स्नेह में लवलीन है। यह स्नेह हर बच्चे को लव में लीन का अनुभव करा रहे हैं। यह स्नेह अशरीरी बनाने का साधन है।

बापदादा हर बच्चे को देख खुश है। क्या गीत गाते हैं? वाह बच्चे वाह! यह स्नेह अशरीरी बनाने वाला है। बाप बच्चों को देख क्या कहते हैं? वाह बच्चे वाह! सदा इस स्नेह में समाये रहो, यह परमात्म स्नेह हर एक को परमात्म प्यार में समाने वाला है। बापदादा हर बच्चे के नयनों में हर एक बच्चे का भाग्य देख रहे हैं। इस एक जन्म में 21 जन्मों का भाग्य बना रहे हैं। हर एक के मन में परमात्म प्यार अनुभव हो रहा है। यह परमात्म प्यार एक जन्म में इतना श्रेष्ठ बना रहा है जो आत्मा लवलीन बन, अशरीरी बन अपने घर परमधाम जायेंगे, साथ में अपने राज्य के अधिकारी बन जायेंगे।

आज बापदादा बच्चों को विशेष वरदान दे रहे हैं - सदा बाप के स्नेह में समाते हुए मनजीत जगतजीत बनना। सदा मन का मालिक बन मनजीत बनो। कई समझते हैं मन के मालिक बनना यह मुश्किल है लेकिन बापदादा कहते हैं मन को आप मेरा मन कहते हो ना, जैसे और कर्मेन्द्रियां मेरी हैं तो वह कन्ट्रोल में हर कार्य करती हैं वैसे मनजीत जगतजीत बनना मुश्किल नहीं है। आज हर बच्चे को बाप मनजीत, जगतजीत बनाने चाहते हैं। मन को शक्तियों द्वारा कन्ट्रोल कर मनजीत बनना ही है। बापदादा हर बच्चे को आज सदा मन का मालिक, मनजीत जगतजीत बनाने चाहते हैं। मेरा है, मेरे का मालिक हूँ, जैसे चाहूँ मालिक बन मन को चलाना इससे खुश रहेंगे। जैसे इन हाथ पांव को आर्डर में चलाते हो क्योंकि मेरा है, ऐसे मन को भी शक्ति स्वरूप हो चला सकते हैं लेकिन मालिक बन चलाना तो मनजीत जगतजीत बन जायेंगे। इस संगम समय पर परमात्मा बाप द्वारा वरदान मिलते हैं। वरदाता बाप हर बच्चे को वरदानों से झोली भर देते हैं। एक जन्म में अनेक जन्मों का भविष्य बना सकते हो।

आज बापदादा देख रहे हैं कई आत्मायें अपने घर में पहुंच गई हैं। बापदादा सभी को अति स्नेह और शक्ति रूप से मुबारक दे रहे हैं। साथ में वरदान भी दे रहे हैं। वरदान क्या है? सदा शक्ति स्वरूप आत्मा बन इन कर्मेन्द्रियों को चलाने वाले मास्टर बन, मनजीत जगतजीत बन, सदा खुश रहना और खुशी बांटना क्योंकि आज विश्व की आत्मायें अपने-अपने कार्य करते हुए खुशी के बजाए अनेक सरकमस्टांश में अपने को मजबूर समझती हैं। मजबूर को मजबूत करो। खुशी बांटो। संसार की हालत तो देख ही रहे हैं लेकिन अपने को न्यारा और बाप का प्यारा बन उस प्यार में लवलीन रहो। अच्छा।

आज जो आये हैं वह जरा उठना। आज जो विशेष निमन्त्रण पर आये हैं उन्हों को उठा रहे हैं। (वी.आई.पीज का गुलदस्ता आया है) बापदादा बच्चों को देख खुश है कि अपने घर में पहुंच गये हैं। अपना घर लगता है? लगता है हाथ उठाओ। बापदादा भी खुश हो रहे हैं बच्चों को देख और गीत गा रहे हैं वाह बच्चे वाह! क्योंकि आज विश्व को आवश्यकता है अपने खुशनुमा जीवन की। तो एक-एक अनेक आत्माओं को परिचय दे इस भारत को जैसे भारत ऊंचा था, वैसे बनाना है। बापदादा भी खुश है। आप सभी अपने परिवार को देख खुश हैं ना! देखो दो-दो हाथ उठा रहे हैं। बहुत अच्छा। आये हैं अपने घर में, अपने बाप अपने परिवार से मिलने। बापदादा यही वरदान देते हैं कि खुशी कभी नहीं गंवाना। खुश रहना और खुशी बांटना।

सेवा का टर्न कर्नाटक ज़ोन का है, 11 हजार आये हैं:- बापदादा इतने सब बच्चों को देख वाह बच्चे वाह! का गीत

गा रहे हैं। बापदादा ने देखा हर एक ज़ोन अपने ज़ोन को आगे बढ़ाने के प्रयत्न में लगे हुए हैं और यह जो ज़ोन-ज़ोन आता है यह सिस्टम भी हर एक बच्चे को चांस देता है, ज्यादा में ज्यादा लाने का। बापदादा भी एक-एक बच्चे को देख खुश होते हैं। देखो कितने आधा क्लास एक ही ज़ोन से आये हुए हैं। बापदादा कर्नाटक ज़ोन को विशेष वरदान दे रहे हैं - सदा एक दो में मिलते कमाल करते रहेंगे। कोई भी प्रोग्राम बनाओ कमाल का बनाना। बापदादा को कर्नाटक ज़ोन क्यों प्यारा है? क्योंकि कर्नाटक से सर्विस कर्नाटक में अच्छे विस्तार से बढ़ रही है, बढ़ती रहेगी। कर्नाटक वालों को सदा बापदादा यही वरदान देता है कि सदा खुशी-खुशी से कर्नाटक में सभी भाई बहिनों को परमात्म सन्देश जरूर पहुंचाओ। कोई रह नहीं जाये। बापदादा खुश है कि सेवा कर भी रहे हो और करते भी रहेंगे। अच्छा है जो कर्नाटक से पहले बारी आये हैं वह खड़े रहो बाकी बैठ जाओ। अच्छा आधा क्लास तो पहले बारी का है। अच्छा है अपने घर में आये लेकिन बापदादा से पूरा वर्सा लेके वारिस बनके ही जाना। बापदादा खुश है अभी टीचर्स जो बापदादा ने कहा है मनजीत, जगतजीत, मन के मालिक बन यह टाइटल जरूर लेना है। मनजीत जगतजीत।

डबल विदेशी:- डबल विदेशी, बापदादा अभी डबल विदेशी नहीं कहते। बापदादा कहते डबल पुरुषार्थी और बापदादा ने देखा विदेश पुरुषार्थ में अटेन्शन भी विशेष दे रहे हैं। बापदादा आप आये हुए विदेशियों को बहुत-बहुत वरदान देते हैं कि सदा बढ़ते रहेंगे और अनेकों को बापदादा का वरदान दिलायेंगे। बाबा ने देखा है कि सेवा का शौक भी अच्छा है, साथ-साथ स्व को आगे बढ़ाने का पुरुषार्थ भी अच्छा चल रहा है इसलिए बापदादा विशेष डबल प्यार देते हैं। जहाँ जो भी हैं वह अटेन्शन देके टेन्शन फ्री रहते हैं। बापदादा खुश हैं, बढ़ रहे हो और बढ़ते रहेंगे। एक बाप दूसरा न कोई, इस पुरुषार्थ में अटेन्शन है और अटेन्शन टेन्शन को समाप्त कर रहा है। तो बापदादा डबल विदेशियों को डबल प्यार दे रहे हैं।

तो सभी आगे के लिए क्या लक्ष्य रखेंगे? सभी को यही लक्ष्य रखना है कि स्वयं भी शक्तिशाली बन औरों को भी बापदादा का परिचय दे वारिस बनाने की सेवा करेंगे। अभी हर एक सेन्टर अपने आने वाले भाई बहनों को वारिस क्वालिटी बनाओ। वारिस क्वालिटी अर्थात् जो सदा बाप के साथी बन खुद भी चले और अनेकों को भी बाप के साथी बनावे। बापदादा खुश है चारों ओर की सर्विस अच्छी बढ़ा रहे हैं। हर एक को उमंग है। जैसे बापदादा ने सुना दिल्ली में प्रोग्राम बनाया है, ऐसे ही इस शिवरात्रि पर हर एक ज़ोन प्रोग्राम बनाए कम से कम अपने शहर में शिवरात्रि पर शिवबाबा के कम से कम बच्चे जरूर बनायें। प्रोग्राम तो सब करते हैं लेकिन हर प्रोग्राम से वारिस कितने बनाये, समीप कितने आये, यह भी रिजल्ट निकालो। बाकी सभी जो आज बापदादा ने बताया मनजीत, जगतजीत यह अवश्य बनना है। मन के व्यर्थ संकल्पों को समाप्त कर व्यर्थ को विदाई दे दो नहीं तो व्यर्थ संकल्प भी समय निकाल देते हैं। तो आज का पाठ मनजीत जगतजीत बनना ही है। मेरा मन है, तो मेरे के ऊपर राज्य होता है। तो हर एक यह स्वरूप अपना बनाओ और दूसरों को भी सहयोग दो। आये हुए मेहमान, बापदादा खुश है कि अपना घर तो देख लिया। अभी क्या करेंगे? अब दूसरे बारी आप विजीटर नहीं, घर के बन घर वाले औरों को बनायेंगे। मंजूर है ना! पसन्द है, हाथ उठाओ। बापदादा देख रहा है। अच्छे हैं। अभी विजीटर नहीं, अब घर के मालिक, बालक सो मालिक। विजीटर अपने को विजीटर ही समझते हैं या घर के बालक सो मालिक समझते हैं। जो समझते हैं बालक सो मालिक हैं वह हाथ उठाओ। बापदादा हजार गुणा आपको मुबारक दे रहे हैं। अच्छा लग रहा है। देखो, वैरायटी ग्रुप है। जो औरों की सेवा के निमित्त बने हुए हैं दोनों उठो। (सभा में दो महात्मायें, सन्यासी बैठे है) बापदादा को बहुत प्यारे हो इसलिए औरों को भी बापदादा के प्यारे बनाने वाले हो। अच्छा है आप भी अपने अनुभव से अनेकों को अनुभवी बनाने वाले हो।

कुम्भ मेले में भी बहुत अच्छी सेवायें चल रही है:- बापदादा ने भी सुना, बच्ची जो निमित्त है (मनोरमा बहन) उनको बापदादा कोटि-कोटि प्यार दे रहे हैं। सभी मेहनत अच्छी कर रहे हैं। बापदादा बच्ची को रोज़ अमृतवेले याद करता है क्योंकि याद करने से बच्ची में उमंग-उत्साह आ रहा है और उसी उमंग-उत्साह से कर रही है। यह बापदादा को समाचार मिलता रहता है। बच्ची को बहुत-बहुत यादप्यार।

अच्छा- सभी यहाँ से जाते क्या करेंगे? आप समान बनायेंगे ना! हर एक को यह संकल्प हो कि हमें जो जानते नहीं हैं

उनको परिचय दे सन्देश तो दे दो, उल्हना नहीं देवें आपको। आपने तो हमें बताया नहीं। अपना उल्हना जरूर उतारो। जो भी कनेक्शन में हैं उन्हों को सन्देश देना आपका फर्ज है। अड़ोसी-पड़ोसी सम्पर्क वाले यह उल्हना नहीं दें हमको तो इतना पता ही नहीं था। प्रोग्राम कर रहे हैं, अच्छा है। शिवरात्रि पर कम से कम यह तो पता पड़ जाए, आपके परिचय वालों को तो शिव परमात्मा का कार्य चल रहा है। उल्हना नहीं दें कि हमको तो आपने बताया ही नहीं क्योंकि समय पर कोई भरोसा नहीं, कुछ भी होना है अचानक होना है। यह अचानक की बात सभी को ध्यान में रखनी है। अपना भविष्य और औरों का भविष्य जितना बनाना चाहो अभी चांस है। बापदादा एक-एक बच्चे को मुबारक दे रहे हैं। आगे बढ़ भी रहे हो लेकिन रफ्तार को और तेज करो। चारों ओर के बच्चे बापदादा ने देखा कितनी याद में बैठते हैं और बापदादा भी चक्र लगाके सभी बच्चों को प्यार भी देते हैं और प्यार के साथ-साथ मुबारक भी देते हैं। चारों ओर उमंग अच्छा है। अब दु:ख से छुड़ाओ। अब अपना राज्य आने दो। तो सभी बच्चों को चाहे विदेश, चाहे देश, चाहे गांव, हर एक बच्चे को बापदादा बहुत-बहुत-बहुत याद और प्यार दे रहे हैं।

दादी जानकी से:- (बाबा आप पिघला देते हो) अभी बहुत सेवा करेंगी। कर रही हो और भी करेंगी। सेवा के लिए निमित्त हो। चलेगा, शरीर चलेगा। अच्छा चलेगा।

मोहिनी बहन अभी लोटस हाउस में हैं:- अच्छा है हिसाब किताब चुक्तू किया अभी और डबल पुरुषार्थ कर आगे जायेंगी। हर एक को आगे बढ़ना ही है। बापदादा बहुत बहुत बहुत यादप्यार दे रहे हैं। (मोहिनी बहन के साथ उनके साथी सेवाधारियों ने भी याद दी है) सेवाधारियों ने प्यार से सेवा की है उसकी मुबारक तो है लेकिन आगे भी ऐसा निर्विघ्न बनाके ऐसे तैयार करें जैसे कुछ हुआ ही नहीं।

परदादी से :- ठीक है। आपकी सूरत बाप की याद दिलाती है। आप बोलो नहीं बोलो लेकिन आपकी सूरत सेवा करती है।

निर्वैर भाई से:- अभी सेवा करनी है, ऐसे छुट्टी नहीं है। यह सब निमित्त हैं। सेवा के लिए अभी तो बहुत चांस है। करो, खूब धूम मचाओ। (आप साथ हैं तो करेंगे ही) करना ही है।

कुंज दादी ने अहमदाबाद हॉस्पिटल से याद दी है:- उसको याद देना, बाबा की शुरू से लाडली रही है। अभी भी लाड और प्यार शरीर को चला रहा है। बापदादा की नज़र है, सेवा अच्छी की है।

(देश विदेश के बहुत से भाई बहिनों ने याद भेजी है) सभी जिन्होंने भी याद भेजी है उनको पदम पदम बार रेसपान्ड है। अच्छा।

बृजमोहन भाई से:- प्लैन अच्छा बनाया है। सहज है ना, सब खुश हो जाते हैं। अहिंसा की अच्छी टॉपिक उठाई है क्योंकि अहिंसा को आज भी आधे लोग तो मानते हैं। तो अहिंसा का सुनके और भी अटेन्शन देंगे।

रमेश भाई से:- (नारी सुरक्षा अभियान शिवरात्रि पर निकालेंगे) अच्छा है, संगठन रूप में आवाज बड़ा करो। इस बारी सब सेन्टर्स मिलकर उमंग-उत्साह से सेवा करो। जो टॉपिक वर्तमान समय की है उसको उठाओ। जैसे सोच रहे हो वह अच्छा है। चारों ओर ऐसे टॉपिक रखो जो सब समझें कि यह दुनिया के वायुमण्डल को ठीक करने चाहते हैं। और आजकल ब्रह्माकुमारियों के ऊपर सबका प्यार है, पहले जो वह कहते थे ना, अभी प्यार है सेवा देख करके, वृद्धि देख करके खुश हैं।

(रमेश भाई का 80 वां बर्थ डे मना रहे है) मुबारक हो।

डा.बनारसी भाई से:- अपने जैसा साथी नहीं बनाया है। अभी भी साथी नहीं बनाया है। इनको अपने जैसा साथी बनाना चाहिए क्योंकि कहाँ भी जाते हो तो पीछे कोई नहीं। तो पेशेन्ट को आराम नहीं मिलता। (प्रताप भाई है) प्रताप भाई तो अपने काम में है ना, इन जैसा फ्री नहीं है। ठीक है।

''कर्मयोगी जीवन में तीव्र पुरुषार्थ द्वारा हर सबजेक्ट में सदा सन्तुष्ट और खुश रहो, अपने खुशनुमा, दिव्यगुण सम्पन्न चेहरे द्वारा खुशी का अनुभव कराओ''

आज बापदादा अपने खजानों से सम्पन्न बच्चों को देख हर्षित हो रहे हैं। आदि से लेके कितने खजाने मिले हैं! पहला खजाना ज्ञान का मिला, जिससे सभी बच्चे स्वयं भरपूर हो औरों को भी खजाने से भरपूर कर रहे हैं। ज्ञान का खजाना, हर एक के बंधन जो फंसाने वाले हैं, उससे मुक्त कर बंधनमुक्त दु:ख अशान्ति मुक्त बनाने वाला है। दूसरा खजाना है योग का, जिससे बहुत शक्तियां प्राप्त हुई हैं और तीसरा है धारणा का खजाना, जिससे बहुत-बहुत गुणों की प्राप्ति हुई है। लेकिन सबसे बड़े ते बड़ा खजाना है इस संगम समय का खजाना। इसका महत्व बहुत बड़ा है क्योंकि संगम के समय पर ही बाप शिवबाबा, बाप रूप में भी मिलता, शिक्षक रूप में भी मिलता और सतगुरू रूप में भी मिलता। इस संगमयुग में एक जन्म में 21 जन्म का वर्सा मिलता है, जिस वर्से में जन्म-जन्म में कोई दु:ख अशान्ति नहीं होती है। साथ में संबंध में जो परिवार मिलता वह परिवार भी न्यारा और प्यारा होता है। एक दो के द्वारा ईश्वरीय स्नेह, जो ऐसा ईश्वरीय स्नेह सारे कल्प में नहीं मिल सकता। तो सर्व खजानों से भरपूर हुए हो ना! हुए हैं? हाथ उठाओ।

तो बापदादा आज खजानों के मालिक सम्पन्न बच्चों को देख रहे हैं। दिल से क्या निकलता? वाह बच्चे वाह! हर बच्चा बाप का प्यारा बन गया है। बच्चे तो बहुत हैं, अलग-अलग जगह पर बैठकर भी मिल रहे हैं। देख रहे हैं। लेकिन बापदादा आज चारों ओर दूर-दूर तक अपने खजानों से सम्पन्न बच्चों को देख खुश हो रहे हैं और बच्चे भी खजानों को देख खुश रहते हैं। सदा प्राप्तियों के नशे में खुश रहते हैं। बाप भी बच्चों को देख, बच्चों के सौभाग्य को देख खुश हो रहे हैं।

देखो आज भी बाप ने सुना कि सभी खुशी खुशी में भागकर पहुंच गये हैं। (26 हजार से भी अधिक भाई बहिनें पहुंच गये हैं) यह भी समाचार सुना कई बच्चों को अन्दाज ज्यादा होने कारण टेन्ट में सोना पड़ा है। बापदादा ने सभी तरफ के टेन्ट भी देखे लेकिन एक इस ग्रुप की विशेषता है जो कोई भी है, बड़ा है या छोटा है विशेष है या साधारण है लेकिन बाप ने देखा सब टेन्ट में नहीं सोते लेकिन खुशी के बिस्तर पर सोते हैं। सबके दिल में यही गीत बजता वाह बाबा वाह! कोई-कोई को तकलीफ भी है लेकिन जहाँ प्यार है वह फर्श पर सोते हुए भी खुशियों के अर्श में हैं। तो बापदादा इस ग्रुप को विशेष बधाई देते हैं। सबके चेहरे खुशी में नज़र आ रहे हैं। बापदादा ने देखा सब अच्छे उमंग-उल्हास से क्लासेज़ भी अच्छे कर रहे हैं। बापदादा सब सुनते हैं। यहाँ जो भी ज़ोन आये हैं उनके मुख्य ज़ोन हेड उठो। ज़ोन हेड। आपके लाये हुए भाई बहिन खुश हैं? खुश हैं तो हाथ उठाओ। अच्छा है। बापदादा भी खुश है और आप सबको मुबारक विशेष दे रहे हैं। किसी को आगे के लिए तो बापदादा अटेन्शन दिलायेगा लेकिन बापदादा आप सभी आये हुए बच्चों की सहनशक्ति देख आप एक-एक बच्चे को पदमगुणा प्यार दे रहे हैं। अभी जो भी बच्चे आये हैं, उन सभी बच्चों ने अपना सहनशक्ति का खुश रहने का बहुत अच्छा रिकार्ड दिखाया है। कोई बीमार हुआ! हुआ? एक दो तो होते ही हैं वैसे भी। लेकिन बापदादा स्पेशल उन बच्चों को सहनशक्ति का इनाम दिल का अति प्यार दे रहे हैं। अब आगे क्या करना है?

(सेवा के टर्न में बंगाल, बिहार, आसाम, उड़ीसा, नेपाल, तामिलनाडु के 18 हजार आये हैं)

अभी बापदादा हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थी देखने चाहते हैं। तीव्र पुरुषार्थी अर्थात् सब सबजेक्ट में अपने पुरुषार्थ से सन्तुष्ट हों और बापदादा भी हर बच्चे से यही चाहते हैं कि अभी समय अनुसार हर बच्चे के चेहरे पर शक्तियां और खुशी नज़र आनी चाहिए क्योंकि दिन-प्रतिदिन दुनिया में दु:ख तो बढ़ना ही है। लेकिन ऐसे दु:ख के समय आपका खुशनुमा, दिव्यगुण

वाला चेहरा देख उन्हों को थोड़े समय के लिए भी खुशी का अनुभव हो। हर एक बच्चे के चेहरे में वह ईश्वरीय स्नेह, ईश्वरीय प्यार, हिम्मत बढ़ाने का प्यार, खुश रहने का अनुभव हो। कई बच्चे कहते हैं वैसे तो हम खुश रहते हैं लेकिन कर्मयोगी जीवन में थोड़ा सा कर्म में फर्क पड़ जाता है। कर्म में फर्क नहीं आना चाहिए। कर्म करते भी सदा अटेन्शन रहे मैं कर्मयोगी आत्मा हूँ। शरीर को चलाने वाली, शरीर का भी मालिक हूँ। तो हर समय चाहे कर्म करो, चाहे नहीं करो लेकिन कर्म करने समय भी यह सोचो कि मैं कर्म कराने वाली आत्मा हूँ और आत्मा, कौन सी आत्मा हूँ? बाप की लाडली बच्ची हूँ या बच्चा हूँ। परमात्मा की प्यारी हूँ। तो मालिक होके इस शरीर को चलाने वाली। सदा बाप की याद दिल में समाई हुई हो। तो हर एक चेक करो कर्मयोगी बनके कर्म कर रही हूँ? कर्म योगी हूँ तो योग बाप से है। तो बाप सदा फालो फादर कहते हैं। बाप हमारे साथ है तो यह ग्रुप क्या करेगा? अभी अपने-अपने स्थान पर जाके अपने चेहरे से ऐसे खुशमिजाज़ चेहरे का अनुभव कराना क्योंकि आज दुनिया में खुशी अभी कम होती जाती है और आपका चेहरा उनको खुशी का अनुभव कराये। आगे चलके दु:ख अशान्ति तो बढ़नी ही है। समय नहीं मिलेगा इतना कोई को सुनने वा कोर्स करने का लेकिन आपका चेहरा उन्हों को खुशी का अनुभव कराये। हो सकता है ना! हो सकता है? हाथ उठाओ। अगर इतने एक-एक चेहरा जगह-जगह से आया हुआ खुशी बांटने का लक्ष्य रखे, सदा खुश, कभी-कभी नहीं क्योंकि खुशी की विशेषता है, जितनी और कोई भी चीज़ किसको देंगे तो आपके पास कम होगी। आपके पास दो चीजें हैं एक देंगे तो एक कम होगी। लेकिन सारे जहान में अगर खुशी आपको देते हो तो कम होती है या बढ़ती है? ऐसी खुशी आपके पास है। तो सभी आत्माओं को अब खुशी बांटों। डबल फायदा है आपकी भी बढ़ेगी, उनकी भी बढ़ेगी।

तो आज का विशेष यह काम याद रखना, खुशी बांटनी हैं। अगर मानों आपके पास खुशी चली जाती है, कोई न कोई बात से खुशी चली जाती है तो आप बाप से खुशी लेके आप भी खुश रहो और दूसरों को भी खुशी दो। तो सभी क्या करेंगे अभी? पहले भी सुनाया, तीव्र पुरुषार्थी बनो, चल रहे हैं नहीं उड़ रहे हैं और दूसरा बापदादा ने अटेन्शन खिंचवाया है कभी-कभी अक्षर खत्म करो। खुशी है, कहते हैं हैं लेकिन कभी-कभी खत्म हो जाती है। तो कभी-कभी शब्द सदा के लिए यहाँ छोड़के जाना। छोड़ सकते हो? छोड़ेंगे? हाथ उठाओ, छोड़ेंगे? बापदादा सभी बच्चों को अभी से ही सदा खुश रहने की मुबारक दे रहे हैं। फिर कभी-कभी शब्द नहीं कहना। सदा रहना। तो सभी खुश हैं ना! खुश हैं? सदा खुश रहेंगे, यह हिम्मत है? जो समझते हैं कि दु:ख अशान्ति जो भी थोड़ी कभी-कभी आती है वह इस बारी हम यहाँ छोड़के जायेंगे, साथ नहीं ले जायेंगे, इतनी हिम्मत समझते हो तो दो-दो हाथ उठाओ। बापदादा बहुत खुश है। हिम्मते बच्चे मददे बाप तो है ही। तो बड़ा ज़ोन आया है ना। बापदादा भी देखके खुश है। थोड़ी तकलीफ हुई है लेकिन आ तो गये। बापदादा को भी बच्चों से मिलके खुशी होती है और बापदादा हमेशा वाह बच्चे वाह! का गीत गाते हैं। अच्छा। अभी एक-एक ज़ोन उठाओ।

तामिलनाडु ज़ोन:- तामिलनाडु को बापदादा विशेष वरदान दे रहे हैं सदा कोई भी कार्य करो तो कार्य करने के पहले बाप से स्पेशल कार्य की सफलता का वरदान लेके बापदादा के वरदानी बनके वह कार्य करो तो सफलता आपका जन्म सिद्ध अधिकार हो जायेगी। कार्य करने के बाद नहीं करना, पहले वरदान लेके फिर कार्य करेंगे तो सफलता आपके साथ हो जायेगी। अच्छा है, बापदादा ने देखा मैजारिटी ज़ोन सेवा में अच्छे उमंग-उत्साह से आगे बढ़ रहे हैं और जितना बिजी रहते हैं सेवा में उतना समय शक्ति मिलने से निर्विघ्न रहते हैं। अगर कोई-कोई विघ्न आता भी है तो विजयी बनकरके टाल भी देते हैं। पुरुषार्थ सभी ज़ोन अच्छा कर रहे हैं। बापदादा लक्ष्य हर एक ज़ोन का देख खुश है और सदा खुश करते रहेंगे। ठीक है।

नेपाल:- बापदादा इस ज़ोन की भी रिजल्ट को देख खुश है। सेवा का उमंग अच्छा है इसलिए बापदादा सदा के लिए सहयोग देने की, आगे बढ़ने की, वरदानी बनने की मुबारक दे रहे हैं। बढ़ते रहो, बढ़ाते रहो बापदादा सदा साथ हैं। सभी

खुश है? हैं? अच्छा है, वृद्धि है और वृद्धि होती रहेगी।

बंगाल, बिहार, उड़ीसा, आसाम:- यह भी ज़ोन अच्छा सेवा में और स्टूडेन्ट की वृद्धि करने में आगे जा रहा है और बापदादा ने देखा कि हिम्मत का वरदान इन्हों को विशेष है। हिम्मत होने के कारण बाप की मदद भी है और आगे भी रहेगी। बापदादा खुश है और साथ-साथ सदा अमृतवेले चक्र लगाते रहेंगे। बापदादा ने देखा स्थान सेवाकेन्द्रों का अच्छा वृद्धि करने का तरीका है। बापदादा विशेष हिम्मत पर सदा साथी बनने का वरदान दे रहे हैं।

स्पार्क, बिजनेस, स्पोर्टस, एज्युकेशन, मीडिया विंग की मीटिंग है:- आधा हाल तो यही दिखाई दे रहे हैं। सभी हाथ हिलाओ। देखो कितने हैं। आधा हाल तो आप लोग हैं। अच्छा है, बापदादा ने देखा है कि हर एक विंग में उमंग-उत्साह है और उमंग-उत्साह के कारण सेवा के चांस भी अच्छे-अच्छे बनाते हैं। लेकिन बापदादा की एक बात अभी भी करनी है। हर एक विंग अभी तक जो मुख्य निमित्त बनाया है, अच्छे-अच्छे मददगार निकाले हैं, तो हर एक विंग पहले लिस्ट भेजे कि जब से विंग की स्थापना हुई, अब तक कितने और कौन-कौन निमित्त बने हैं। अभी पहले लिस्ट भेजें हर एक फिर सभी का संगठन करेंगे। कौन-कौन निकले हैं कौन सा ग्रुप ज्यादा है, तो भिन्न-भिन्न आक्यूपेशन वालों का फिर अलग-अलग करेंगे लेकिन पहले लिस्ट भेजो। हर एक ने कितने रेग्युलर स्टूडेन्ट बनाये हैं, कितने सम्पर्क वाले बनाये हैं, कितने सहयोगी बनाये हैं, यह लिस्ट हर एक विंग की आनी चाहिए। चाहे सहयोगी भी बने हैं, सहयोगियों की भी लिस्ट आवे। तो ज़ोन की रिजल्ट का सबको पता पड़ जायेगा। अच्छी बात है ना। करेंगे? लिस्ट लिखना पड़ेगा। उसके बाद फिर प्रोग्राम आपको मिलेगा क्योंकि मेहनत तो करते हैं। बापदादा ने देखा विंग वाले अपने-अपने सबजेक्ट की सेवा अच्छी कर रहे हैं और रिजल्ट भी अच्छी है, बापदादा खुश है। बहुत अच्छा है, अच्छा रहेगा और आपकी रिजल्ट को देख और भी आगे बढ़ेंगे। सबको बहुत-बहुत यादप्यार स्वीकार हो।

डबल विदेशी:- अभी तो बहुत अच्छा संगठन विदेश वालों का दिखाई दे रहा है। बापदादा को विदेशियों को देख बापदादा का टाइटल को स्पष्ट किया है, यह देख खुशी है क्योंकि जब तक भारत की सेवा थी तो विश्व सेवाधारी का टाइटल नहीं रख सकते थे लेकिन विदेश की सेवा के कारण बाप का नाम विश्व सेवक का सिद्ध हो गया। और विदेशियों की एक विशेषता बापदादा को मैजारिटी की अच्छी लगी, वह है पहले वह अपना कल्चर बदलने में मुश्किल मानते थे लेकिन अभी की रिजल्ट में सब ब्राह्मण कल्चर के आदती हो गये हैं। परिवर्तन शक्ति अच्छी दिखाई है। इसके लिए बापदादा सभी डबल विदेशियों के स्थान के बच्चों को मुबारक दे रहे हैं।

तो चारों ओर के विदेशी अपने अपने एरिया को भी सेवा में बढ़ा रहे हैं। छोटे-छोटे स्थान तरफ भी अटेन्शन दे रहे हैं। और स्व-उन्नति के लिए अटेन्शन है और आपस में जो प्रोग्राम बनाते हैं, मधुबन में मीटिंग का यह भी बापदादा को पसन्द है। अभी भी इतने सब आये हैं तो बापदादा एक-एक बच्चे को देख खुश होते हैं और सभी ब्राह्मण भी बाप के साथ यह गीत गाते हैं वाह डबल पुरुषार्थी वाह! बापदादा सन्तुष्ट है और आप भी सन्तुष्टमणियां आगे बढ़ रहे हैं, बढ़ते रहेंगे, ओम् शान्ति।

अभी जो संगठन आया है वह भी प्लैनिंग अच्छी बना रहे हैं। अपनी स्थिति और सेवा की वृद्धि दोनों के प्लैन बापदादा के पास हैं। अटेन्शन है और आगे बढ़ने का उमंग भी है। तो बापदादा खुश है, खुश है, खुश है। अच्छा।

चारों ओर के बच्चे चाहे इन्डिया के हैं, चाहे विदेश के हैं, चारों ओर के बच्चे बापदादा देख रहे हैं कितने उमंग उत्साह से टाइम का बदली होते भी प्यार से मिलते रहते हैं। टाइम का अन्तर होते भी उमंग से आते हैं इसलिए बापदादा खुश है। प्रोग्रेस भी है और प्रोग्रेस होता रहेगा यह वरदान बापदादा दे रहे हैं। अच्छी सेवा कर रही है, जनक बच्ची निमित्त है। अटेन्शन अच्छा दे रही है। साथी भी जो निमित्त हैं वह भी बापदादा ने देखा कम नहीं हैं। तो जो भी निमित्त हैं उन सबको विशेष यादप्यार बापदादा दे रहे हैं और मिलता भी रहेगा।

रतनमोहिनी दादी से:- आप जिम्मेवारी से कर रही हो, उसका फल आपको जल्दी मिलेगा। बापदादा खुश है।

दादी जानकी से:- सब कुछ कर रही हो। (गुल्जार दादी बहुत अच्छी है) आपस में फ्रैण्डस अच्छे हैं।

मोहिनी बहन:- मुबारक हो। (अगली बारी दौड़कर आयेंगी) होगा, कोई बड़ी बात नहीं हैं। (बापदादा को गुलदस्ता दिया) हम आपको देते हैं।

निर्मलशान्ता दादी से:- बहुत अच्छा मुस्कराती है। सेवा का बल और अपने पुरुषार्थ का फल खा रही हो। अच्छा कर रही हो। ज़ोन देखा, ज़ोन से मिली। हाँ ज़ोन से मिलना।

डा.गुप्ता जी से:- अच्छा है, सेवा माना मेवा। सेवा नहीं है मेवा है।

निर्वैर भाई से:- कमाल की है। आपकी हिम्मत, बाप की मदद। अच्छा।

बृजमोहन भाई:- (दिल्ली में बड़ा प्रोग्राम कर रहे हैं, हम चाहते हैं दोनों दादियां आवें, समाचार आया है कि उस समय तूफान आने वाला है, हम वहाँ टेंट लगा रहे हैं) ड्रामा को देखो, साक्षी होके और सब निश्चिंत रहो। जो होना होगा वह होगा, लेकिन आप सेफ रहना। पहले से ही पता है ना तो प्रबन्ध कर लो। (शान्ति बहन बीमार हैं उन्होंने याद दी है) उसको खास बापदादा की तरफ से यादप्यार देना। (रूकमणी दादी ने भी याद दी है) दिल्ली की अच्छी सेवा की है, उन्हें भी याद देना। (आशा बहन तथा साथी बहुत अच्छी सेवा कर रहे हैं) सेवा में उमंग तो सभी का अच्छा है, सभी मिलजुलकर कर रहे हैं इसकी भी मुबारक हैं। (बड़े प्रोग्राम के लिए प्रेरणा) प्रेरणा यही है कि जो भी आये वह कुछ लेके जाये। क्या लेके जावें? वायुमण्डल से शान्ति के वायब्रेशन, आगे बढ़ने के वायब्रेशन लेके जावें। सुनते तो हैं अच्छा तो लगता है लेकिन अच्छा बनने की प्रेरणा लेके जायें। कोशिश तो यही है।

रमेश भाई से:- आपकी भी सर्विस का बापदादा सुनते हैं, अच्छा कर रहे हो और चलता रहेगा जो प्लैन बना रहे हैं ना वह प्रैक्टिकल में करते-करते बढ़ता रहेगा।

बापदादा सभी को यादप्यार दे रहे हैं, सभी को पहुंचाना। अच्छा है। बापदादा ने देखा सर्विस का उमंग चारों ओर अच्छा चल रहा है। अभी सिर्फ इसमें एडीशन हो कि जो भी प्रोग्राम होता है उनसे वारिस बनें, सहयोगी बनें और उन्हों को आगे कनेक्शन रखके बढ़ाते चलें। जब वह आगे बढ़े हैं तो उनके पीछे उनको आगे बढ़ाते जाओ, बढ़ जायेंगे।

भूपाल भाई से:- सब अच्छा चल रहा है।

मृत्युजंय भाई ने बापदादा को सुनाया कि भोपाल के वाइसचांसलर ने वहाँ की युनिवर्सिटी में वैल्यु एज्युकेशन शुरू करने के मेमोरण्डम पर साइन किया है:- अच्छा, उमंग-उत्साह दिखाया है। बापदादा ने भी सुना और उसकी पहले से ही मुबारक दे रहे हैं। अनेक आत्माओं का कल्याण होगा।

बापदादा ने अकोला सेन्टर का उद्घाटन बटन दबाकर किया:- सभी का उमंग अच्छा है। जहाँ उमंग उत्साह है वहाँ वृद्धि अवश्य है।

एकमोडेशन के सेवाधारी भाईयों से:- बहुत अच्छा सम्भाला। सभी सन्तुष्ट हैं, कोई की भी कम्पलेन नहीं है, यह ध्यान अच्छा रखा है, इसकी मुबारक हो।

कुंज दादी बीमार हैं, अहमदाबाद में हैं:- उसको विशेष बापदादा की तरफ से टोली भेजना। हिम्मत वाली है बाप की भी मदद है। पहले थोड़ा दूर दूर रही है ना तो बढ़ रही है। सम्भालने वाले इतने होशियार नहीं है। अभी यहाँ (अहमदाबाद) आई है ना, ठीक हो जायेगी।

नेहा बहन से:- (सभी की बहुत प्यार से सेवा करती हैं) आपकी सेवा से बापदादा भी सन्तुष्ट हैं। तो अपने को सन्तुष्टमणि समझना। आपका टाइटल हैं ही सन्तुष्टमणि।

''ब्रह्मा बाप समान फरिश्तेपन की स्थिति में रह, अपने खुशमिजाज़ चेहरे द्वारा सबको खुशी की अनुभूति कराओ, जो व्यर्थ संकल्प रहे हुए हैं, वह बर्थ डे की सौगात बाप को दे दो''

आज बापदादा बच्चों को अपने जन्मदिन की मुबारक दे रहे हैं। हर एक बच्चे के नयनों में बाप के और अपने जन्म की खुशी दिखाई दे रही है। आज की जयन्ती बहुत न्यारी और प्यारी है। यह वन्डरफुल जयन्ती बाप और बच्चों की साथ-साथ है क्योंकि बाप आये तो यज्ञ रचने के लिए आये और यज्ञ में ब्राह्मण ही चाहिए इसलिए बाप और बच्चों की इकट्ठी जयन्ती हुई। यह जयन्ती विश्व परिवर्तन की जयन्ती है। तो बाप बच्चों को प्यार से मुबारक दे रहे हैं क्योंकि यह जयन्ती विश्व परिवर्तन की जयन्ती है। पहले-पहले बच्चों ने बाप के साथ-साथ प्रतिज्ञा ली कि विश्व में जो अंधकार है उसको अंधकार से रोशनी वाला बनाना ही है।

बापदादा हर बच्चे के मस्तक में चमकती हुई लाइट देख रहे हैं। यह लाइट सर्व आत्माओं को भी लाइट बनाए इस विश्व को अंधकार से रोशनी में ला रही है। आज के दिन बापदादा सभी बच्चों से यही चाहते हैं कि हर बच्चा अपने चेहरे से आत्माओं को लाइट बनाए इस जीवन में सदा खुश रहने का सन्देश दे। आज के दिन बापदादा हर एक बच्चे से यही चाहते हैं। हर एक आत्मा को सुख शान्ति की अनुभूति हो, हर एक बच्चा फरिश्ता बन विश्व में भी फरिश्तेपन का अनुभव करावे।

तो आज आप सभी बाप का जन्म दिन मनाने आये हो या अपना भी जन्म दिन मनाने आये हो? क्योंकि बाप का वायदा है कि सदा साथ रहेंगे, साथ चलेंगे, साथ राज्य में आयेंगे। आज अमृतवेले सभी बच्चों को एक डायमण्ड शब्द सुनाया कि डायमण्ड शब्द है ''मेरा बाबा''। यह डायमण्ड शब्द सभी ने नोट किया। कुछ भी हो जाए मेरा बाबा, मीठा बाबा, प्यारा बाबा याद आया तो सब दु:ख, सुख में बदल जायेंगे। आज के दिन हर एक बच्चे को बाप के समान फरिश्ते रूप में रहने का श्रेष्ठ संकल्प करना ही है। तो आज खास बाप को बधाई देने आये हो या लेने आये हो? बर्थ डे पर सौगात भी दी जाती है। तो बापदादा आज आप सभी बच्चों से कौन सी सौगात लेने चाहते हैं? आज के दिन जो भी व्यर्थ संकल्प रहे हुए हो वह बाप को सौगात में दे दो क्योंकि व्यर्थ संकल्प बहुत टाइम वेस्ट करते हैं। तो यह सौगात दे सकते हो? दे सकते हो! अगर दे सकते हो तो हाथ उठाओ क्योंकि व्यर्थ संकल्प टाइम बहुत वेस्ट करते हैं। खुशी की अनुभूति करने नहीं देते। बाप यही चाहते हैं कि सबके चेहरे सदा ऐसे खुशमिजाज हो जो कोई भी देखे, आपका चेहरा उनको प्रेरणा दे कि हमें भी ऐसा बनना ही है।

तो आज के दिन यह संकल्प करो कि सदा हमारा चेहरा ऐसा फरिश्ते समान दिखाई देगा, जैसे ब्रह्मा बाप का चेहरा देखा। कितनी भी जिम्मेवारी होते सदा चेहरा फरिश्ते रूप में ही देखा। बापदादा यही चाहते हैं कि हर एक बच्चा फरिश्ता रूप बनने के लिए फॉलो ब्रह्मा बाप, कोई भी कर्म करो तो चेक करो ब्रह्मा बाप ने यह कर्म किया? तो आज विशेष ब्रह्मा बाप सभी को डायमण्ड गिफ्ट दे रहे हैं ''मेरा बाबा'', मीठा बाबा, प्यारा बाबा। आज के दिन सदा हर कदम फालो ब्रह्मा बाप, सदा चमकता हुआ चेहरा, अभी एक सेकण्ड में अपने को ब्रह्मा बाप समान बेफिक्र बादशाह बना सकते हो? बना सकते हो! अभी सभी अपने को बेफिक्र बादशाह की स्टेज में स्थित करके अनुभव करके देखो। बेफिक्र है कि अभी भी कोई फिक्र है? जिन्होंने बेफिक्र बादशाह का अनुभव किया वह हाथ उठाओ। (सभी ने उठाया) बहुत अच्छा। सभी यही लक्ष्य रखो जो भी कदम उठाओ, फॉलो ब्रह्मा बाप किया? कितनी भी कारोबार हो लेकिन ब्रह्मा बाप सदा ही फरिश्ते रूप में रहा। ब्रह्मा बाप जितनी जिम्मेवारी, जैसे ब्रह्मा बाप ने न्यारा और प्यारा होके करके दिखाया। तो आज का दिन क्या इशारा देता है? सदा न्यारा और सर्व का प्यारा।

बापदादा हर बच्चे को आज के दिन की बहुत-बहुत बधाईयां दे रहे हैं। आज के दिन सभी श्रेष्ठ संकल्प करो कि जो भी कर्म करेंगे वह कदम ब्रह्मा बाप को फॉलो करेंगे। खुश रहेंगे और खुशी बांटेंगे। आज बापदादा इस न्यारी और प्यारी जयन्ती की सबको सौगात दे रहे हैं - सदा ब्रह्मा बाप समान फरिश्ता भव। अच्छा।

आज कौन सा ज़ोन आया है? (सेवा का टर्न इन्दौर और भोपाल ज़ोन का है)

इन्दौर ज़ोन:- बापदादा ने देखा कि हर एक ज़ोन अच्छा वृद्धि भी प्राप्त कर रहे हैं और सभी पुरुषार्थ में भी आगे से आगे बढ़ते जा रहे हैं। तो पुरुषार्थ में सफलता की बापदादा सारे ज़ोन को मुबारक दे रहे हैं। ऐसे ही आगे बढ़ते रहेंगे, यह

भी बापदादा इनएडवांस का वरदान दे रहे हैं। अच्छा है, बापदादा बच्चों की हिम्मत पर खुश है। अभी भी बापदादा के स्नेह में आगे बढ़ते रहेंगे। यह भी बापदादा का स्नेह और साथ में वरदान भी है, बढ़ते रहेंगे, बढ़ाते रहेंगे। बापदादा ने देखा कि आजकल हर एक के मन में यह संकल्प रहता है कि हमें आगे से आगे बढ़ना है और बढ़ रहे हैं, उसकी मुबारक। ऐसे है ना! टीचर्स। टीचर्स हाथ उठाओ। वाह! अच्छा है। सदा आपकी हिम्मत से बापदादा की मदद है। अच्छी हिम्मत की है, अच्छे-अच्छे बाप के बच्चों को तैयार किया है और सदा आगे बढ़ाते रहेंगे। बापदादा खुश है। देखो, आधा क्लास तो एक ज़ोन दिखाई दे रहा है।

भोपाल ज़ोन:- अच्छा, हिम्मत अच्छी रखी है। बापदादा सभी ज़ोन के आये हुए बच्चों को खास मुबारक दे रहे हैं। दोनों ज़ोन ने हिम्मत अच्छी रखी है। बापदादा देख खुश है। अच्छा। यहाँ की हेड हाथ उठाना। बहुत अच्छा बढ़ रहे हैं और बढ़ते रहेंगे। बापदादा हिम्मत पर खुश है। सेवा भी बढ़ती जा रही है। उमंग-उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। बापदादा दोनों ज़ोन पर खुश है। कमाल करके ही दिखायेंगे। दिखा रहे हैं और दिखायेंगे। खुश है बापदादा। अच्छा - टीचर्स हाथ उठाओ। अच्छा झण्डे हिला रहे हैं, हिलाओ। अच्छा लगता है कुछ न कुछ न्यारापन लाते हैं ना तो अच्छा लगता है। सभी के झण्डे आगे आगे उड़ रहे हैं और उड़ते रहेंगे। अच्छा। पाण्डव भी कम नहीं हैं। पाण्डव हाथ उठाओ। बहुत अच्छा, हिम्मते बच्चे मददे बाप है ही है।

70 देशों से डबल विदेशी भाई बहिनें आये हैं:- बापदादा ने डबल विदेशी के बजाए क्या टाइटल दिया है! डबल पुरुषार्थी और रिजल्ट में भी देखा गया कि अभी पुरुषार्थ की तरफ, सेवा की तरफ अटेन्शन अच्छा बढ़ रहा है। बापदादा डबल विदेशी बच्चों को देख डबल खुश होता है क्योंकि पहले देखो विदेशी लोग चलने लगे तो क्लचर की तरफ अटेन्शन जाता था यह इन्डिया का है यह विदेश का है लेकिन अभी बापदादा ने देखा कि सभी एक ही ब्राह्मण क्लचर में चल रहे हैं और इतना इज़ी होके चल रहे हैं जो बापदादा मुबारक देते हैं वाह बच्चे वाह! परिवर्तन में कमाल दिखा रहे हैं और आगे भी दिखाते रहेंगे यह भविष्य भी बापदादा देख रहे हैं। अभी तो कमाल है जो सेवा के प्लैन बापदादा ने देखा, जो मिलके बना रहे हैं, वह बहुत अच्छे बना रहे हैं और बापदादा पुरुषार्थ, प्लैन और रिजल्ट को देखकर बहुत-बहुत-बहुत खुश है। बापदादा ने देखा स्व पर और सेवा पर दोनों तरफ से अटेन्शन देने के प्रोग्राम्स अच्छे बनाये हैं। बापदादा को सब पता पड़ता है। इसीलिए बाबा विदेशियों को पुरुषार्थ के प्लैन और प्रैक्टिकल में लाने की बहुत-बहुत मुबारक दे रहे हैं। रिजल्ट अच्छी है। दिलपसन्द है। आगे बढ़ाने वाले और आगे बढ़ने वाले दोनों को बापदादा मुबारक दे रहे हैं क्योंकि डबल विदेशियों से मधुबन भी बहुत रिमझिम वाला बन गया है। तो विशेष पुरुषार्थ की और सेवा की दोनों की बापदादा मुबारक दे रहे हैं और आगे बढ़ने का भी देख रहे हैं कि आगे बढ़ते जायेंगे और बढ़ाते जायेंगे।

आज बापदादा को मधुबन निवासी चाहे नीचे, चाहे ऊपर के बहुत याद आ रहे हैं। बापदादा ने देखा कि सभी ने मेहनत मैजारिटी ने दिल से की है। तो दिल से करने वालों को दिलाराम की बहुत-बहुत बधाईयां हैं। अच्छा, मधुबन वाले उठो, चाहे नीचे चाहे ऊपर। तो आज विशेष एक-एक मधुबन वाले अनुभव करें कि बापदादा हर एक को नाम से मुबारक दे रहे हैं। आगे भी मुबारक लेते रहेंगे। यह भी बापदादा को बहुत-बहुत उम्मींद है। मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो।

(दादी जानकी से) मधुबन के तो हैं। यह तो चक्र लगाने अभी जाती है बाकी है मधुबन निवासी। अच्छा है। बापदादा ने देखा तीनों दादियां बहुत अच्छी अटेन्शन की सेवा में चल रही हैं लेकिन चल क्या रही हैं, दौड़ रही हैं। एक-एक पाण्डव, एक-एक बहन अपने लिए खास मुबारक स्वीकार करना। साथ में जो सेवा के निमित्त बनी हुई हैं, उन्हों को भी बापदादा विशेष मुबारक के साथ प्यार भी दे रहे हैं। मधुबन, मधुबन है। देखो कितने अच्छे-अच्छे सर्विसएबुल हैं। बापदादा खुश है। कोई-कोई बातें तो हो जाती हैं लेकिन टोटल रिजल्ट अच्छी है और अच्छे ते अच्छी रहेगी। ठीक है ना! मधुबन वाले कहते हैं बापदादा हमको नहीं देखते हैं, आज तो देखा। दिल से देखते रहते हैं। अच्छा। आज के बर्थ डे की सभी को बधाईयां हों, बधाईयां हो। फॉरेन वालों को भी बधाईयां हैं। बापदादा रोज़ देखता रहता है लेकिन बहुत हो जाते हैं ना इसलिए दृष्टि से देखते रहते हैं। अच्छी सेवा कर रहे हैं। बापदादा ने देखा भण्डारा बहुत अच्छा है। अच्छा बनाया है, मुबारक हो। निर्वैर को मुबारक हो। साथियों को भी मुबारक हो। जो निमित्त बनें उन सबको मुबारक हो। बापदादा ने देखा मेहनत अच्छी की। जमाने के हिसाब से सैलवेशन अच्छी लगी। तो आज बापदादा जो भी सभा में बैठे हैं, कहाँ के भी हो सबको एक-एक को खास मुबारक दे रहे हैं। और दोनों ज़ोन को, हैं छोटे लेकिन ताकत वाले हैं। कमाल अच्छी कर रहे हैं। बापदादा दोनों ज़ोन से खुश है और खुश सदा रहेंगे।

(निर्वैर भाई ने सुनाया, पीस आफ माइन्ड चैनल में सब आपको देख रहे है) बहुत अच्छा। तबियत ठीक है। अच्छा आगे बढ़ रहे हैं, बढ़ते रहेंगे।

देखो बापदादा हर एक से गुडमार्निंग भी करते, गुडनाइट भी करते। सिर्फ बाहर से नहीं करते, दिल से करते हैं। कोई भी बच्चा ऐसा नहीं जिसका बाप से प्यार नहीं हो और बाप का भी हर एक बच्चे से प्यार है। चाहे थोड़ा ढीला भी हो जाते हैं लेकिन फिर भी थोड़ा यहाँ वहाँ होके ठीक हो जाते हैं, प्यार अच्छा है। बापदादा देखते हैं कि बापदादा से प्यार सबका बहुत दिल का है इसीलिए वह चला रहा है और चलाता रहेगा। एक-एक को बापदादा याद करता, ऐसे नहीं नाम नहीं लेता, लेकिन एक-एक चाहे मधुबन में है, चाहे अपने-अपने ज़ोन में है, बाप को देरी थोड़ेही लगती है, सबको प्यार करने में देर नहीं लगती इसलिए सब अनुभव करना, गुडनाइट सभी से बापदादा करते हैं। आप करो नहीं करो लेकिन बापदादा जरूर करते हैं। बाप का प्यार है ना! बापदादा कुछ भी हो जाए लेकिन रात को सभी बच्चों के तरफ चक्कर लगाता है। चक्कर लगाने में बापदादा को कितना टाइम लगता! बहुत जल्दी लगाता है। फरिश्ते रूप में है ना! तो आप हर एक समझना बापदादा गुडनाइट भी करता, गुडमार्निंग भी करता है। आप करो नहीं करो, बापदादा जरूर करता है। अच्छा।

मधुबन वाले हाथ उठाओ। मधुबन वालों का उल्हना तो नहीं रहा ना! बापदादा याद जरूर करते हैं। और इतनों को, कितने भी आये लेकिन सम्भाला तो है ना! हर एक को चाहे फॉरेन के हैं चाहे इन्डिया के हैं, जो भी हैं, बापदादा बच्चों को याद करने के बिना नहीं रह सकता। तो आज के बर्थ डे शिव जयन्ती की बहुत-बहुत-बहुत बधाई हो, बधाई हो।

अभी बापदादा 5 मिनट एक-एक बच्चा पावरफुल याद में बैठ जाये, कोई संकल्प नहीं। अच्छा। रोज़ ऐसे बीच-बीच में 5 मिनट बिल्कुल अशरीरीपन का अनुभव करते चलो क्योंकि समय आगे बहुत नाज़ुक आने वाला है, ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा, कन्ट्रोलिंग पावर नहीं होगी तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे इसलिए बीच-बीच में दो मिनट, एक मिनट, 5 मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपने दिनचर्या के प्रमाण अवश्य करते चलो, कन्ट्रोलिंग पावर। सभी आसपास वाले, देश वाले, विदेश वाले बापदादा भी देख रहे हैं इस समय सभी का अटेन्शन मैजारिटी का मधुबन में है। तो रोज़ अपनी प्रैक्टिस करते रहना। ऐसा समय आयेगा जो यह प्रैक्टिस बहुत-बहुत आवश्यक लगेगी इसलिए अपने समय प्रमाण अशरीरी बनने का अभ्यास जरूर करो।

चारों ओर के बच्चों को जो जहाँ है वहाँ बापदादा सम्मुख सभी को यादप्यार दे रहे हैं। मुबारक, मुबारक, मुबारक। अच्छा।

मोहिनी बहन:- मुबारक है। अपने को चलाने की प्रैक्टिस हो गई है इसलिए अच्छा है। अच्छा इनको सम्भालने वाली अच्छी है। सेवा अच्छी कर रही है। अच्छा है, बहुत अच्छा है। सेवा कर रहे हैं मेवा खा रहे हैं। अच्छा।

(बृजमोहन भाई ने दिल्ली से बहुत याद दी है, वहाँ जो मेला लगाया है उसके फोटो भेजे हैं जो बापदादा को दिखाये)

निर्वैर भाई:- सभी तीनों ही भाई अच्छे हैं और आपके साथी भी सब अच्छे हैं।

रमेश भाई से:- तबियत ठीक है, बॉम्बे का प्रोग्राम अच्छा रहा। तबियत को सम्भालकर अच्छा चला रहे हो। अच्छा है।

भूपाल भाई से:- कदम कदम पर बाप का साथ है। बहुत अच्छा।

विदेश की बड़ी बहनों से:- आप लोगों से रौनक हैं लेकिन इतने सब आ गये तो आपकी आकर्षण उन्हों को खींच कर लाई है फिर भी निमित्त वालों का होता है। अच्छी सेवा चल रही है मुबारक हो।

शान्ति बहन अमेरिका में ठीक पहुंच गई है:- ठीक हो जायेगी।

(मुरली दादा हॉस्पिटल में है) उनको कोई फल भेज देना।

परदादी भी हॉस्पिटल में है, जब तक चले अच्छा है। बापदादा तो देखते रहते हैं। (जो भी बीमार हैं सबको फल भेजना)

(ग्लोबल हॉस्पिटल की डा.विनयलक्ष्मी बहन ने आज शरीर छोड़ा है) उस आत्मा की भी याद पहुंची है।

बापदादा ने अपना ध्वज अपने हस्तों से फहराया और सब बच्चों को बधाई दी:- आप सबके तो दिल में बापदादा बैठा है। सदा साथ है, वह दिन भी आयेगा जो बाप का झण्डा हर एक अनुभव करेगा कि यह मेरा बाप है। सबके मुख से निकलेगा, मेरा बाप, मीठा बाप, प्यारा बाप आ गया। बहुत अच्छा सभी ने अपने दिल में झण्डा लहराया ही है। बापदादा एक-एक बच्चे को देख रहे है, ऐसे नहीं हम पीछे बैठे हैं, कोने में बैठे हैं, बापदादा देख रहा है और हर एक को बहुत दिल का प्यार दे रहा है। चाहे लास्ट है चाहे यहाँ है। बाप के लाडले हो ना! ठीक है ना! मधुबन वाले नजदीक हैं। आज मधुबन वाले बहुत उड़ रहे हैं। देखो यह सब। अच्छा।

''भगवान और भाग्य की स्मृति से सदा हर्षित रहो, हर्षित बनाओ, व्यर्थ बातों को हो ली कर होली बनो''

आज बापदादा सर्व बच्चों के भाग्य को देख हर्षित हो रहे हैं। सबसे बड़ा भाग्य सभी के मस्तक में चमकता हुआ सितारा, चमकता हुआ दिखाई दे रहा है। सबका मस्तक चमक रहा है। साथ में सबके मुख में ज्ञान वाणी की चमक दिखाई दे रही है। सबके होठों में मुस्कराहट कितनी सुन्दर चमक रही है। हर एक के दिल में दिलाराम बाप की लवलीन मूर्त की झलक दिखाई दे रही है। सभी के हाथों में ज्ञान के खजानों की चमक दिखाई दे रही है। हर एक के पांव में कदम में पदम की झलक दिखाई दे रही है। बोलो, इतने बड़े भाग्य, कितनी झलक से चमक रहे हैं। सोचो, इतना बड़ा भाग्य कैसे बना! स्वयं भाग्य विधाता बाप ने भाग्य बनाया है। खुद भाग्य विधाता ने आपका भाग्य बनाया है। तो अपने भाग्य को देख हर्षित होते रहते हो ना! वाह भाग्य! और रोज़ अमृतवेले अपने भाग्य को देखते रहते हो ना! संगमयुग है ही भाग्य बनाने वाला।

बापदादा देख रहे हैं और हर बच्चे के भाग्य को देख हर्षित होते रहते हैं इसीलिए गायन भी है अगर भाग्य देखना हो तो परमात्म बच्चों का भाग्य देख लो। आप सबको भी अपने भाग्य को देख खुशी होती है ना! दिल से क्या निकलता? वाह मेरा भाग्य! अपने भाग्य को देख अन्य आत्माओं के लिए उमंग आता है, तरस भी होता है लेकिन उमंग आता है कि इन एक-एक आत्मा का भी भाग्य उज्जवल हो जाए। बापदादा ने देखा भाग्य तो सबको प्राप्त हुआ है लेकिन भाग्य का सुख आनंद नम्बरवार अनुभव करते हैं। कई बच्चों की सूरत से भाग्य से सम्पन्न चेहरे दिखाई दे रहे हैं। ऐसे बच्चों को बाप भी स्नेही स्वरूप से कहते हैं वाह भाग्यवान बच्चे वाह! खुशी होती है, कांध हिलाओ। होती है! अच्छा हाथ हिलाओ। वाह! बापदादा कई बार सुना चुके हैं कि बाप हर बच्चे को चेक करते हैं, सदा भाग्य स्वरूप रहता है या कभी कभी? जो समझते हैं हम सदा भाग्यवान हैं और भाग्यवान बनाते रहते हैं वह हाथ उठाओ। पीछे वाले भी हाथ उठाते हैं। बापदादा देख रहे हैं, मुबारक हो। भाग्यवान का चेहरा सदा खुशकिस्मत, खुशनुमा होगा। तो हर एक अपने को चेक करे कि अमृतवेले से लेके रात तक खुशमिजाज और खुशकिस्मत रहा? खुशी कभी कम भी नहीं होनी चाहिए। बापदादा ने देखा कई बच्चे ऐसे खुशमिजाज रहते हैं जो उनका चेहरा देख दूसरा भी बदल जाता है।

आज बापदादा एक शब्द बच्चों से वापस लेने चाहते हैं। तैयार हैं! तैयार हैं? हाथ उठाओ, देंगे। फिर वापस नहीं लेंगे। हाथ उठाओ, अच्छी तरह से सोच समझके हाथ उठाओ। बापदादा को कई बच्चे कहते हैं शक्ति स्वरूप या खुशमिजाज रहते तो हैं लेकिन कभी-कभी। यह कभी-कभी का शब्द बापदादा को पसन्द नहीं है क्योंकि हर बच्चे से बाप का अति प्यार है। तो कभी-कभी शब्द बाप को पसन्द नहीं, सदा बाप समान दिखाई दे। ऐसे भी बच्चे हैं लेकिन बाप चाहते हैं हर बच्चा सदा खुशी में उड़ता रहे। सदा रूहानियत में मुस्कराता रहे, दूसरों को भी मुस्करा दे। आपको पसन्द है, सदा पसन्द है या कभी-कभी? जिसको सदा शब्द पसन्द है और प्रैक्टिकल है, वह हाथ उठाओ। पीछ वाले हाथ हिलाओ क्योंकि आज होली मनाने आये हो ना। होली का अर्थ ही है जो हो चुका वह हो ली। भविष्य सदा श्रेष्ठ है और रहेगा। हर एक बच्चे ने संकल्प किया है हम बाप के साथ हैं, बाप के साथ ही रहेंगे। बापदादा भी खुश होते हैं। बापदादा को भी अकेला नहीं अच्छा लगता, सब बच्चों के साथ अच्छा लगता है। बापदादा ने कई बार कहा है खुशी कब गंवाना नहीं और सुनाया भी है खुशी जैसी करामत और कोई में नहीं है। जानते हो ना और जो भी वस्तु होती है वह देने से कम होती है, लेकिन खुशी किसको भी दो, तो कम होगी या बढ़ेगी? तो ऐसी खुशी जो सदा बढ़ती रहती है उसको कभी नहीं छोड़ना। आपका चेहरा कोई भी देखे सदा खुशमिजाज। बातें तो आती हैं, कलियुग का अर्थ ही क्या है! कलियुग क्यों कहते हो! कलह-कलेष होगा तब तो कलियुग कहते हो ना! लेकिन हमें उसमें क्या करना है? परिवर्तन। बातों में नहीं आना लेकिन बातों को परिवर्तन कर सेवा के लिए सदा एवररेडी रहना। तो सदा अपना भाग्य याद रहता है ना? भगवान और भाग्य, इससे सदा

हर्षित चेहरा, जो हर्षित चेहरे को देख और भी हर्षित हो जाएं।

तो बापदादा आज सभी बच्चों को यही याद दिलाते हैं कि सदा हर्षित रहो और हर्षित बनाओ। सभी बच्चे मधुबन में पहुंचे हैं बापदादा ने देखा कि टेन्ट में भी सोना पड़ा है। लेकिन टेन्ट में सोने वाले हाथ उठाओ। जो टेन्ट में सोये हैं वह हाथ उठाओ। बहुत थोड़े हैं, पीछे वाले हैं। अच्छा। तो टेन्ट में रहते खुशी गुम हुई कि खुशी रही? टेन्ट वाले हाथ उठाओ, खुश रहे? बाहर भी बैठे हैं। बच्ची ने चक्कर लगाया तो कहाँ-कहाँ रहे हैं। लेकिन बापदादा उन्हों को कहते हैं कि बापदादा के दिल में रहते हो। दिलाराम और आपकी दिल, दिलाराम आपके साथ सोया है। देखो किसको आने की ना तो नहीं कर सकते। वेलकम करनी पड़ती है। लेकिन टेन्ट वालों को कोई तकलीफ हुई, जिसको तकलीफ हुई है वह हाथ उठाओ। कोई नहीं हाथ उठा रहा है। तो सबके तरफ से टेन्ट वालों को पदमगुणा सुख और शान्ति की दुनिया में हक मिलेगा। अच्छे हिम्मत वाले हैं। बापदादा ने देखा बाप से प्यार है, उस प्यार में तकलीफ अनुभव नहीं हुई। बाकी हुई तो होगी। बापदादा खुश है, भले आये, जी आये, अपने घर में भले आये।

अभी यह कमाल करना, यह भी सहनशक्ति की कमाल की उसके लिए थैंक्स। लेकिन आगे के लिए हर एक को बाप से प्यार है, बाप का भी बच्चों से प्यार है तो बाप समझते हैं कि हर बच्चा कम से कम ब्रह्मा बाप समान त्याग, तपस्या और सेवा..., यह मंजूर है। ब्रह्मा बाप को फॉलो करना है, तैयार हैं, इसमें दो दो-दो हाथ उठाओ। बहुत अच्छा। मुबारक है।

अभी सभी मिलकर यह दृढ़ संकल्प करो, तैयार तो हैं ना, घड़ी-घड़ी हाथ नहीं उठवाते हैं। बापदादा को निश्चय है कि बच्चे अच्छे हैं, चाहे थोड़ा पुरुषार्थ में कभी-कभी विघ्न आते भी हैं लेकिन बाबा और मैं कम्बाइन्ड हैं, कम्बाइन्ड रहेंगे, यह पक्के निश्चयबुद्धि हैं। ठीक बोला! कांध ऐसे करो। जो भी अपने-अपने स्थान से आये हैं, उन एक-एक बच्चे को नाम लेके उनकी सूरत आगे लाके बापदादा वरदान दे रहे हैं - सदा कोई भी बात आवे ना, जो कायदे प्रमाण होनी नहीं चाहिए लेकिन आ जाए तो जो ऐसी बात आये, उसको उस समय ही अपने दिल से निकाल बाप को दे दो। बाप आपेही सम्भालेगा। देना तो आता है ना! आता है देना? इसमें कांध हिलाओ, देना आता है। लेना आता है देना भी आता है?

तो आज होली, होली मनाने आये हो ना! होली का अर्थ क्या है? हो ली। जो ऐसी बात होती है हो ली। दिल में नहीं रखो। तो होली की सौगात यही है जो व्यर्थ बात आवे, होली करना। सदा होली करना और होली बनना। वह हिन्दी वह इंगलिश। दो अक्षर हैं। हो ली करना और होली बनना। अपने दिल में वायदा करो कि हम कभी भी खुशी नहीं गंवायेंगे। कर सकते हो? खुशी नहीं गंवायेंगे, जो कर सकते हैं वह हाथ उठाओ। जिन्होंने भी वायदा किया उन्हों को बापदादा की तरफ से दिल की मुबारक है, मुबारक है, मुबारक है। अच्छा। होली का क्या बनाया है! कुछ बनाया है?

सेवा का टर्न - यू.पी. बनारस, पश्चिम नेपाल का है:- भले पधारे अपने घर में। सभी सदा यह संकल्प करना कि मुझे ब्रह्मा बाप समान बनना ही है। फॉलो ब्रह्मा बाबा। कोई भी कार्य ऐसा हो उसमें चेक करो ब्रह्मा बाप ने किया! आपकी वह 10 प्वाइंटस निकली हुई हैं। उस 10 प्वाइंट में देखना कि ब्रह्मा बाप ने क्या-क्या किया! और फॉलो ब्रह्मा बाप करना। तो जो भी ग्रुप आये हैं बापदादा हर ग्रुप को विशेष मुबारक दे रहे हैं। बापदादा ने देखा हर ग्रुप को उमंग उत्साह बहुत है, हम करके दिखायेंगे और हर ग्रुप में ऐसी शक्ति है जो करके दिखा सकते हैं। बापदादा हर ग्रुप को बहुत-बहुत-बहुत-बहुत बधाईयां देते हैं। और यह भी वरदान देते हैं कि हर ग्रुप हर सेवा की सबजेक्ट में आगे से आगे बढ़ते रहेंगे। यह बढ़ने का वरदान बापदादा सभी ग्रुप को दे रहे हैं। आये लास्ट हैं लेकिन जायेंगे फास्ट। हिम्मत है ना! अच्छे हैं, बापदादा देख रहे हैं उमंग उत्साह वाले हैं। बापदादा खुश है कि हर एक ग्रुप यहाँ से विशेष उमंग उत्साह भर के जा रहे हैं और यह उमंग उत्साह कायम रहेगा तो कमाल करके ही दिखायेंगे। बापदादा सभी ग्रुप को उम्मीदवार विजयी रूप में देख रहे हैं। एक-एक को बापदादा अपने शुभ भावना और शुभकामना का वरदान दे रहे हैं।

पांच विंग्स - ग्राम विकास, मेडिकल, ट्रांसपोर्ट, एडमिनिस्ट्रेर, यूथ ग्रुप आये हैं:-

बापदादा ने देखा कि हर एक विंग बड़े उमंग उत्साह से सेवा में आगे बढ़ रहे हैं। और सेवा में सफलता भी मिल रही है इसलिए उम्मींदवार बनके जितनी सेवा की है, वह अच्छी की है और आगे भी अच्छे ते अच्छी उमंग उत्साह से अभी वारिस निकालो। अभी वह लिस्ट नहीं आई है। जब से विंग्स शुरू हुए हैं तब से लेके अच्छे-अच्छे सम्बन्ध सम्पर्क में आये हैं, उसकी बापदादा मुबारक दे रहे हैं। लेकिन वारिस क्वालिटी अगर कोई निकली है तो वह बापदादा के आगे लाना। सेवा अच्छी है यह बापदादा ने देखा। सेवा में कोई पीछे नहीं हटता, आगे-आगे बढ़ रहे हैं और बापदादा खुश भी होते हैं। बिजी हो गये हैं, हर एक अपना प्रोग्राम कुछ न कुछ बना भी रहे हैं। अभी भी शिवरात्रि पर जहाँ-जहाँ प्रोग्राम किये हैं वहाँ अच्छे हुए हैं, रिजल्ट अच्छी है। बड़े भी किये हैं तो छोटे भी किये हैं। दिल्ली और बॉम्बे बड़े प्रोग्राम दिल से किये हैं। बापदादा उनको मुबारक दे रहे हैं।

निज़ार भाई से:- अच्छा कर रहे हो। रिजल्ट बापदादा को अच्छी लगती है और आगे भी जो प्लैन बना रहे हो वह अच्छे हैं, रिजल्ट अच्छी है। उमंग उत्साह से कर रहे हो, करते रहो। निमित्त तो बने हैं। कराने वाला भले बाप है लेकिन निमित्त बनके करने वाले को भी बापदादा की यादप्यार मिलती है।

डबल विदेशी 65 देशों से 800 भाई बहिनें आये हैं:- डबल विदेशियों को डबल मुबारक हो। बापदादा विदेशियों पर एक बात पर बहुत खुश है। विदेशी मधुबन का लाभ बड़ी अच्छी रीति से लेते हैं। चाहे दूर हैं लेकिन मधुबन का लाभ लेने का प्लैन अच्छा बनाते हैं। सब रिफ्रेश भी हो जाते, सर्विस के प्लैन भी बनाते और सर्विस में उमंग उत्साह भी अच्छा दिलाते हैं। बापदादा ने रिजल्ट सुनी। बापदादा को अच्छा लगा। ग्रुप को अटेन्शन देके रिफ्रेश अच्छा किया है और ऐसे ही करते बढ़ाते चलो। भिन्न-भिन्न देशों के मधुबन में आके सर्विस प्लैन और अवस्थाओं में उमंग उत्साह मिलन का मिलन भी और स्व-उन्नति की लहर भी अच्छी दिखाई दे रही है इसलिए बापदादा को डबल पुरुषार्थी, डबल विदेशी नहीं डबल पुरुषार्थी अच्छे लगते हैं। ऐसे ही प्लैन बनाते विदेश में होते भी मधुबन के नजदीक बनने का जो प्लैन बनाते हो वह बहुत अच्छा है, मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो। बापदादा ने देखा कि विदेश भी सेवा में कम नहीं है। इन्डिया जैसे भिन्न-भिन्न प्रोग्राम से आगे बढ़ रही है ऐसे विदेशी भी हर साल जो प्रोग्राम बनाते हैं वह बहुत अच्छा बनाते हैं और बना हुआ प्लैन प्रैक्टिकल में भी लाते हैं इसलिए बापदादा सब इन्डियन भाई बहिनों की तरफ से आपको विशेष मुबारक दे रहे हैं।

इस ग्रुप में 2000 टीचर्स बहिनें आई हैं:- सभी पीछे मुड़कर देखो, हाथ हिलाओ। अच्छा है। टीचर्स निमित्त बनी हैं सर्विस को आगे से आगे बढ़ाने के लिए। तो बापदादा ने देखा मैजारिटी सेवा के प्लैन बनाते भी हैं लेकिन हर ज़ोन को मिलके एक दो प्रोग्राम जरूर करने चाहिए। इससे क्या होता! एक दो में मिलने का भी चांस अच्छा बनता और एक दो को सहयोगी बनने का भी चांस हो जाता है। बाकी कर रहे हैं सेवा, ऐसे नहीं है कि नहीं कर रहे हैं, कर रहे हैं और करते रहेंगे। बापदादा अभी यह चाहते हैं हर एक ज़ोन मिलकरके बड़ा प्रोग्राम करे। छोटे-छोटे तो करते रहते हैं लेकिन सबको पता हो कि इस तरफ भी सेवा चल रही है। कोई न कोई प्रोग्राम बनाते रहो, आगे बढ़ते चलो। टीचर्स को बापदादा अपना साथी कहते हैं। जैसे बाप वैसे टीचर्स भी बाप समान आगे से आगे बढ़ती चलें, बढ़ाती चलें।

सभा में कुछ मेहमान वी.आई.पी बैठे हैं, उसमें विशेष भ्राता अन्ना हजारे भी आये हैं:- अपने घर में पहुंच गये, अच्छा है, सम्मुख आने से देखा, सुना, उससे नजदीक आये और आगे भी नजदीक आते रहेंगे। अच्छा किया। सबका सुना भी, सुनाया भी। बापदादा विशेष याद देते हैं, सभी को। यह निमित्त है लेकिन सभी को बापदादा दिल का प्यार और अपने घर में आने की मुबारक दे रहे हैं। अच्छा।

चारों ओर के तरफ सब बच्चे देख भी रहे हैं, सुन भी रहे हैं। बापदादा को खुशी होती है कि यह साइंस के साधन बच्चों को सुख का अनुभव करा रहे हैं इसलिए बापदादा ने बच्चों को पहले ही कहा था कि यह साइंस आपको बहुत सहयोग देगी। तो दे रही है और और भी आगे देती रहेगी। बाबा देखते हैं कैसे सभी सम्मुख देखने की कोशिश करते हैं और उन्हों

को अनुभव होता भी जाता है इसलिए साइंस वालों को भी मुबारक हो, जो आप बच्चों को सैलवेशन मिल गई है। सब देखते भी हैं, सुनते भी हैं। मैजारिटी इसका लाभ उठा रहे हैं इसलिए बापदादा बच्चों का उमंग-उत्साह देख खुश है। सभी जहाँ भी बच्चे रहते हैं, उन सबको आज के होली की मुबारक हो, मुबारक हो और होली है, होली रहेंगे और होली दुनिया स्थापन कर रहे हैं, उसमें सभी खुश होंगे। सभी एक-एक बच्चे को दूर बैठे नजदीक अनुभव करने वालों को बहुत-बहुत यादप्यार और जो साइंस के साधन से मुक्त होकर बैठे हैं और कुछ न कुछ तरीके अपनाते हैं उन्हों को भी बहुत बहुत यादप्यार। सब बच्चे दूर बैठे भी बाप के नजदीक हैं, देख रहे हैं और बापदादा भी देख रहे हैं इसलिए होली की मुबारक है, मुबारक है, मुबारक है।

दादियों से:- हर एक लाडला है। हर एक दिल के अधिकारी हैं, अधिकार ले रहे हैं।

(दादी जानकी ने भाकी पहनी) सभी को प्यार।

मोहिनी बहन:- अच्छा कर रही है, हिम्मत अच्छी है। जहाँ हिम्मत है वहाँ मदद है ही।

रूकमणि बहन से:- बहुत बहादुर है अच्छा किया है। उनकी पालना की रिजल्ट अच्छी है। जो हुआ सो ड्रामा। आयु भी बड़ी हो गई थी।

विद्या बहन (कानपुर) से:- बहुत हिम्मत करके आई हैं, अच्छा किया। हिसाब-किताब पूरा हुआ। सेवा के निमित्त बनी हुई हो। अच्छा है। ड्रामा हुआ, ड्रामा से कोई फिक्र नहीं होता, बेफिक्र।

सुन्दरलाल भाई (दिल्ली हरीनगर) से:- आदि से निमित्त बने हो। बेफिक्र रहना। थोड़ा फिक्र आता है। यहाँ आये हो चेक कराओ, हो सकता है आपरेशन नहीं भी करना पड़े।

(तीनों भाईयों ने बापदादा को गुलदस्ता दिया)

बाबा ने देखा बाम्बे और दिल्ली दोनों की सेवा अच्छा रही। जो लक्ष्य था वह ठीक रहा। (हैदराबाद में भी अच्छी सेवा हुई है) हैदराबाद वालों को मुबारक भेजना, टोली भेजना। और जो सेवाधारी बच्चा है (जस्टिस ईश्वरैया भाई) वह अच्छा है, नाम अच्छा है उनका।

(साइंस के साधन तो अच्छे हैं लेकिन विघ्न भी आते हैं) अपना राज्य तो नहीं है, यह थोड़ा बहुत तो होता है। मिलके कोई साधन बना दो। बने हैं तो जरूर आगे बढ़ेगा।

सभी को उमंग उत्साह और सेवा का बढ़ाओ। छोटे छोटे सेन्टर हैं, बड़े भी हैं।

(सेवा में नवीनता क्या हो)

नयापन यह लाओ जो आने वाले हैं उन्हों को नजदीक लाओ, कम से कम स्टूडेन्ट तो बनें, कभी-कभी आने वाले सम्पर्क खुद बढ़ावें। दिल होवे हम जायें, ऐसी रिजल्ट आने वालों की होनी चाहिए। अभी आये अच्छा है, अच्छा है चले जाते हैं। अभी नजदीक लाओ। कम से कम स्टूडेन्ट नहीं बनें लेकिन आने वाले मिलने वाले सुनने वाले तो बनें, कम से कम मुरली तो सुनें।

(परमात्मा आ गया, क्या यह टॉपिक रख सकते हैं) रख सकते हैं लेकिन कोई बात देके फिर। ऐसे नहीं बाप आ गया, आ गया। किस कारण से कहते हैं। (इनरपीस, हारमनी टॉपिक रख सकते हैं) वह तो कोई भी टापिक रख सकते हो। फिर भी आपस में बैठो। कई टॉपिक आपस में बैठकर निकाल सकते हो।

नई बेबसाइड बनाई गई है, जिसमें इन्टरनेट पर कोई भी कोर्स कर सकते हैं:- सभी ने पास किया है तो भले चलाओ। अच्छा किया बापदादा खुश है। जो भी किया फायदा है।

(11 हजार मुरमुरे पर ओम् शान्ति लिखा हुआ है, उसकी माला बापदादा को दी)

"शुभ भावना से एक दो के सहयोगी बन, निर्विघ्न रहना और सबको निर्विघ्न बनाना, सदा खुश रहना और सबको खुश करना"

आज सर्व खजानों के मालिक अपने खजानों से सम्पन्न बच्चों को देख खुश हो रहे हैं और दिल से निकलता है वाह बच्चे वाह! हर एक बच्चे के सूरत में खजानों के प्राप्ति की चमक चमक रही है। मैजॉरिटी बच्चों की खजानों से भरपूरता की चमक दिखाई दे रही है। बापदादा एक-एक बच्चे के गुणगान कर रहे हैं - वाह बच्चे वाह! बोलो, वाह वाह बच्चे हो ना! बाप ने कहा बच्चों ने किया। बाप कहते हैं हर एक बच्चे की सूरत में, मस्तक में खजाने के मालिकपन की झलक दिखाई देनी चाहिए। वह बापदादा आज हर खजाने के अधिकारी बच्चों में देख खुश हो रहे हैं और क्या गीत गा रहे हैं? वाह बच्चे वाह! जैसे आज हर एक के सूरत में खजाने से भरपूरता की झलक है ऐसे ही सदा रहो। कोई भी देखे तो आपकी शक्ल बोले, आपको बोलने की आवश्यकता नहीं। तो सदा चेक करो जैसे अभी आपके चेहरे चमक रहे हैं ऐसे सदा रहता है? जो कोई भी देखे चेहरा बताये, मुख से बोलने की आवश्यकता नहीं, चेहरा बोले। ऐसे ही सदा खजाने से सम्पन्न चाहे कर्म करते, चाहे योग करते, चाहे बाप की याद में रहते, ऐसे ही दिखाई दे। हर एक अपने चमकते हुए चेहरे समान रह सकते हैं ना! क्योंकि आजकल जैसे समय आगे बढ़ेगा वैसे हालतों के प्रमाण टेन्शन बढ़ेगा। तो आपके चेहरे उन्हों को खुश करेंगे। ऐसी सेवा करने के लिए हर एक बच्चे को तैयारी करनी है। खजाने कौन से हैं? जानते हो ना! विशेष खजाना है ज्ञान, योग, धारणा तो अपने में चेक करो।

बापदादा आज की सभा में विशेष खजानों से सम्पन्न बच्चों को देख रहे हैं। वैसे सबसे श्रेष्ठ खजाना आजकल का संगम का समय है क्योंकि आजकल के समय में स्वयं बाप, बाप गुरू के सम्बन्ध में आये हुए हैं। आज के समय में स्वयं बाप बच्चों को खजानों से सम्पन्न बना रहे हैं। तो बोलो समय से प्यार है ना! तो सभी चेक करो हमारे में सर्व खजाने जमा हैं? बाप समान सर्व खजाने बांट रहे हैं? जो समझते हैं कि बाप समान हम भी खजाने के अधिकारी हैं वह हाथ उठाना। बापदादा खुश है, हाथ तो मैजॉरिटी उठा रहे हैं। बापदादा हर बच्चे को खजानों से भरपूरता की बधाई दे रहे हैं। अच्छा है, बापदादा अपने खजाने से भरपूर बच्चों को देख खुश हो रहे हैं।

तो सभी तरफ के आये हुए बच्चों को देख बापदादा हर एक बच्चे की स्वागत कर रहे हैं। जैसे अभी सब खुशी में भरपूर दिखाई दे रहे हैं ऐसे ही सदा रहते हैं? कोई भी बात आये लेकिन बातें हमारे खजानों की खुशी नहीं ले जायें। जैसे अभी खुशी का चेहरा है, स्नेह प्रेम का चेहरा है ऐसे सदा रहे। बोलो, रह सकता है? जो समझते हैं सदा रहेगा, बीती सो बीती, अभी सदा रहेगा वह हाथ उठाओ। देखो, हाथ तो सभी उठा रहे हैं मैजॉरिटी उठा रहे हैं। तो कभी भी कोई भी बात आये ऐसे ही चेहरा रहेगा, कांध तो हिलाओ। रहेगा? रहेगा? तो सब देखेंगे यह कौन आये हैं, आपको देख करके आधे खुश तो वह भी हो जायेंगे। अच्छा। आज कौन से ज़ोन आये हैं?

सेवा का टर्न इन्दौर ज़ोन का है:- अच्छा, आधा हाल तो इन्दौर ज़ोन खड़े हुए हैं। वाह बच्चे वाह! अच्छा है, बापदादा हर बच्चे को देख खुशी की ताली बजा रहे हैं। लेकिन वहाँ जाके भी जैसे आज अभी खुशमिज़ाज चेहरा है, ऐसे ही सदा रहे, ऐसी प्रॉमिस करो अपने से। देखो यह अच्छा लगता है ना! मुरझाया चेहरा भी रखो और मुस्कराता चेहरा भी रखो, क्या अच्छा लगेगा? मुस्कराता चेहरा अच्छा लगेगा ना! तो आज से सभी बच्चे, सिर्फ ज़ोन नहीं सभी बच्चे अपने दिल में प्रॉमिस करो सदा खुश रहेंगे और सभी को खुश करेंगे क्योंकि खुशी जैसी कोई खुराक नहीं, बापदादा ने अनेक बार खुशी की कमाल सुनाई है। जो एक खुशी में कमाल है। देखो कोई भी चीज़ अगर बांटते हैं तो अपने पास कम होती है लेकिन खुशी अगर बांटो, कम होगी? बढ़ेगी ना! तो बापदादा का स्लोगन है, यह याद

रखो। यहाँ लिख दो खुश रहना है और खुश करना है। है पसन्द? जिसको पसन्द है वह हाथ उठाओ। तो आप इतने खुशमिजाज बच्चों को देख कितने खुश हो जायेंगे। तो पक्का प्रॉमिस करो, क्या करो? खुश रहेंगे और खुशी बांटेंगे। पक्का है? कि यहाँ भी कोई बात हो गई तो खुशी गायब हो जायेगी। नहीं। खुशी गायब होने की बात ही नहीं है। आज से सभी चेक करना। खुशी को जाने नहीं देना। है ताकत? है हाथ उठाओ। अच्छा। देखना। आपके ज़ोन वाले, आपके सेन्टर वाले आपका हाथ देख रहे हैं। बापदादा खुश है। हिम्मत तो रखी है। आपकी हिम्मत बाप की मदद साथ में रहेगी। सभी का फोटो तो निकाल रहे हो ना! फिर यह फोटो इस ज़ोन को भी देना। अगर आने वाले चाहें तो उन्हों को यह फोटो देना। आज जैसी शक्ल सदा रहे। तो सभी को मंज़ूर है, सदा खुश रहेंगे और खुशी बांटेंगे? है मंज़ूर। दो दो हाथ उठाओ। अच्छा। यह फोटो अपना याद रखना।

अभी बापदादा यही चाहते हैं कि आप एक-एक को कोई भी दूर से देखे तो खुद भी मुस्कराये, आपके खुशी की शक्ल देख करके खुद भी खुश हो जाये, यह सेवा करेंगे! करेंगे? अच्छा, हाथ उठाओ। बाप वाह बच्चे वाह! कह रहे हैं। आज से सभी स्थानों में अचानक कोई भी आये, बापदादा भी भेजेंगे क्योंकि बापदादा बच्चों का ऐसा वैसा चेहरा देखने नहीं चाहते हैं। तो बापदादा को खुश करना है ना! करेंगे? सभी दिल से हाँ जी कह रहे हैं। अभी हर एक सेन्टर अपने साथियों को चेक करना, कहना नहीं कुछ, क्यों क्या नहीं कहना लेकिन अपनी शक्ल ऐसी प्यार की करना जो चुप हो जाए। ऐसी सेवा करेंगे ना! खुद रहना औरों को भी आप समान बनाना। कोई भी अचानक कभी भी किसी सेन्टर पर जाये तो ऐसे अनुभव करे कि हम खुशी के स्थान पर आये हैं। जहाँ खुशी है वहाँ सब कुछ है। कभी भी देखो, कोई भी किसी से विदाई लेते हैं, तो क्या कहते हैं? खुश रहो आबाद रहो। तो अभी बापदादा अचानक कोई को भेजेगा गुप्त, देखेंगे क्योंकि आप सभी बच्चे बड़े-बड़े बाप के बच्चे हो। बापदादा भी बच्चों को देख खुश हो रहे हैं और दिल से बधाई दे रहे हैं। सदा खुश आबाद रहो और आज तो बापदादा देख रहे हैं कि नये-नये भी बहुत आये हैं।

जो आज पहली बार आये हैं वह हाथ उठाना, देखो कितने हैं! बापदादा आने वालों को मुबारक दे रहे हैं। टूलेट के समय के पहले आ गये, लेकिन कमाल करके दिखाना। है हिम्मत। पहले बारी आने वाले उठो, देखो। सभी ने देखा कितने आये हैं। अच्छा।

इन्दौर हॉस्टल की कुमारियां 150 आई हैं:- अच्छा है बापदादा खुश है। हर एक कुमारी सर्विसएबुल रत्न होके निकलेगी। सभी में हिम्मत है? हिम्मत है तो हाथ उठाओ। तो हिम्मते बच्चे मददे बाप है ही। बापदादा भी खुश है, हिम्मत वाले के ऊपर एकस्ट्रा मदद का संकल्प बापदादा का साथ रहता है। तो आज जो भी आये हैं उन एक-एक को बापदादा विशेष हिम्मत दे रहे हैं। कभी घबराना नहीं। मेरा बाबा कहा, बाबा हाज़िर हो जायेगा। सिर्फ दिल से कहना, ऐसे नहीं मेरा बाबा, बाबा का भी बच्चों से प्यार है। हिम्मत आपकी मदद बाप की है ही।

इस वर्ष की यह लास्ट मीटिंग है लेकिन दूसरी सीज़न के लिए हर एक को दो कार्य करने हैं – एक तो अपने सेवास्थान को सदा शुभ भावना, शुभ कामना से सदा निर्विघ्न बनाना। स्वयं निर्विघ्न रहना, सर्व को निर्विघ्न बनाना। मंज़ूर है, हाथ उठाओ। हाथ तो अच्छा उठाते हो। बापदादा हाथ को देख करके खुश भी होते हैं लेकिन बाप को सदा खुश रखना। सोचना नहीं, सोच देना नहीं। फिर भी बाप तो सदा खुश है और सदा ही हर बच्चे को दुआयें देते हैं अमर भव! लेकिन दूसरी सीज़न के लिए विशेष क्या करेंगे? बापदादा का यही संकल्प है कि हर एक बच्चा अपनी कमजोरी को तो जानते ही हैं, जो विशेष कमजोरी हो, आप तो जानते हो ना अपनी कमजोरी को। वह कमजोरी समाप्त करके आना। चाहे व्यर्थ संकल्प हो, चाहे क्रोध हो, छोटा-छोटा क्रोध भी स्वयं को और स्थान को तंग

करता है। तो जो भी कमी हो उसको समाप्त करके आना। पसन्द है! पसन्द है तो दो-दो हाथ उठाओ। वाह भाई वाह! जैसे हाथ उठाने में एवररेडी हो गये ना, ऐसे ही त्याग करने में भी एवररेडी रहना। तो दूसरी सीजन कौन सी सभा होगी? निर्विघ्न, बाप के दिलपसन्द सभा होगी। दादियां पसन्द है? हाथ उठाओ। अभी देखेंगे। सेन्टर वाले रोज़ रात्रि को यह याद दिलाना कि प्रॉमिस क्या किया है? प्रॉमिस प्रमाण चल रहे हैं? शुभ भावना से, टोकने के रूप से नहीं पूछना। शुभ भावना से एक दो के सहयोगी बन एक दो को आगे बढ़ाने की शुभ भावना से इशारा देना।

तो अभी आज का स्लोगन क्या रहा? खुश रहेंगे, खुश करेंगे। पसन्द है ना! हाथ उठाओ पसन्द है? फोटोग्राफर यह फोटो निकालना। तो आज जो भी कमजोरी हो वह इसी हॉल में छोड़के जाना, साथ नहीं लेके जाना। कर सकते हो? इसमें हाथ उठाओ। मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो। अच्छा।

डबल विदेशी:- बापदादा डबल विदेशी नहीं कहते, डबल पुरुषार्थी कहते हैं, पसन्द है ना। बापदादा ने देखा कि डबल विदेशी भी अन्दर-अन्दर परिवर्तन की विधि बहुत अच्छी कर रहे हैं। बापदादा खुश होते हैं डबल विदेशी आगे बढ़ रहे हैं। पुरुषार्थ में उमंग उत्साह बढ़ाते रहेंगे, यह प्रॉमिस करके जा रहे हैं। ऐसे है ना! प्रॉमिस करते हैं ना! और इस बारी देखा यह डबल पुरुषार्थी अच्छी रिजल्ट में आपस में मिले भी हैं और संकल्प भी श्रेष्ठ किया है। लेकिन इस संकल्प को वहाँ जाते भी रोज़ स्मृति में लाना। रात्रि के समय जब सोने जाओ तो चेक करना जो संकल्प किया वह हो रहा है? अगर नहीं हो रहा हो तो रात को सोने के पहले ही दूसरे दिन के उमंग उत्साह को इमर्ज करके फिर सोना। और सुबह को उठकर देखना कि किया हुआ संकल्प अभी भी इमर्ज है या थोड़ा भी मर्ज हो गया। अगर मर्ज हो गया हो फिर उमंग में लाना। बापदादा ने देखा विदेशियों में काफी फर्क है और बापदादा दिल से मुबारक भी देते हैं वाह बच्चे वाह! (वाह बाबा वाह!) बापदादा समझता है एक भी बच्चा कम नहीं हो। एक दो से आगे हो, चाहे विदेश के चाहे देश के। बापदादा को खुशी है विदेश वालों ने जो मधुबन में उन्नति के साधन रखे हैं, मधुबन का भी लाभ उठाते हैं वह देख करके बाबा खुश होते हैं क्योंकि विदेश में तो इतने सारे इकटठे नहीं हो सकते, लेकिन मधुबन में आकर सभी विदेशी मधुबन का लाभ उठाने में अच्छे जा रहे हैं, यह देख करके बापदादा खुश है। आप देश वाले भी विदेशियों के पुरुषार्थ को देख खुश है ना! देखो सभी खुश हैं आप पर। अच्छा है बापदादा की विशेष मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो।

2000 टीचर्स आई हैं:- हाथ उठाओ टीचर्स। बहुत हैं टीचर्स। टीचर अर्थात् अपने फीचर से फ्युचर दिखाने वाली। बापदादा टीचर्स को बहुत-बहुत-बहुत दिल से प्यार करते हैं क्योंकि टीचर बाप समान ड्युटी पर हैं। बापदादा खुश है लेकिन... लेकिन है, अभी लेकिन नहीं सुनाते। लेकिन हर एक टीचर माना फीचर से बाप को प्रगट करने वाली। अच्छा है, मेहनत करते हो वह भी बापदादा देखता है लेकिन सेन्टर को निर्विघ्न बनाना, यह अभी बापदादा की दिल पूरी नहीं की है। अभी इसी साल यह प्रयत्न करना। हर एक की तरफ से यह पत्र आये ''हमारा ज़ोन निर्विघ्न है''। हो सकता है? हो सकता है? कम हिम्मत रखते हैं! अभी इस साल कमाल करके दिखाना। हिम्मत है ना! हिम्मत है, हो जायेगा। बापदादा साथ है। फिर भी बापदादा आपके भाग्य को देख खुश है। अब और खुश करना। समझ तो गई हो। अच्छा। अगली सीजन में क्या करेंगे? दृढ़ संकल्प की माला पहनो। जो बापदादा चाहता है वह सुनाने की आवश्यकता नहीं है। जो बापदादा चाहते हैं, आप भी चाहते हो वह प्रैक्टिकल करना है। ठीक है। ठीक है टीचर्स। हाथ उठाओ। बहुत टीचर्स हैं, वाह टीचर्स वाह! अच्छा, सुना तो दिया दूसरी सीज़न में क्या करना है। करना ही है। सब ज़ोर से बोलो, करना ही है। बापदादा कितना खुश होगा वाह बच्चे वाह!

जो भी कमी है उसको छोड़ना ही है। छोड़ना ही है, यह है पक्का? जिसको पक्का संकल्प है, करना ही है, वह

हाथ उठाओ। अच्छा। हाथ तो बहुत अच्छा उठाया। बापदादा हाथ देख करके तो खुश है। अभी करने में नम्बर लेना है। तो इस सीजन में जो संकल्प कर रहे हो वह संकल्प नहीं लेकिन करना ही है। कुछ भी हो जाए बदलना ही है। यह दृढ़ संकल्प करो। आखिर समय को समीप तो लाना है। अपने राज्य में चलना है ना। चलना है ना! हाथ उठाओ चलना है। चलना है? तो देखेंगे, चलने की तैयारी करनी ही है। अच्छा।

सभी को बहुत-बहुत-बहुत बापदादा का यादप्यार। आजकल तो सभी साइंस के साधनों से नजदीक ही देखने वाले हैं। तो सभी देखने वाले और सम्मुख वाले सभी को बापदादा का यादप्यार और दिल का हार बापदादा पहना रहे हैं। अच्छा, ओम् शान्ति।

दादियों से:- बापदादा तो साथ है ही। (साथ हैं, साथ रहेंगे, साथ चलेंगे) पक्का वायदा है। जब तक हैं अच्छे रहेंगे।

मोहिनी बहन:- देखो, यह मरजीवा हुई है। अच्छा है। (आशीर्वाद है) आशीर्वाद सबको है, (गुल्ज़ार दादी को भी) तब तो चल रही है।

(निर्वैर भाई ने बाबा को कहा शुक्रिया बाबा) शुक्रिया बच्चे।

(दिल्ली मेले का समाचार दिखाया) अच्छी रिजल्ट है।

गोलक भाई से:- अपने को खुश रखो। कोई भी बात हो, बात बाप को दे दो।

रूकमणि दादी से:- ठीक हो जायेंगी। सबका प्यार है ना। सबका प्यार है, बाप का भी प्यार है तो प्यार सब ठीक कर देगा। (कल कह रही थी कर्जा उतारने आई हूँ) कर्जा कुछ नहीं है, बात को छोटा करो, बड़ा नहीं करो, सब ठीक हो जायेगा। अच्छा। सभी को यादप्यार।

वी.आई.पीज से:- अभी तो मेहमान नहीं, घर के हैं। बोलो, घर के हैं ना! हाथ उठाओ। बाप के दिल में हैं। बाप को अपने दिल में बिठाया है। दिलाराम है ना! तो दिल में बिठाओ। जो भी कुछ होगा दिलाराम सहयोग देगा। सब आये हैं दिलाराम के स्थान पर आये हैं। जो दिल की आशायें हैं यहाँ आने से समाप्त कर देना। बच्चों से मिलके लेन देन करके जो भी दिल में हो वह खत्म करके जाना। और दिल में मौज भरके जाना। मौज ही मौज। बापदादा मुबारक दे रहे हैं, आ तो गये। खुश है बापदादा। अपने घर पहुंच गये, रास्ता तो देख लिया। अभी भी आते रहना, सम्पर्क-सम्बन्ध रखते रहना। अच्छा। भले पधारे। बापदादा यादप्यार दे रहे हैं।

दुबई में नया भवन बना है, जिसका उद्घाटन रिमोट कन्ट्रोल से बापदादा ने किया: (ज्योति बहन दुबई) सेवा साथी ठीक हैं। बढ़ाओ। नजदीक है ना। तो नजदीक में जो भी शक्ति है वह आपको पहुंच जाती है। मौज में रहो। जो भी कार्य हो, बाबा आपका कार्य आप करो। बापदादा मददगार है।

(जयपुर में भी नया आडोटोरियम बनाया है, उसका भी उद्घाटन बापदादा ने रिमोट से किया) मुबारक हो।

अच्छा - सभी लगन में मगन हैं। साथ हैं, साथ रहेंगे, साथ चलेंगे, साथ में राज्य करेंगे। अच्छा।

''वर्तमान वायुमण्डल प्रमाण मन्सा शक्ति द्वारा पावरफुल सकाश देने की सेवा करो, वृत्ति द्वारा वृत्तियों का परिवर्तन करो''

हर एक बच्चे का प्यार बाप को मिल रहा है। प्यार के रेसपान्ड में बापदादा भी हर बच्चे को पदमगुणा प्यार दे रहे हैं। हर एक बच्चा स्नेह में समाया हुआ है। बापदादा भी स्नेही बच्चों को देख बार-बार दिल में कहते हैं वाह बच्चे वाह! बाप को बच्चों के बिना सूना-सूना लगता है और बच्चों को बाप के बिना सूना-सूना लगता है।

आज हर बच्चे के मस्तक में बाप का स्नेह समाया हुआ है। बाप का दिल कहता एक-एक बच्चा वाह बच्चे वाह है। आज विशेष डबल विदेशी बच्चों का मिलन दिन है। तो बापदादा विदेश की सेवा में सन्तुष्ट है। भारत की सेवा भी कम नहीं है लेकिन आज दिन के प्रमाण बापदादा ने देखा कि विदेश की सेवा भी अच्छी विस्तार को पा रही है। अच्छे-अच्छे बिछड़े हुए बच्चे अपना वर्सा लेने आ गये हैं। समय अपने नज़ारे दिखा रहा है लेकिन बच्चे अपनी सेवा में आगे बढ़ रहे हैं चाहे देश, चाहे विदेश। बापदादा बच्चों की सेवा में खुश है और हर श्रेष्ठ कार्य की रिजल्ट को देख दिल से कहते वाह बच्चे वाह! डबल विदेशी भी चारों ओर सन्देश देने में, परिचय देने में कम नहीं हैं और भारत के बच्चे भी सेवा में कम नहीं। बापदादा दोनों की सेवा देख खुश है। साथ-साथ मन की स्थिति में नम्बरवार हैं। अभी बापदादा यही चाहते हैं स्व स्थिति और सेवा की स्थिति दोनों में तीव्र हो। बापदादा यही चाहते हैं कि हर बच्चा सदा अचल अडोल आगे से आगे बढ़ता जाए। दुनिया के वायुमण्डल प्रमाण अभी बच्चों को मैजारिटी पावरफुल सकाश से वायुमण्डल को परिवर्तन करने की मन्सा शक्ति की इस समय आवश्यकता है। मन्सा शक्ति को और पावरफुल कर मन्सा शक्ति द्वारा आजकल के प्रभाव को परिवर्तन करने पर और ज्यादा अटेन्शन देना आवश्यक है। आजकल के हिसाब से सुनने सुनाने की शक्ति के बजाए वृत्ति द्वारा वृत्तियां बदलने की आवश्यकता है। बापदादा ने देखा वृत्तियां बदलने की शक्ति को और ज्यादा कार्य में लगाना है।

तो आज डबल फारेनर्स का विशेष दिन है। बापदादा विशेष डबल फारेनर्स को पदमगुणा शाबास दे रहे हैं। क्यों? देश वाले भी कम नहीं हैं लेकिन विदेश के वातावरण अनुसार सेवा की वृद्धि अच्छी कर रहे हैं इसीलिए आज विशेष उन्हों का दिन है। बापदादा ने सारे विदेश के देशों में चक्र लगाते हुए देखा कि मैजारिटी सेवा का अटेन्शन अच्छा है। भारत भी कम नहीं है, भारत वाले भी भिन्न-भिन्न प्रोग्रामस, भिन्न-भिन्न उमंग-उत्साह के साधन बना रहे हैं। बापदादा सर्विस को देख दोनों तरफ खुश है लेकिन अभी के वातावरण प्रमाण मन्सा शक्ति द्वारा वायुमण्डल को परिवर्तन करने की आवश्यकता है। बाकी बापदादा बच्चों का उमंग देख खुश है।

आप सभी भी चाहे भारत चाहे विदेश दोनों भी हर बच्चा अपने स्व-उन्नति और सेवा की उन्नति देख खुश हैं? अभी मन्सा शक्ति द्वारा वायब्रेशन चेंज करना, वातावरण चेंज करना उसकी आवश्यकता है। यह सुनने सुनाने से नहीं होगा लेकिन अपने मन की शुभ कामना, मनुष्यों की वृत्ति को, दृष्टि को, कृति को परिवर्तन कर सकती है। तो आज बापदादा एक-एक बच्चे को चाहे विदेश चाहे देश हर बच्चे को सेवाओं के वृद्धि की मुबारक दे रहे हैं। अच्छा।

विदेश वाले आपस में भी अच्छा संगठन करके सेवाओं की लेन देन करके अच्छा आगे बढ़ रहे हैं। मधुबन में अच्छा चांस मिलता है। आपस में मिलने का, आपस में रूहरिहान करने का वा सेवा के प्लैन बनाने का, बापदादा सब देखते हैं कैसे बच्चे आपस में संगठन बनाके सेवा को आगे बढ़ा रहे हैं। बापदादा मुबारक दे रहे हैं। भारत भी कम नहीं है। बापदादा दोनों को देखते रहते हैं। सेवा का उमंग उत्साह दोनों तरफ अच्छा है। रिजल्ट भी अच्छी है,

बापदादा खुश है। अभी स्वराज्य अधिकारी बनने की विधि और उस विधि को प्रैक्टिकल में अनुभव करना, इस तरफ भी अटेन्शन देना है। आज आवश्यकता है मन के शक्ति द्वारा परिवर्तन करने की। मन की वृत्तियों को परिवर्तन करने की। अभी चारों ओर जैसे भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार की बातें चल रही हैं अभी इस वातावरण को मन की शक्ति द्वारा परिवर्तन कर सबके मन में परमात्म याद का उमंग-उत्साह पैदा करो। अच्छा। अभी क्या करना है।

1) यू.के. यूरोप, मिडिलइस्ट– एक-एक रत्न महान और महावीर है, बापदादा एक-एक महावीर बच्चे को विशेष दिल का यादप्यार दे रहे हैं। अच्छा है, संगठन बढ़ता जा रहा है इसकी बधाई है। अच्छा।

2) आस्ट्रेलिया-एशिया – अच्छा संगठन है। बापदादा एक-एक बच्चे को देख, एक-एक बच्चे के दिल में गुण गा रहे हैं। वाह बच्चे वाह!

3) अमेरिका - करेबियन सहित– बापदादा एक-एक बच्चे को देख, उनके भाग्य को देख वाह हर एक का भाग्य, देख-देख खुश होते हैं। हर एक की महिमा एक दो से आगे है। बहुत अच्छा संगठन में मिलके आये हैं, जितने कदम उठाये उतने पदम इकट्ठे किये इसलिए एक-एक बच्चे को जितने भी बैठे हैं, चाहे देश चाहे विदेश वाले एक-एक बच्चे को बापदादा पदमगुणा मुबारक दे रहे हैं।

4) अफ्रीका, मौरीशियस– हाथ हिलाओ। सदा आगे बढ़ने वाले और बढ़ाने वाली आत्मा हो। बापदादा हर बच्चे का वर्तमान और भविष्य देख हर्षित हो रहे हैं। सदा आगे बढ़ते और बढ़ाते रहना। कोई भी अगर थोड़ा भी कमजोर होता है तो उनको अपने सहयोग द्वारा चाहे स्वयं चाहे बड़ों से सहयोग दिलाते रहना। परोपकारी बन स्व उपकार और पर-उपकार दोनों को अटेन्शन में रखते आगे से आगे बढ़ रहे हैं, यह चेक करते, बढ़ते भी रहना और बढ़ाते भी रहना।

बाकी बापदादा विदेश के ग्रुप को टोटल देख करके खुश है कि वृद्धि को प्राप्त कर विधि पूर्वक उड़ रहे हैं, उड़ते रहेंगे।

5)रशिया– टीचर्स, उनके लिए तो ताली बजाओ। टीचर्स अर्थात् जिनके फीचर्स से बापदादा दिखाई दे। उनके नयनों से उनके हर बोल से मेरा बाबा, प्यारा बाबा अनुभव हो। टीचर्स को नहीं देखें लेकिन टीचर्स में बापदादा दिखाई दे। ऐसे है भी और बापदादा हर टीचर को यही कहते कि आगे बढ़ो और आगे बढ़ाते बाप समान बनाते चलो। वाह टीचर्स वाह! मेहनत का फल देख रहे हैं। आपकी मेहनत का फल दिखाई देता है। बहुत अच्छा। अभी यही हर एक में कोशिश करो कि हर एक के फीचर्स में फ्युचर दिखाई दे। आशा के दीप दिखाई दें। अभी हमारा राज्य आया कि आया। यह उमंग उत्साह हर एक के फीचर्स में दिखाई दे। बहुत अच्छा।

पहली बार आने वाले डबल विदेशी:- भले पधारे अपने घर में आये। बापदादा को खुशी होती है कि बिछुड़े हुए बच्चे अपना वर्सा लेने अपने घर में पहुंच गये। सबकी तरफ से, सारे परिवार की तरफ से आप सबको लाख-लाख बधाईयां हो, बधाईयां हो।

टीचर्स की टीचर कौन? बापदादा तो है लेकिन बापदादा के आप भी (दादी जानकी) साथी हो। अच्छा अटेन्शन तो रखते हैं। चाहे भारत की टीचर्स, चाहे विदेश की, सब टीचर्स को आज बापदादा दिल का प्यार दे रहे हैं। अच्छा। आज तो डबल फारेनर्स का दिन है ना। बापदादा को भी खुशी है सदा खुश तो है लेकिन खुशी में खुशी है। आप सभी भारतवासी बच्चों को फारेन की सेवा देख खुशी होती है ना! होती है? बापदादा को होती है। क्यों? विश्व का पिता है ना। भारत का ही पिता नहीं है, सिर्फ भारत नहीं लेकिन विश्व पिता है। विश्व पिता को प्रत्यक्ष करने वाले निमित्त यह भिन्न-भिन्न फारेन के बच्चे हैं। तो बापदादा आज एक-एक बच्चे को बधाईयां भी दे रहे हैं, वाह

सेवाधारी बच्चे वाह! अच्छा। (बापदादा दृष्टि देते वापस चले गये, फिर से आवाह्न किया गया)

दादियों से:- आंख मिचौली हो गई। (जानकी दादी जी ने कहा, बाबा आपने इतनी खुशी दी मैं क्या दूं) आपने सब दे दिया। कुछ है ही नहीं, सब दे दिया।

विदेश की बहिनों से:- अच्छी फुलवाड़ी बनाई है बापदादा को पसन्द है। अच्छे उमंग उत्साह में चल रहे हैं। आप सबकी मेहनत का फल अच्छा निकला है।

सभी को विशेष यादप्यार। सेवा की मुबारक हो। सदा आगे बढ़ते रहना, बढ़ाते रहना।

कमलमणी दादी से:- ठीक है, अभी उठ जाओ। अभी पलंग पर नहीं जाना। बैठके सेवा करो।

रुकमणि दादी से:- ठीक है ना। जितना तबियत को चला सको उतना चलाओ। ज्यादा काम नहीं लो। थोड़ा बीच-बीच में आराम करो क्योंकि अभी तो टाइम पड़ा है ना और उसमें आपको सेवा करनी है। सम्भाल भी करो, सेवा भी करो। सम्भालो अच्छी तरह से।

चन्द्रा बहन (मौरीशियस):- अच्छा पार्ट बजाया। ठीक है ना। हर रोज़ अमृतवेले उठके वाह बाबा, वाह मेरा बाबा वाह करती रहो। शरीर में ताकत जितनी भी है बैठे-बैठे सेवा करो। क्लास नहीं कराओ लेकिन पर्सनल सेवा करो। निर्विघ्न है।

मोहिनी बहन:- अभी आयु है इसलिए चलेंगी।

चारली भाई:- अच्छी सेवा कर रहे हो। (गायत्री बहन ने आंटी की वा परिवार की याद दी) बापदादा का भी जिगरी प्यार उन्हों को देना। अच्छी है। जितनी ताकत है उतना अच्छा अपने को चला रही है और जितना भी रहती है उतनी मन्सा सेवा अच्छी कर रही है। सेवा के बिना रहने वाली नहीं है। अच्छी है। अच्छा।

दीपावली निमित्त बापदादा ने सबको बधाई दी:- विश्व के चारों ओर के मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों को यादप्यार और गुडनाईट। आने वाली दीपावली, आप तो चैतन्य दीपक हो, तो आने वाली दीपावली की भी आप जागती ज्योत दीपकों को बहुत-बहुत-बहुत मुबारक हो। चारों ओर के बच्चों को, चाहे देश चाहे विदेश एक-एक बच्चे को बाप दीवाली की मुबारक दे रहे हैं। ओ.के.। ओ.के.। सदा ओ.के.। क्या फिकर है! फिकर आवे तो बाप को दे दो। आप सदा ओ.के.। सभी का लक्ष्य है कि हम दीपावली के दीपक सदा जग रहे हैं और जगते रहेंगे और अपने राज्य में जाके वहाँ भी दीपावली मनायेंगे। अपना राज्य याद है ना। आया कि आया।

(यहाँ की दीपावली और वहाँ की दीपावली में अन्तर क्या होगा) वहाँ की सजावट ही न्यारी और प्यारी होगी। सजावट और प्यार, दिल का प्यार। ऐसे तो रूसा हुआ भी दीपक जगा देता है लेकिन वहाँ सब खुशी-खुशी से दीपक जगाते, मौज मनाते, मौज ही राज्य है। यहाँ तो मजबूरी से भी जगाते हैं। (वहाँ पर आपको दीवाली मनाने का निमन्त्रण है) देखेंगे। करेंगे नहीं, देखेंगे दूर से। आप जगायेंगे, बाप देखेगा। (बापदादा वहाँ साथ में आकर दीवाली मनायें तो और अच्छा होगा) वहाँ बच्चों का पार्ट है। अच्छा।

सभी चारों ओर के मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों को आज का यादप्यार और दीपावली का भी यादप्यार।

''कोई भी बात आये उसे बाप को देकर आप मुस्कराते रहो''

सभी खुशनुमा बच्चों को देख बापदादा बहुत-बहुत खुश हो रहे हैं। वाह मेरे खुशनसीब, खुशनुमा बच्चे वाह। सभी के दिल में बापदादा समाया हुआ है। हर बच्चे के चेहरे से स्नेह की खुशबू आ रही है। सदा हर बच्चा खुश आबाद रहने वाली आत्मायें हैं। बापदादा एक-एक बच्चे की मुस्कराती हुई सूरत को देख खुश है। सदा ऐसे ही मुस्कराते खुशी में नाचते बढ़ते चलो, बढ़ाते चलो। हर बच्चे के मस्तक में बापदादा चमकते हुए सितारे को देख रहे हैं। अच्छा।

आज सर्व बच्चों की याद की आकर्षण बापदादा को पहुंच रही है। सदा खुश है और सदा खुश रहेंगे। कोई भी बात आये, बात बाप को दे दो और आप मुस्कराते रहो। अच्छा।

आज शरीर के कारण सभी बच्चों की आह्वान से बापदादा सबसे मिलन मना रहे हैं। अच्छा।

आज शरीर के कारण छोटी सी मुलाकात हो रही है।

चारों ओर के बच्चे सुन भी रहे हैं और नयनों से मिलन भी मना रहे हैं। बापदादा बच्चों के मिलन को देख कितने खुश होते हैं, वह हर एक बच्चा जान सकते हैं। अच्छा।

आज का ग्रुप विशेष जो आये हैं, हाथ उठाओ, (कर्नाटक ज़ोन के सेवाधारियों सहित 15 हजार भाई बहिनें आये हैं) जो अभी आये हैं। सभी को मुबारक है, मुबारक है, मुबारक है। अच्छा।

बापदादा चारों ओर के बच्चे जो चात्रक हो सुन रहे हैं देख रहे हैं उन सभी को बहुत बहुत याद प्यार दे रहे हैं। आप सभी को तो सम्मुख यादप्यार मिल रहा है। लेकिन चारों ओर के बच्चे बहुत स्नेह पूर्वक आश लगाकर बैठते हैं। उन आशा रखने वाले बच्चों को जैसे बच्चे देख रहे हैं वैसे बापदादा भी देख रहे हैं। सभी से बापदादा नयनों का मिलन मना रहे हैं। अच्छा।

निमित्त बने हुए चाहे पाण्डव हैं, चाहे शक्तियां हैं, सभी सहयोगी और स्नेही बन अपना अपना कार्य कर रहे हैं और करते रहेंगे।

(मोहिनी बहन, मुन्नी बहन 7 दिन के लिए दुबई जा रहे हैं) बनाया है तो जाना ही है। (आपकी मदद तो चाहिए) मदद देने के लिए बंधा हुआ है। (दादी जानकी जी ने विदेश के बहिनों की याद दी) जिन्होंने भी यादप्यार भेजा है उन सबको बापदादा दृष्टि देते हुए यादप्यार दे रहे हैं।

(अव्यक्त बापदादा के यह रिवाइज महावाक्य मधुबन में 17-11-13 को सुनाये जायेंगे। 15 तारीख के महावाक्यों के साथ यह मुरली क्लास में सुना सकते हैं।)

"इस वर्ष अनुभवी मूर्त बन सबको अनुभवी बनाओ

आज नजर से निहाल करने वाले बापदादा आप सभी अति स्नेही, सहयोगी, स्नेह में लवलीन बच्चों को देख रहे हैं। हर एक बच्चे के मस्तक में, दिल में स्नेह का सबूत दिखाई दे रहा है। (हाल में पीछे वाले भाई बहिनों से) आप सोचेंगे कि हम पीछे वाले तो दिखाई नहीं देते हैं लेकिन बापदादा के नयनों में ऐसी अनोखी टी.वी. है जिससे दूर की चीज भी सामने दिखाई दे रही है। चाहे कहाँ भी कोने में बैठे हो लेकिन बाप के सामने हो। अभी तो फिर भी आराम से बैठे तो हो ना। (तालियां बजाई) आज बहुत उमंग-उत्साह और खुशी है ना तो तालियों से दिखा रहे हैं। लेकिन बापदादा आपके दिल की खुशी को जानते हैं। बापदादा देख रहे हैं कि हर एक बच्चे को सहयोग का सबूत देने में बहुत खुशी होती है इसलिए हजारों भुजायें दिखाई हैं। तो भुजायें सहयोग की निशानी हैं। बापदादा जानते हैं एक-एक बच्चे ने चारों ओर चाहे देश में, चाहे विदेश में सभी ने चाहे धन से, चाहे मन से, चाहे तन से सहयोग अवश्य दिया है। और आज आप सबके सहयोग का सबूत आप आराम से बैठ देख भी रहे हो, सुन भी रहे हो। अभी ज्यादा ताली नहीं बजाओ। आपके खुशी की, मन की तालियां बापदादा के पास पहुंच गई हैं।

देखो आज दो विशेषतायें हैं। एक इस शान्तिवन को जो सभी ने उमंग-उत्साह से बनाया है उसका बापदादा के साथ-साथ आप बच्चे भी उद्घाटन कर रहे हैं और आज ड्रामानुसार नया वर्ष भी शुरू होने वाला ही है इसलिए बापदादा सभी बच्चों को अपनी दोनों बाहों में समाते हुए दोनों बातों की मुबारक दे रहे हैं। और जैसे अभी इस समय साकार रूप में बाप के साथ उमंग-उत्साह और खुशी में झूम रहे हो ऐसे ही नये वर्ष में सदा सदा अव्यक्त रूप में साथी समझना, अनुभव करना – यह साथ का अनुभव बहुत प्यारा है। बापदादा को भी बच्चों के बिना अच्छा नहीं लगता है। (माइक बंद हो गया) पहला-पहला अनुभव है ना इसलिए यह भी ड्रामा में खेल समझना, कोई भी बात नीचे ऊपर नहीं समझना। अच्छा है और अच्छा ही रहेगा। बहुत अच्छा, बहुत अच्छा करते आप भी अच्छे बन जायेंगे और ड्रामा की हर सीन भी अच्छी बन जायेगी क्योंकि आपके अच्छे बनने के वायब्रेशन कैसी भी सीन हो नगेटिव को पाजिटिव में बदल देगी, इतनी शक्ति आप बच्चों में है सिर्फ यूज़ करो। शक्तियां बहुत हैं, समय पर यूज़ करके देखो तो बहुत अच्छे-अच्छे अनुभव करेंगे।

यह नया हाल और नया वर्ष तो इसमें क्या करेंगे? नये वर्ष में कुछ नवीनता करेंगे ना। तो यह वर्ष अनुभवी मूर्त बन औरों को भी अनुभव कराने का वर्ष है। समझा – क्या करना है? अनुभव करना है। वाणी द्वारा वर्णन तो करते ही हो लेकिन हर बच्चे को हर शक्ति का, हर गुण का अनुभव करना है। अनुभवी मूर्त हो ना! अनुभवी मूर्त हो या वाणी मूर्त हो? अनुभवी हो भी लेकिन इस वर्ष में कोई भी ऐसा बच्चा नहीं कहे कि मुझे इन बातों का तो अनुभव है, लेकिन इस बात का अनुभव बहुत कम है। ऐसा कोई बच्चा न रहे क्योंकि ज्ञान का अर्थ ही है सिर्फ समझना नहीं लेकिन अनुभव करना और जब तक अनुभव नहीं किया है तो औरों को भी अनुभवी नहीं बना सकते। अगर वाणी तक है, अनुभव तक नहीं है तो जिन आत्माओं की सेवा के निमित्त बनते हो वह भी वाणी द्वारा बहुत अच्छा, बहुत अच्छा, कमाल है–यहाँ तक आते हैं। अनुभवी हो जाएं – वह कोटों में कोई, कोई में भी कोई हैं और प्रत्यक्षता का आधार अनुभव है। अनुभव वाली आत्मायें कभी भी वायुमण्डल वा संग के रंग में नहीं आ सकती हैं। सिर्फ वाणी के प्रभाव वाले कभी नाचेंगे और कभी सोच में पड़ जायेंगे, अनुभव अर्थात् पक्का फाउण्डेशन। आधा अनुभव है तो आधा फाउण्डेशन पक्का है, उसकी निशानी है वह छोटी बड़ी बातों में हिलेगा, अचल नहीं होगा क्योंकि आने

वाली बातें वा समस्यायें प्रबल हो जाती हैं, इसलिए अधूरे फाउण्डेशन वाले लड़खड़ाते हैं, गिरते नहीं हैं लेकिन लड़खड़ाते हैं तो पहले इस वर्ष में अपने अनुभवी मूर्त के फाउण्डेशन को पक्का करो। कई बच्चे आज बहुत फास्ट चलते हैं और कल थोड़ा सा चेहरा बदला हुआ होता है, कारण? अनुभव का फाउण्डेशन पक्का नहीं है। अनुभव वाली आत्मायें कितनी भी बड़ी समस्या को ऐसे हल करेंगी जैसे कुछ हुआ ही नहीं। आया और अपना पार्ट बजाया लेकिन साक्षी होकर, न्यारे और प्यारे होकर खेल समान देखेंगे। बात नहीं खेल, मनोरंजन, मनोरंजन अच्छा लगता है ना? तो कोई भी बात हो, आप के लिए बड़ी बात तब लगती है जब फाउण्डेशन जरा भी कच्चा है। चाहे 75 परसेन्ट पक्का है, चाहे 90 परसेन्ट पक्का है तो भी हिलने का चांस सम्भव है। बापदादा को बच्चों की मेहनत अर्थात् युद्ध करना अच्छा नहीं लगता। मेहनत क्यों? युद्ध क्यों? क्या योगी के बजाए योद्धे बनने वाले हो या योगी आत्मायें हो? युद्ध करने वाले संस्कार चन्द्रवंश में ले जायेंगे और योगी तू आत्मा के संस्कार सूर्यवंश में ले जायेंगे। तो क्या बनना है सूर्यवंशी या चन्द्रवंशी बनना है? सूर्यवंशी बनना है तो युद्ध खत्म। इस वर्ष में युद्ध खत्म हुई? इसमें हाँ नहीं कहते हो? कहने से कहते हो? बापदादा तो न देखते हुए भी बच्चों की रिजल्ट देख लेते हैं, हर समय की रिजल्ट नयनों के सामने नहीं लेकिन दिल में आ ही जाती है। यहाँ साकार वतन में जब आप थोड़ा-थोड़ा या बहुत हिलते हो तो बाप को वहाँ वतन में अनुभव होता है कि कोई हिल रहा है। इसलिए जैसे शान्तिवन की खुशी है, हाल की खुशी है ऐसे बापदादा और इतने बड़े संगठन के बीच यह वायदा करो कि इस वर्ष में हलचल से परे हो अचल-अडोल बनना ही है, बनेंगे नहीं, बनना ही है। ऐसे है? ऐसे जो समझते हैं बनना ही है, सोचेंगे, करेंगे, देखेंगे – यह नहीं, वह हाथ उठाओ। अच्छा–मुबारक हो और जिन्होंने किसी भी कारण से नहीं उठाया, ऐसे नहीं हो सकता कि नहीं बनेंगे लेकिन कोई कारण से नहीं उठाया हो तो वह उठाओ। शर्म आता है उठाने में, तो सोचो जब हाथ उठाने में शर्म आता है तो करने के टाइम भी शर्म करना। सोचना कि यह शर्म करने की बात है, तो नहीं होगी। पक्के हो जायेंगे क्योंकि कई बच्चे बार-बार पूछते हैं, चाहे निमित्त बच्चों से या रूहरिहान में बापदादा से एक ही क्वेश्चन करते हैं, बाबा विनाश की डेट बता दो। सभी का क्वेश्चन है ना? अच्छा बापदादा कहते हैं डेट बता देते हैं – चलो दो हजार में पूरा होगा तो क्या करेंगे? यह कोई डेट नहीं दे रहे हैं, मिसअन्डरस्टैण्ड नहीं करना। बापदादा पूछ रहे हैं कि समझो 2 हजार तक आपको बताते हैं तो क्या करेंगे? अलबेले बनेगे या तीव्र पुरूषार्थी बनेंगे? तीव्र पुरूषार्थी बनेंगे! और बापदादा कहते हैं कि इस वर्ष में हलचल होगी तो फिर क्या करेंगे? और तीव्र पुरूषार्थ कर लेंगे? या थोड़ा-थोड़ा डेट कानसेस हो जायेंगे, गिनती करते रहेंगे कि इतना समय पूरा हुआ, एक मास पूरा हुआ, एक वर्ष पूरा हुआ, बाकी इतने मास हैं! ..... तो डेट कानसेस बनेंगे या सोल कानसेस बनेंगे? क्या करेंगे? अलबेले नहीं बनेंगे? यह तो नहीं सोचेंगे कि अभी तो 4 वर्ष पड़े हैं? क्या हुआ, लास्ट वर्ष में कर लेंगे – ऐसे अलबेले नहीं बनेंगे या थोड़ा-थोड़ा बन जायेंगे? आप नहीं भी बनेंगे तो माया सुन रही है, वह ऐसी बातें आपके आगे लायेगी जो अलबेलापन, आलस्य बीच-बीच में आयेगा, फिर क्या करेंगे? इसीलिए बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि डेट कानसेस नहीं बनो लेकिन हर समय अन्तिम घड़ी है, इतना हर घड़ी में एवररेडी रहो। अच्छा मानों बापदादा कहते हैं 2 हजार के बाद होगा, चलो आपने मान लिया, रीयल नहीं है लेकिन मान लिया तो आप दो हजार में सम्पूर्ण बनेंगे और दूसरों को कब बनायेंगे? सतयुग में बनायेंगे क्या? बनाने वाले थोड़े हैं और बनने वाले बहुत हैं, उन्हों के लिए भी समय चाहिए या नहीं? अगली सीजन में भी पूछा था कि कम से कम सतयुग आदि के 9 लाख बने हैं? नहीं बने हैं तो विनाश कैसे हो? किस पर राज्य करेंगे? पुरानी आत्माओं के ऊपर राज्य करेंगे? नई आत्मायें तो तैयार हुई नहीं और विनाश हो जाए तो क्या करेंगे? इसलिए बापदादा ने यह काम अपने बच्चे जो ज्योतिषी हैं ना, उन्हों के

ऊपर ही रखा है। जो ज्योतिषी कर सकते हैं, वह बाप क्यों करेगा! फिर भी बाप के बच्चे हैं, उन्हों को कमाने दो। उन्हों की कमाई का साधन यही है। अगर किसको बहुत जल्दी हो तो उन बच्चों से पूछो। बाप नहीं बतायेगा।

समझा – इस वर्ष क्या करना है? अनुभवी मूर्त। कई बच्चे रूहरिहान में बहुत ही मीठी-मीठी रूहरिहान करते, कहते हैं – क्या करें बाबा, इतना तो हो गया है, बाकी इतना आप कर लो। राज्य हम करेंगे लेकिन सम्पूर्ण आप बना दो। ऐसे होगा? बाप मददगार जरूर है और अन्त तक रहेंगे, यह गैरन्टी है लेकिन किसके मददगार? जो पहले हिम्मत का पांव आगे करते हैं, फिर बाप मदद का दूसरा पांव उठाने में सम्पूर्ण मदद करते हैं। हिम्मत का पांव उठाओ नहीं और सिर्फ कहो बाबा आप कर लो, बाबा आप कर लो। तो बापदादा भी कहेगा देखेंगे, पहले पांव तो रखो। एक पांव भी नहीं रखेंगे तो कैसे होगा! इसलिए इस वर्ष में हर समय यह चेक करो कि हिम्मत के पांव मजबूत हैं? बाप को कहने के पहले यह चेक करो। हिम्मत का पांव बढ़ाया और मदद नहीं मिले, यह असम्भव है। सिर्फ थोड़ा सा हिम्मत का पांव बढ़ाओ, इसीलिए गाया हुआ है पहला शब्द क्या आता है? हिम्मते बच्चे मददे बाप ,इसको उल्टा नहीं करो – मददे बाप और फिर हिम्मत बच्चों की। बाप तो मुस्कराते रहते हैं, वाह मेरे लाडले बच्चे वाह! निश्चय से हिम्मत का पांव जरा भी आगे करेंगे तो बाप पदमगुणा मदद के लिए हर एक बच्चे के लिए हर समय तैयार है। अच्छा।

चारों ओर के सर्व उमंग-उत्साह से आगे बढ़ने वाले, सदा इकॉनामी के अवतार बन समय, संकल्प, वाणी और कर्म को बचत के खाते में जमा करने वाले, साकार वा आकार रूप में नया वर्ष मनाने वाले सिकीलधे बच्चे, बापदादा देख रहे हैं कि चारों ओर के बच्चे, साकार में नहीं तो आकार रूप में मधुबन में ही हैं और आकार रूप में मना रहे हैं। तो सभी को बापदादा नये वर्ष की, शान्तिवन के स्थापना की मुबारक और यादप्यार दे रहे हैं। सभी सन्तुष्ट मणियों को नमस्ते।

ओम् शान्ति 30-11-13 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, सदा अव्यक्त मिलन की चात्रक आत्मायें, बापदादा के प्यार में समाई हुई, संगमयुगी सर्वश्रेष्ठ ब्राह्मण कुल भूषण भाग्यवान आत्मायें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - आज 30 नवम्बर, 2013 को अव्यक्त मिलन के यू.पी. सेवा टर्न में भारत तथा विदेश से लगभग 15000 भाई बहिनें अपने शान्तिवन में पहुंचे हुए हैं। ड्रामा की कल्प पहले की नूंध प्रमाण आज अव्यक्त बापदादा का मिलन, व्यक्त में दादी गुल्जार जी के द्वारा होना था, लेकिन आपरेशन के बाद दादी जी को काफी कमजोरी महसूस हो रही थी इसलिए मुम्बई से आबू आना नहीं हुआ।

आज सभी अमृतवेले से बापदादा की यादों में खोये हुए थे। बहुत अच्छा शान्त अव्यक्त वातावरण था। शाम को 4 बजे से डायमण्ड हाल में सभी अव्यक्त स्थिति द्वारा अव्यक्त मिलन की अनुभूति के लिए पहुंच गये। पहले सूर्य भाई ने विशेष योग कामेन्ट्री के साथ अव्यक्त अनुभूतियों के प्रति अपनी प्रेरणायें दी। फिर 6 से 7 बजे तक बहुत शक्तिशाली योग चला तथा अव्यक्त बापदादा की रिवाइज मुरली सभी ने सुनी व वीडियो द्वारा देखी। 7 बजे सभी दादियां मुख्य भाई बहिनें स्टेज पर आये, उसके पश्चात मुम्बई में गुल्जार दादी ने बापदादा को भोग स्वीकार कराया (वीडियो कान्फ्रेन्सिग द्वारा सभी ने पूरा दृश्य देखा) फिर सभी के प्रति गुल्जार दादी ने बापदादा का सन्देश सुनाया:-

ओम् शान्ति। आप सबकी यादप्यार लेते हुए मैं बाबा के पास वतन में पहुंची। बाबा अपने कमरे में गद्दी पर बैठे थे और मैं जब बाबा के सामने गई तो बापदादा ने बहुत मीठा मुस्कराते मिलन मनाया और कहा आओ मेरे दिल का हार, आज किसकी याद लाई हो? मैंने कहा बाबा आज तो आपके सिकीलधे यू.पी. वाले बच्चे आपसे मिलन मनाने आये हैं। तो ऐसे लगा जैसे बापदादा अपने कमरे में बैठे हुए भी वहाँ नहीं हैं। जैसे बाबा सभी बच्चों को बहुत-बहुत मीठी-मीठी दृष्टि देते मिलन मना रहे थे और बैठे हुए सब बच्चे बहुत-बहुत प्यार से मिलन मना रहे थे। फिर बाबा बोले, सभी बच्चे बापदादा के दिल के हार हो। बाबा जब हर एक बच्चे को दृष्टि दे रहे थे, तो दृष्टि देते हुए ऐसा लगा जैसे बाबा एक-एक को जिसको भी देख रहे हैं ना, उनसे कुछ बोल रहे हैं। हम तो वह नहीं सुन सकी लेकिन बाबा की जो सूरत और मूरत है, वह एक-एक को जैसे गले भी लगा रहे हैं लेकिन गले लगाते हुए जैसे अपने में समा रहे हैं। यह सीन पहले देखी। फिर बाबा बोले, बच्चों का बाप से प्यार और बाप का बच्चों से प्यार यह भी संगमयुग का विशेष भाग्य है। बाप हर बच्चे को देख चाहे लास्ट है, चाहे फर्स्ट है लेकिन बापदादा हर बच्चे को ऐसे देख रहे थे जैसे कोई अपनी चीज़ होती है तो उसको कितने प्यार से देखते हैं, हाथ से ऐसे प्यार करते हैं। ऐसे बाबा भी जैसे एक-एक को दृष्टि द्वारा ही ऐसे प्यार कर रहा था, जैसे रूबरू प्यार कर रहा है और सभी को फीलिंग भी जो आ रही थी, वह यही आ रही थी जैसे बाबा हमसे सम्मुख मिल रहे हैं। सबके नयनों में पानी भरा हुआ था। गिरता नहीं था लेकिन समाया हुआ था। हम भी देख रहे थे, बाबा कैसे एक-एक बच्चे से मिलन मना रहे हैं। उसके बाद बाबा ने बोला, देखो बच्चे संगमयुग पर बाप का पार्ट चल रहा है लेकिन जानने वाले आप सिकीलधे बच्चे हैं और एक-एक को बाबा नम्बरवार ऐसी मीठी दृष्टि दे रहे थे जैसे एक-एक से कुछ बात कर रहे हैं। तो हमने बाबा को कहा बाबा आप तो बातें कर रहे हैं लेकिन हम तो सुनते नहीं। तो बाबा ने कहा, यह जो आये हुए बच्चे हैं ना, उन्हों के दिल का आवाज, दिल की आश बाबा ही जाने। एक-एक बच्चा देखो, बाबा को कैसे देख रहा है। जैसे कोई प्यासी होता है। बाबा बोले, देखो ड्रामा में यह भी नूंधा हुआ था लेकिन हर एक बच्चे के दिल का समाचार बाबा जाने, और कोई नहीं जान सकते। बाबा जाने एक-एक बच्चे के दिल में अभी क्या चल रहा है! बाप खुश भी होता है कि हर

एक बच्चे का बाप से कितना जिगरी प्यार है और बाप का तो है ही। बाबा ने कहा देखो, बाबा का प्यार नहीं होता तो आप लोगों को कहाँ से ढूंढ़ा, कोई फारेन से आया है, कोई इन्डिया के भिन्न-भिन्न स्थानों से। सबको बाबा ने ढूंढा ना। तो इतना बाबा का प्यार है जो मेरे बच्चे गुम हो गये थे, उनको ढूंढ करके अपने पास बुला लिया। ऐसे कहते बाबा दृष्टि देते गये, सभी सुनते हुए जैसे प्यार में समाये हुए थे। उसके बाद बाबा ने कहा बच्ची मैंने आये हुए ग्रुप में एक-एक को दृष्टि भी दी है और होवनहार बच्चे कहकरके यादप्यार भी दिया है। बाबा छोड़ता नहीं है, जैसे बच्चे बाबा को छोड़ते नहीं हैं, वैसे बाबा भी बच्चों के प्यार को छोड़ते नहीं हैं और बाबा देख रहा है कि आये हुए जो बच्चे हैं, उन्हों के दिल में डबल बातें चल रही हैं। एक तो प्यार आ रहा है बस बाबा मिला, बाबा मिला, क्योंकि सीन देख रहे हैं। और दूसरी बात यह है कि समझ भी रहे हैं कि हम आये हैं, बाबा कहाँ है, मैं कहाँ हूँ। लेकिन एक-एक का प्यार बाप के दिल में समा गया है। ऐसे बाबा ने बोला फिर मेरे को कहा बच्ची अभी समय हो गया है इसलिए जाना तो होगा ही।

देखो, बाबा ने अपने एक-एक सिकीलधे बच्चे को कहा यह भटठी में आये हैं ना। तो बाबा एक-एक को भट्ठी का तिलक लगाता है। तो बाबा ने तिलक लेके खड़े होकर जैसे एक-एक के मस्तक में वह तिलक लगाया। बाबा ने कहा आपकी भट्ठी का उद्घाटन हो गया। फिर जो नये आये हैं उन्हों को भी बाबा ने विशेष प्यार दिया। आज कौन आये हैं नये! (नये भाई बहिनों को खड़ा किया) नये बच्चे तो बाबा के बहुत सिकीलधे हैं। बाबा उन्हें सिकीलधा, सिकीलधा कहते हैं। तो बाबा ने आप एक-एक बच्चे को बहुत मीठी दृष्टि दी और यादप्यार भी दिया और कहा एक-एक बच्चे को मेरी तरफ से ऐसे (भाकी) करके यादप्यार देना। सभी को बाप की तरफ से भाकी पहन रहे हैं क्योंकि हमने वहाँ देखा, तो मैं यहाँ ही कर सकती हूँ। तो सभी को बाप की तरफ से मीठी मीठी भाकी।

हैलो। हमारी मीठी दादी जानकी भी बैठी है, रतनमोहिनी दादी भी बैठी है। मधुबन वाले भी सभी बहुत स्नेह में बैठे हैं। वह शक्लें उनकी बोल रही हैं।

(दादी जानकी ने कहा) दादी क्या बताऊं, बाबा वन्डरफुल है, आप भी कम नहीं हो। कैसे भी करके आपने हमारे दिल की भावना को, प्यार को बाबा के पास लेकर गई और बाबा ने हमारे साथ प्यार से मिलन मनाया। बाबा कहता ड्रामा में जो हो रहा है, उस सबमें कल्याण है। हम कहते बाबा आप कितने मीठे प्यारे हो। बाबा मीठा है और हमको मीठा बनाने के लिए इतनी मीठी बातें सुनाकर हमको मोह लेता है, शान्त कर देता है। दादी आपने बाबा का सन्देश सुनाकर हमारे दिल को ताकत दे दी। अभी दादी क्या बताऊं दिल का हाल। आप बाम्बे में बैठी हैं। आप वहाँ बैठे भी बाबा को छोड़ा नहीं, हमने भी नहीं छोड़ा। बाबा को प्यार करो ना।

(गुल्जार दादी) सभी प्यार दे रहे हैं, वह बाबा देख रहे हैं। बाबा के साथ आप भी साथ-साथ याद रहती हैं। मोहिनी बहन आप बहुत अच्छी तरह से अपने को ठीकठाक करके बैठी हैं। हम आपकी तबियत में आगे बढ़ते बढ़ते देख बहुत खुश होते हैं। जिंदा रहो, आबाज रहो।

निर्वैर भाई ने मुम्बई से सबको याद दी:- ओम् शान्ति। सभी बहिनों और भाईयों को ओम् शान्ति। जो सभा में उपस्थित हैं जो देश विदेश में सुन रहे हैं सबको ओम् शान्ति। दादी आपका शुभ संकल्प बाबा ने सुना और दादी जी को ऐसी हिम्मत भी दे दी, स्वास्थ्य भी दे दिया जो दादी खास तैयार हो करके यहाँ आपके सामने आ गई। बहुत अच्छा लग रहा है, सभी भाई बहिनों को देख करके। जो आये हैं उनको देख करके। ईश्वरीय परिवार कितना विशेष परिवार है। ईश्वरीय परिवार का संगठन कितना विशेष है। इस संगठन के फल स्वरूप ही सारे विश्व का कल्याण होना है, यही बाबा बच्चों से चाहते हैं। तो सभी को मुबारक हो, मुबारक हो। करूणा भाई को विशेष

थैंक्स जो यहाँ भाईयों को भेजा जो हम यहाँ से मिल रहे हैं।

दादी जानकी ने कहा:- शुक्रिया आपका और शुक्रिया नीलू बहन का, योगिनी बहन नीलू बहन सबका शुक्रिया।

डा.अशोक मेहता:- ओम् शान्ति। हमारी बहुत प्यारी दादी एकदम अच्छी है और आपके सामने मिलन मना रही हैं। दादी जी एकदम स्वस्थ है और बहुत अच्छी रिकवरी है। दादी जी जल्दी आपके बीच पहुंच जायेंगी।

योगिनी बहन:- दादी हम ऐसे फील कर रहे हैं जैसे बापदादा यहाँ पधारे हैं। पूरा डायमण्ड हाल यहाँ दिखाई दे रहा है। दादी जानकी ने कहा बाबा ने आपको निमित्त बनाकर हम सबको मुलाकात करा दी। नीलू बहन दादी का बहुत ध्यान रखती है। (यहाँ बाबा के लिए 21 प्रकार का भोग बनाया है)

गुल्जार दादी ने कहा:- सभी भाई बहिनें जो मधुबन निवासी हैं, उन एक-एक भाग्यवान मधुबन निवासी भाई बहिनों को यादप्यार।

निर्वैर भाई:- दादी सभी की जो दिल है ना, जो सब चाहते हैं अवश्य बाबा सुन रहा है और बाबा बच्चों की बात सदा रखता है। दादी जी बिल्कुल स्वस्थ होकर मधुबन वापस आ जायेंगी। बाबा के सभी प्रोग्राम बहुत बहुत सुन्दर होंगे। दादी सभी डाक्टर्स ने दादी के स्वास्थ्य के बारे में बताया है कि स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। दादी बहुत वर्षो तक ईश्वरीय सेवा का कार्य आगे बढ़ायेंगी।

गुल्जार दादी:- आप सबकी दुआओं से, आप सबके शुभ संकल्प से, बाबा की मदद से हम जल्दी से जल्दी ठीक होके मधुबन पहुंचेंगी। दादी आपको गले लगा रहे हैं।

विश्व के सभी भाई बहिनों प्रति बड़े भाईयों वा दादियों का सन्देश

रमेश भाई:- बाबा ने हम सबको ''नथिंग न्यु'' का पाठ पक्का कराया है। तो नथिंगन्यु के हिसाब से ही आज का प्रोग्राम चला। मुझे यह बहुत अच्छा लगा। जैसे यहाँ प्रोग्राम होता था तो दूसरे सेन्टर पर देखते थे, ऐसे आज यहाँ वालों ने मुम्बई से सारा प्रोग्राम देखा। करनकरावनहार बाबा का यह सीन जो देखा वह ड्रामा प्लैन अनुसार बाबा ने बहुत अच्छा अनुभव कराया। बाबा कहते रहे हैं जो अव्यक्त स्थिति में रहकर बाबा को याद करेंगे तो बाबा अव्यक्त अनुभव करायेंगे। तो आप सबको भी आज के दिन की बहुत बहुत बधाईयां हो। बाबा के ज्ञान के हिसाब से कोई नया नहीं है। कल्प पहले वाले जो भी बाबा के बच्चे यहाँ आये हैं, उन सब नये पुराने बाबा के बच्चों को बधाईयां, मुबारक हो।

बृजमोहन भाई:- हमारा प्यारा बाबा कल्याणकारी है और समय के अनुसार हमको मंजिल के नजदीक ले जाने के लिए प्यार कर रहा है। हम 44 वर्ष से इस आदत में पड़ गये हैं कि बाबा आयेंगे और हम उनसे मिलेंगे। बाबा ने बताया है मैं किसलिए आता हूँ? आप ऊपर चलें। तो आज का अनुभव कितना अच्छा था। हम सब गुल्जार दादी के माध्यम से बाबा से मिले। उन्होंने बताया कैसे बाबा हर एक बच्चे से बात कर रहे हैं, बाबा हर बच्चे से मिल रहे हैं, उसको शक्ति दे रहे हैं, सन्तुष्ट कर रहे हैं और दादी ने जो यह बताया कि हर एक की आंखें गीली थी। तो सचमुच अनुभव हो रहा था कि हम सबकी आंखे गीली हो रही हैं। समय के अनुसार बाबा यही चाहते हैं कि हम अव्यक्त मिलन ऐसे मनायें जैसे हम सामने मना रहे हैं। इतने सारे भाई बहन जो जगह जगह से आये हैं, उनको रिंचकमात्र भी महसूस न हो कि बाबा नहीं आये! तो बाबा ने बहुत विचित्र रूप से मिलन मनाया। यह भी अनुभव बहुत अच्छा था। सारे विश्व के भाई बहन टेलीवीजन से ही देखते हैं। बहुत अच्छा अनुभव कराने वाला यह मिलन था। बापदादा जो इशारा दे रहे हैं समय अनुसार हमें इस प्रकार से मिलन मनाना होगा, और शान्ति की शक्ति की जो मुरली सुनी, उसका अनुभव हम सबको करना होगा। हम सब आगे बढ़ते रहें और यह कार्य जल्दी से पूरा करें।

दादी रतनमोहिनी:- अभी तो हम सबने अनुभव किया, बाबा देखो बच्चों की दिल कैसे भी पूरी कर लेते हैं। तो बाप हम बच्चों पर कितना रहमदिल है। बाबा ने समझा बच्चे आये हैं और ऐसा न हो बच्चे निराश होकर जाएं, बाबा सदा बच्चों की आशाओं को पूर्ण करते हैं। बाबा ने जो हमारे में आशायें रखी हैं, बाबा हमें जल्दी-जल्दी सम्पन्न बनाने चाहते हैं। बाबा को इतना प्यार से याद रखो, इतना बाबा की बातों को स्वयं में समाओ जो बाबा कहते हैं, जैसा कहते हैं, ऐसा हम जल्दी से जल्दी सम्पन्न बनकर बाबा को प्यार का सबूत दें, तो देखो बाबा हमको कितना प्यार से गोदी में बिठाकर उड़ाते रहेंगे। इन्हीं शुभ भावनाओं के साथ आज के दिन को याद करते हुए, स्वयं को सम्पन्न बनाने का सम्पूर्ण पुरुषार्थ करते हुए सदा बाप की शुक्रिया मानते चलें।

दादी जानकी: सारी विश्व हमारे सामने हैं, हम विश्व के सामने हैं। यह वन्डरफुल ड्रामा है। मैं बाबा का कितना शुक्रिया मानूं। मेरा बाबा, मीठा बाबा आपने हमारे जीवन की यात्रा सफल करने के लिए आदि से अब तक कितना साथ दिया है। बाबा ने वरदान में कहा था बच्ची सदा साथ है और साक्षी हो करके पार्ट बजा रही हो। यह दो शब्द जीवन यात्रा में इतना साथ दे रहे हैं, बाबा मेरे साथ है, कोई मिनट सेकेण्ड भी ऐसा नहीं है, अकेली नहीं हूँ। छोटी सी आत्मा है, उसमें 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है।

जो आज मुरली में बाबा ने सेवा के प्रकार बतायें, सभी सेवायें करने का बाबा ने भाग्य दिया है जो आज यह नहीं लगता कि इस आत्मा से बाबा ने यह सेवा नहीं कराई है। जो भी बाबा डायरेक्शन देता है, समझाता है, वह जाकर किसको नहीं समझाया तो बाबा नाश्ता करने नहीं देगा। ज्ञान का भोजन कानों से सुना है, मुख में ब्रह्मा भोजन खाया है, उसकी शक्ति हम सबको चला रहा है। हमारा साथी, सहारा, सहयोगी बाबा है, बाबा का साथ न होता तो हम अकेली आत्मा परमधाम में कैसे जाती।

जैसे घर जाना है, साथ में जाना है, बाबा के साथ जायेंगी, बरात में नहीं जायेंगी। साथ में जाना रॉयल्टी है। बाबा मेरा साथी है, मैं साथ जायेंगी। अभी टाइम थोड़ा है, टाइम की बहुत वैल्यु रखना है कोई भी समय विनाशकाल आया कि आया। हम विनाशकाले निश्चयबुद्धि से विजयी होकर वैजयन्ती माला में आ रहे हैं। निश्चय बुद्धि से, निश्चित भावी पर अडोल रहकर सुख, शान्ति, आनंद, प्रेम सम्पन्न जीवन बना रहे हैं। आप सबने अनुभव किया, बाबा कुछ भी मिस करने नहीं देता है। यह भी बाबा की कमाल है। अच्छा। ओम् शान्ति।

ओम् शान्ति 15-12-13 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त मूर्त मात पिता बापदादा के अति लाडले, सदा बापदादा के प्यार में समाये हुए देश विदेश के सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - आप सभी आज विशेष बापदादा का आह्वान करने निमित्त अपने-अपने स्थानों पर चात्रक बन साकार में अव्यक्त मिलन मनाने की आश लगाकर बैठे होंगे। लेकिन ड्रामा की भावी, बापदादा समय प्रति समय हम बच्चों की स्थिति को अचल अडोल बनाने और अव्यक्त वतनवासी बन अव्यक्त रूप से मिलन मनाने का विशेष इशारा देते आ रहे हैं। तो उसी प्रमाण आज हम सब अनुभव कर रहे हैं। दादी गुल्जार का स्वास्थ्य ठीक होते भी काफी कमजोरी महसूस कर रही थी, फिर भी बहुत हिम्मत करके सभा के बीच में पधारी और बापदादा के आह्वान का गीत भी बजा, लेकिन थोड़े समय में दादी ने उस आलमाइटी को स्वयं में धारण करने की असमर्थी महसूस की, तो दादी को स्टेज से कमरे में लेकर गये। फिर हम सभी बापदादा के अवतरण का पिछला वीडियो देखते रहे। जो आप डायरेक्ट देखने, सुनने वालों ने भी देखा होगा। सभी दादियां और मुख्य भाई स्टेज पर योग कराते रहे। गुजरात के भाई बहिनों की सेवा का टर्न था, देश विदेश से करीब 20-21 हजार भाई बहिनें शान्तिवन में पहुंचे हुए थे। दोनों हाल फुल थे। सभी बहुत एकाग्रचित हो, पावरफुल वायुमण्डल में बापदादा के अव्यक्त महावाक्य वीडियों द्वारा सुन रहे थे। थोड़ी देर के बाद फिर से सन्देश आया कि दादी जी सभा में आ रही हैं। दादी जी फिर से जब सभा में पधारी तो सारा हाल तालियों से गूंजने लगा। सभी खुशी में झूमने लगे। फिर दादी ने बापदादा को भोग स्वीकार कराया और बापदादा सभा के बीच आ गये और बहुत प्यार से हाथ लहराते सभी को वरदानी दृष्टि दी। उसके बाद मधुर महावाक्य उच्चारण किये।

''सदा खुशनुमा रहने वाले खुशकिस्मत बच्चों को बहुत-बहुत-बहुत-बहुत यादप्यार। सदा खुश रहना और खूब खुशी बांटना। एक एक को बापदादा विशेष प्यार दे रहे हैं और सदा सर्व के प्यारे देहभान से न्यारे बाप को दिल में समाते हर कदम उठाना। देश चाहे विदेश सबको, एक एक बच्चे को बापदादा का यादप्यार स्वीकार हो। सर्व के साथ गुजरात निवासियों को भी सारे विश्व की आत्माओं के साथ यादप्यार।''

आज सवेरे मधुबन में रविवार को जो अव्यक्त मुरली रिवाइज हुई, वह भी आपके पास भेज रहे हैं, जो कल आप अपने क्लास में रिवाइज कर सकते हैं:-

15-12-13 प्रात:मुरली ओम् शान्ति ''अव्यक्त-बापदादा'' रिवाइज:23-02-97 मधुबन

साथी को साथ रख साक्षी और खुशनुमः के तख्तनशीन बनो

आज विश्व कल्याणकारी बाप विश्व के चारों तरफ के बच्चों को देख हर्षित हो रहे हैं। सभी बच्चों के स्नेह और सहयोग की रेखायें बच्चों के चेहरे से दिखाई दे रही हैं। हर एक के दिल से ''मेरा बाबा'', यह गीत बापदादा सुन रहे हैं। बापदादा भी रेसपान्ड में कहते हैं ''ओ मेरे अति प्रिय, अति स्नेही लाडले बच्चे''। हर एक बच्चा प्रिय भी है, लाडले भी हैं, क्यों? कोटों में कोई और कोई में भी कोई हो। तो लाडले हुए ना! तो बापदादा भी लाडले बच्चों को देख खुश होते हैं। बच्चों को भी सदा खुशी में डांस करते हुए देखते हैं और सदा देखने चाहते हैं। खुशी में रहते तो हैं लेकिन बाप सदा चाहते हैं। सदा खुश रहते हो या खुशी में फर्क पड़ता है? कभी बहुत खुशी, कभी थोड़ी कम और कभी बहुत कम!

बाप ने पहले भी सुनाया है कि वर्तमान समय आप बच्चों की विश्व को इस सेवा की आवश्यकता है जो चेहरे से, नयनों से, दो शब्द से हर आत्मा के दु:ख को दूर कर खुशी दे दो। आपको देखते ही खुश हो जाएं। इसलिए

खुशनुमा चेहरा या खुशनुमा मूर्त सदा रहे क्योंकि मन की खुशी सूरत से स्पष्ट दिखाई देती है। कितना भी कोई भटकता हुआ, परेशान, दु:ख की लहर में आये, खुशी में रहना असम्भव भी समझते हों लेकिन आपके सामने आते ही आपकी मूर्त, आपकी वृत्ति, आपकी दृष्टि आत्मा को परिवर्तन कर ले। आज मन की खुशी के लिए कितना खर्चा करते हैं, कितने मनोरंजन के नये-नये साधन बनाते हैं। वह हैं अल्पकाल के साधन और आपकी है सदाकाल की सच्ची साधना। तो साधना उन आत्माओं को परिवर्तन कर ले। हाय-हाय ले आवें और वाह-वाह लेकर जाये। वाह कमाल है – परमात्म आत्माओं की! तो यह सेवा करो। समय प्रति समय जितना अल्पकाल के साधनों से परेशान होते जायेंगे, ऐसे समय पर आपकी खुशी उन्हों को सहारा बन जायेगी क्योंकि आप हैं ही खुशनसीब। खुशनसीब हैं या नहीं? अधूरे तो नहीं? हैं ही खुशनसीब। आप जैसा खुशनसीब सारे कल्प में कोई आत्मायें नहीं। इतना नशा चेहरे और चलन से अनुभव कराओ। करा सकते हो या कराते भी हो?

ब्राह्मण जीवन में अगर खुशी नहीं तो ब्राह्मण बनकर क्या किया! ब्राह्मण जीवन अर्थात् खुशी की जीवन। कभी-कभी बापदादा देखते हैं, कोई-कोई के चेहरे जो होते हैं ना वह थोड़ा सा.... क्या होता है? अच्छी तरह से जानते हैं, तभी हंसते हैं। तो बापदादा को ऐसा चेहरा देख रहम भी आता और थोड़ा सा आश्चर्य भी लगता। मेरे बच्चे और उदास! हो सकता है क्या? नहीं ना! उदास अर्थात् माया के दास। लेकिन आप तो मास्टर मायापति हो। माया आपके आगे क्या है? चींटी भी नहीं है, मरी हुई चींटी। दूर से लगता है जिंदा है लेकिन होती मरी हुई है। सिर्फ दूर से परखने की शक्ति चाहिए। जैसे बाप की नॉलेज विस्तार से जानते हो ना, ऐसे माया के भी बहुरूपी रूप की पहचान, नॉलेज अच्छी तरह से धारण कर लो। वह सिर्फ डराती है, जैसे छोटे बच्चे होते हैं ना तो उनको माँ बाप निर्भय बनाने के लिए डराते हैं। कुछ करेंगे नहीं, जानबूझकर डराने के लिए करते हैं। ऐसे माया भी अपना बनाने के लिए बहुरूप धारण करती है। जब बहुरूप धारण करती है तो आप भी बहुरूपी बन उसको परख लो। परख नहीं सकते हैं ना, तो क्या खेल करते हो? युद्ध करने शुरू कर देते हो हाय, माया आ गई! और युद्ध करने से बुद्धि, मन थक जाता है। फिर थकावट से क्या कहते हो? माया बड़ी प्रबल है, माया बड़ी तेज है। कुछ भी नहीं है। आपकी कमजोरी भिन्न-भिन्न माया के रूप बन जाती है। तो बापदादा सदा हर एक बच्चे को खुशनसीब के नशे में, खुशनुमा चेहरे में और खुशी की खुराक से तन्दरूस्त और सदा खुशी के खजानों से सम्पन्न देखने चाहते हैं। जीवन में चाहिए क्या? खुराक और खजाना। और क्या चाहिए? तो आपके पास खुशी की खुराक है या स्टॉक कभी खत्म हो जाता है? खुशी का खजाना अखुट है। अखुट है ना? और जितना खर्चो उतना बढ़े। अगर और कोई भी पुरूषार्थ नहीं करो सिर्फ एक लक्ष्य रखो - **कुछ भी हो जाए, चाहे अपने मन के स्थिति द्वारा, चाहे कोई अन्य आत्माओं द्वारा, चाहे प्रकृति द्वारा, चाहे वायुमण्डल द्वारा कुछ भी हो जाए, मुझे खुशी नहीं छोड़नी है।** यह तो सहज पुरूषार्थ है ना या खुशी खिसक जाती है? सहज है या कभी-कभी मुश्किल है? दृढ़ संकल्प रखो और बातों को भूल जाओ। एक ही बात पक्की रखो - मुझे खुश रहना है। तो बातें क्या लगेंगी? खेल। और अपनी खेल देखने की साक्षीपन की सीट पर सदा स्थित रहो। चाहे कोई अपमान करने वाला हो, आपको परेशान कर अपने साक्षीपन की शान से नीचे उतारने वाले हों, लेकिन आप साक्षीपन की सीट से नीचे नहीं आओ। नीचे आ जाते हो तभी खुशी कम हो जाती है।

बापदादा ने पहले भी दो शब्द सुनाये हैं - साथी और साक्षी। जब बापदादा साथ है तो साक्षीपन की सीट सदा मजबूत रहती है। कहते सभी हो बापदादा साथ है, बापदादा साथ है लेकिन माया का प्रभाव भी पड़ता रहता और कहते भी रहते हो बापदादा साथ है, बापदादा साथ है। साथ है, लेकिन साथ को ऐसे समय पर यूज़ नहीं करते हो, किनारे कर देते हो। जैसे कोई साथ में होता है ना, कोई बहुत ऐसा काम पड़ जाता है या कोई ऐसी बात होती है तो साथ कभी ख्याल नहीं होता, बातों में पड़ जाते हैं। ऐसे साथ है यह मानते भी हो, अनुभव भी करते हो। कोई है जो कहेगा साथ नहीं है? कोई नहीं कहता। सब कहते हैं मेरे साथ है, यह भी नहीं कहते कि तेरे साथ है। हर एक कहता है मेरे साथ है। मेरा साथी है। मन से कहते हो या मुख से? मन से कहते हो?

बापदादा तो खेल देखते हैं, बाप साथ बैठे हैं और अपनी परिस्थिति में, उसको सामना करने में इतना मस्त हो जाते हैं

जो देखते नहीं हैं कि साथ में कौन हैं। तो बाप भी क्या करते? बाप भी साथी से साक्षी बनकर खेल देखते हैं। ऐसे तो नहीं करो ना। जब साथी कहते हो तो साथ तो निभाओ, किनारा क्यों करते हो? बाप को अच्छा नहीं लगता। बाप यही शुभ आशा रखते हैं और है भी कि एक-एक बच्चा स्वराज्य अधिकारी सो विश्व अधिकारी है। आप लोग प्रजा हैं क्या! प्रजा तो नहीं बनना है ना? राज़े, महाराजे, विश्व राजे हो ना! प्रजा बनाने वाले हो, प्रजा बनने वाले नहीं हो। राजा बनने वाले, प्रजा बनाने वाले हो। तो राजा कहाँ बैठता है? तख्त पर बैठता है ना! जब प्रैक्टिकल में राजा के नशे में होता है तो तख्त पर बैठता है ना! तो साक्षीपन का तख्त छोड़ो नहीं। जो अलग-अलग पुरूषार्थ करते हो उसमें थक जाते हो। आज मन्सा का किया, कल वाचा का किया, सम्बन्ध-सम्पर्क का किया तो थक जाते हो। एक ही पुरुषार्थ करो कि साक्षी और खुशनुमः तख्तनशीन रहना है। यह तख्त कभी नहीं छोड़ना है। कोई राजा ऐसे सीरियस होकर तख्त पर बैठे, बैठा तख्त पर हो लेकिन बहुत क्रोधी हो, आफीशियल हो तो अच्छा लगेगा? कहेंगे यह तो राजा नहीं है। तो आप सदा तख्तनशीन है ना! वह राज़े तो कभी तख्त पर बैठते, कभी नहीं बैठते लेकिन साक्षीपन का तख्त ऐसा है जिसमें हर कार्य करते भी तख्तनशीन, उतरना नहीं पड़ता है। सोते भी तख्तनशीन, उठते-चलते, सम्बन्ध-सम्पर्क में आते तख्तनशीन। तख्त पर बैठना आता है कि बैठना नहीं आता है, खिसक जाते हो? साक्षीपन के तख्तनशीन आत्मा कभी भी कोई समस्या में परेशान नहीं हो सकती। समस्या तख्त के नीचे रह जायेगी और आप ऊपर तख्तनशीन होंगे। समस्या आपके लिए सिर नहीं उठा सकेगी, नीचे दबी रहेगी। आपको परेशान नहीं करेगी और कोई को भी दबा दो तो अन्दर ही अन्दर खत्म हो जायेगा ना। तो बापदादा को ऐसे समय पर आश्चर्य लगता है, आप नहीं आश्चर्य करना। अपने पर भले करना, दूसरे पर नहीं करना। तो आश्चर्य लगता है कि यह मेरे बच्चे क्या कर रहे हैं! तख्त से उतर रहे हैं। जब तख्तनशीन रहने के संस्कार अब से ही डालेंगे तब विश्व के तख्त पर भी बैठेंगे। यहाँ सदाकाल तख्तनशीन नहीं होंगे तो वहाँ भी सदा अर्थात् जितना समय फुल है, उतना समय नहीं बैठ सकेंगे। संस्कार सब अभी भरने हैं। फिर वही भरे हुए संस्कार सतयुग में कार्य करेंगे। रॉयल्टी के संस्कार अभी से भरने हैं। ऐसे नहीं सोचना कि अभी कुछ समय तो पड़ा है, इतने में विनाश तो होना नहीं है, यह नहीं सोचना। विनाश होना है अचानक। पूछकर नहीं आयेगा कि हाँ तैयार हो! सब अचानक होना है। आप लोग भी ब्राह्मण कैसे बनें? अचानक ही सन्देश मिला, प्रदर्शनी देखी, सम्पर्क-सम्बन्ध हुआ बदल गये। क्या सोचा था कि इस तारीख को ब्राह्मण बनेंगे? अचानक हो गया ना! तो परिवर्तन भी अचानक होना है। आपको पहले माया और ही अलबेला बनायेगी, सोचेंगे हमने तो दो हजार सोचा था – वह भी पूरा हो गया, अभी तो थोड़ा रेस्ट कर लो। पहले माया अपना जादू फैलायेगी, अलबेला बनायेगी। किसी भी बात में, चाहे सेवा में, चाहे योग में, चाहे धारणा में, चाहे सम्बन्ध-सम्पर्क में यह तो चलता ही है, यह तो होता ही है ...., ऐसे पहले माया अलबेला बनाने की कोशिश करेगी। फिर अचानक विनाश होगा, फिर नहीं कहना कि बापदादा ने सुनाया ही नहीं, ऐसा भी होना है क्या! इसलिए पहले ही सुना देते हैं - अलबेले कभी भी किसी भी बात में नहीं बनना। चार ही सबजेक्ट में अलर्ट, अभी भी कुछ हो जाए तो अलर्ट। उस समय नहीं कहना बापदादा अभी आओ, अभी साथ निभाओ, अभी थोड़ी शक्ति दे दो, उस समय नहीं देंगे। अभी जितनी शक्ति चाहिए, जैसी चाहिए उतनी जमा कर लो। सबको खुली छुट्टी है, खुले भण्डार हैं, जितनी शक्ति चाहिए, जो शक्ति चाहिए ले लो। पेपर के समय टीचर वा प्रिन्सीपाल मदद नहीं करता।

डबल विदेशी बच्चों को देख बाप को भी डबल खुशी होती है। क्यों होती है? क्योंकि डबल विदेशियों को स्वयं को परिवर्तन करने में डबल मेहनत करनी पड़ी। इसीलिए जब बापदादा डबल विदेशी बच्चों को देखते हैं तो डबल खुशी होती है, वाह मेरे डबल विदेशी बच्चे वाह! डबल विदेशी हाथ उठाओ। (विश्व के अनेक देशों के करीब 1 हजार भाई बहिनें सभा में उपस्थित हैं) वाह बहुत अच्छा। डबल ताली बजाओ। बापदादा विदेश की सेवा के समाचार सुनते रहते हैं, देखते भी रहते हैं, रिजल्ट में सेवा का उमंग-उत्साह बहुत अच्छा है। सिर्फ कभी-कभी अपने ऊपर सेवा का थोड़ा सा बोझ उठा लेते हो। बोझ नहीं उठाओ। बोझ बाप को दे दो। बाप के लिए वह बोझ कुछ भी नहीं है लेकिन आप सेवा का बोझ उठा लेते हो तो थक जाते हो। सेवा बहुत अच्छी करते हो, सेवा के समय नहीं थकते हो। उस समय बहुत अच्छे चेहरों का फोटो निकालने वाला होता है लेकिन कोई-कोई (सभी नहीं) सेवा के बाद थोड़ा सा थकावट के चिन्ह चेहरे में दिखाई देते हैं। बाप कहते हैं बोझ उठाते क्यों हो? क्या बोझ उठाना अच्छा

लगता है या आदत पड़ी हुई है? बोझ नहीं उठाओ। बोझ तब लगता है जब बाप साथ नहीं है। मैंने किया, मैं करती हूँ, मैं करता हूँ तो बोझ हो जाता है। बाप साथ है, बाप का कार्य है, बाप करा रहा है तो बोझ नहीं होगा। हल्के हो नाचते रहेंगे। जैसे डांस बहुत अच्छी करते हो ना। डबल विदेशियों की डांस देखो तो बहुत अच्छी होती है। अपने को थकाते नहीं हैं, फरिश्ते माफिक करते हो। इन्डियन जो करेंगे वह पांव थकायेंगे, हाथ भी थकायेंगे। लेकिन विदेशी डांस भी लाइट करते हो, तो ऐसे सेवा भी एक डांस समझो, खेल समझो। थको नहीं। बापदादा को वह फोटो अच्छा नहीं लगता है। सेवा का उमंग-उत्साह अच्छा है और यह भी रिजल्ट बाप के पास है कि अभी थोड़ी सी बात में हलचल में आने की परसेन्टेज बहुत कम है। मैजॉरिटी ठीक हैं, बाकी थोड़ी संख्या कभी-कभी थोड़ा सा हलचल में दिखाई देती है। लेकिन आदि की रिजल्ट और अब की रिजल्ट में बहुत अच्छा अन्तर है। ऐसा दिखाई देता है ना? अभी नाज़ुकपन छोड़ते जा रहे हैं। बापदादा को रिजल्ट देख करके खुशी है।

अभी छोटे-छोटे माइक भी तैयार कर रहे हैं। अभी छोटे माइक हैं, लेकिन छोटे से बड़े तक भी आ जायेंगे। बापदादा को याद है–आदि में यह विदेशी टीचर्स कहती थी कि वी.आई.पीज को मिलना ही मुश्किल है, आना तो छोड़ो, मिलना ही मुश्किल है। और अभी सहज हो गया है क्योंकि आप भी वी.वी.वी.आई.पी. हो गये तो आपके आगे वी. आई. पी. क्या हैं! टोटल विदेश की रिजल्ट अच्छी है। सेन्टर्स भी अच्छे हैं, वृद्धि को प्राप्त करते जा रहे हैं। भारत में हैण्डस नहीं हैं, नहीं तो भारत में भी सेवाकेन्द्र तो बहुत खुल जायें। एक-एक ज़ोन वाला कहता है – हैण्डस नहीं हैं। तो अभी इस वर्ष हैण्डस निकालने की सेवा करो। हैण्डस मांगो नहीं, निकालो; और ही दान-पुण्य करो।

विदेश में यह बहुत अच्छा तरीका है – जहाँ भी सेन्टर खुलता है, वहाँ के ही लौकिक कार्य भी करते हैं सेन्टर भी चलाते हैं। कैसे चलेगा, कौन चलायेगा, यह प्राब्लम कम है। आप लोग यह नहीं सोचना कि हम लौकिक काम क्यों करें! यह तो आपकी सेवा का साधन है। लौकिक कार्य नहीं करते हो लेकिन अलौकिक कार्य के निमित्त बनने के लिए लौकिक कार्य करते हो। जहाँ भी जाते हो वहाँ सेन्टर खोलने का उमंग रहता है ना। तो लौकिक कार्य कब तक करेंगे–यह नहीं सोचो। लौकिक कार्य अलौकिक कार्य निमित्त करते हो तो आप सरेन्डर हो। लौकिकपन नहीं है, अलौकिकपन है तो लौकिक कार्य में भी समर्पण हो। लौकिक कार्य को छोड़कर समर्पण समारोह मनाना है – यह बात नहीं है। ऐसा करने से वृद्धि कैसे होगी! इसीलिए लौकिक कार्य करते अलौकिक कार्य के निमित्त बनते हो, तो जो निमित्त लौकिक समझते हैं और रहते अलौकिकता में हैं, ऐसी आत्माओं को डबल क्या, पदम मुबारक है। अच्छा।

एक सेकण्ड में बिल्कुल बाप समान अशरीरी बन सकते हो? तो एक सेकण्ड में फुल स्टॉप लगाओ और अशरीरी स्थिति में स्थित हो जाओ। (बापदादा ने 3 मिनट ड्रिल कराई) अच्छा–यह सारे दिन में बार-बार अभ्यास करते रहो।

चारों ओर के सर्व मायाजीत, प्रकृतिजीत, साक्षीपन के तख्तनशीन, साथी के साथ का सदा अनुभव करने वाले, सदा दृढ़ता से सफलता को गले का हार बनाने वाले, सदा बाप समान लाइट रहने वाले, सदा अपने माइट द्वारा विश्व को दु:ख-अशान्ति की कमजोरी से छुड़ाने वाले ऐसे मास्टर सुख के सागर, खुशी के सागर, प्रेम के सागर, ज्ञान के सागर बाप समान बच्चों को यादप्यार और नमस्ते।

वरदान:- इच्छा मात्रम अविद्या की स्थिति द्वारा मास्टर दाता बनने वाले ज्ञानी तू आत्मा भव

जो ज्ञानी तू आत्मा अर्थात् बुद्धिवान हैं, उन्हें बिना मांगे सब कुछ मिलता है, मांगने की कोई आवश्यकता नहीं रहती। जब स्वत: सर्व प्राप्तियां हो जाती हैं तो मांगने का संकल्प भी नहीं उठ सकता, ऐसे बच्चे इच्छा मात्रम् अविद्या बन जाते हैं। ऐसे ज्ञानी तू आत्मा मांगने वाले से दाता के बच्चे मास्टर दाता बन जाते। मांगना पूरा हो जाता, इतना बड़ा स्वमान मिल जाता जो नाम-मान-शान की भी इच्छा नहीं रहती।

स्लोगन:- अपने मन बुद्धि संस्कारों पर सम्पूर्ण राज्य करने वाले ही स्वराज्य अधिकारी हैं।

''पुराने वर्ष की विदाई के साथ स्वप्नमात्र भी जो कमजोरी है उसे छोड़ने तथा उमंग-उल्हास से गुण धारण करने का दृढ़ता सम्पन्न संकल्प करके सदा वाह वाह रहना, रोज़ अमृतवेले उस संकल्प को दोहराना तो बापदादा की एकस्ट्रा मदद मिलेगी''

बापदादा सभी बच्चों को देख खुश हो रहे हैं। मैजारिटी सभी बच्चे खुशनुमा दिखाई दे रहे हैं। हर एक के दिल में बापदादा समाया हुआ है। जैसे बच्चे स्नेह के प्लेन में पहुंचे हुए हैं बापदादा भी हर बच्चे की स्नेही-मूर्त देख खुश हो रहे हैं। वाह स्नेही बच्चे वाह! हर एक बच्चे के मस्तक में चमकती हुई खुशी दिखाई दे रही है। तो हर एक खुशनुमा बच्चे को देख बाप भी दिल में गीत गा रहे हैं वाह बच्चे वाह! हर एक के मस्तक में चमकती हुई बिन्दी आत्मा दिखाई दे रही है। हर एक के दिल में दिलाराम दिखाई दे रहे हैं। बापदादा भी हर बच्चे को देख देख खुश हो रहे हैं और दिल में गीत गा रहे हैं वाह बच्चे वाह! हर एक के दिल में स्नेह समाया हुआ है।

सभी आज पुराने वर्ष को विदाई दे नया वर्ष नयनों में समाया हुआ है। बापदादा पूछते हैं सभी ने आज के दिन अपने में कोई न कोई विशेषता धारण कर और साधारणता को छोड़ा है? नये वर्ष में अपने में कोई न कोई विशेषता जो पुरुषार्थी जीवन में आवश्यक है, वह संकल्प में, स्मृति में लाया है? पुराना छोड़ नया धारण किया? हर एक ने अपने संस्कारों में कुछ नवीनता सोची है? या धारण की है? छोड़ना भी आता है, धारण करना भी आता है।

बापदादा को हर एक के चेहरे में अभी इस समय स्नेह की, मिलन की झलक दिखाई दे रही है। आप सभी ने भी आज के सारे दिन में कुछ छोड़ा, कुछ धारण किया? बापदादा मैजारिटी बच्चों को इस समय खुशनुमा देख रहे हैं और गीत कौन सा गा रहे हैं? वाह बच्चे वाह! आज के दिन हर एक बच्चे को कुछ छोड़ना भी है और कुछ नया गुण धारण करना है। सोचो, क्या छोड़ना है और क्या लेना है? बापदादा सभी बच्चों के चेहरे में सदा बेफिक्र बादशाह की झलक देखने चाहते हैं। अटेन्शन है लेकिन आज के विशेष दिन दिल में कुछ छोड़ना भी है, कुछ धारण करना भी है। कर सकते हैं? हाथ उठाओ जो कर सकते हैं नहीं, करेंगे? अभी से सभी के मस्तक में उमंग की लहरें देख रहे हैं। तो यह उमंग अभी का सदा रहे, यह विशेष ध्यान रखना। अपने दिल में कोई न कोई विशेष उमंग लाओ और यह उमंग सदा चेक करना कि उमंग, उमंग रहा या बदली हुआ? कभी भी बापदादा यही चाहते हैं हर बच्चे के सूरत में उमंग में सदा कोई न कोई गुण धारण करने का उमंग हो, अगर गुण धारण करेंगे तो अवगुण तो खत्म हो जायेगा ना। तो बापदादा खुश है कि सभी बच्चे कोई न कोई विशेष कमजोरी जो अब तक चाहते नहीं लेकिन आ जाती है, उसी संकल्प को, धारणा को आज और अभी के दिन दृढ़ संकल्प द्वारा छोड़ सकते हो? सकते हो? जो छोड़ सकते हैं वह हाथ उठाओ। अच्छा हाथ तो उठा रहे हैं, हिम्मत रखी है और मदद बाप की साथ है। सभी ने अपने दिल से जो छोड़ने चाहते हैं लेकिन संकल्प में रह जाती है, उसको आज दृढ़ संकल्प से बाप को दे सकते हो? दे सकते हो? हाथ उठाओ। दे सकते हो फिर वापस नहीं लेना। उसके लिए बापदादा विशेष अमृतवेले विशेष मदद देंगे क्योंकि बापदादा को हर बच्चे से दिखाई देता है कि कोई बात छोड़ने चाहते हैं लेकिन..., लेकिन में तो बहुत बातें हैं। लेकिन आज जो भी जिसमें कमजोरी हो, नहीं है तो मुबारक है। अगर जरा सा स्वप्न-मात्र भी हो तो आज के दिन दृढ़ संकल्प से बाप को दे दो। देना आता है ना! संकल्प करो, यह दृढ़ संकल्प आज का अगर किया तो आज का दृढ़ संकल्प करने में आप हर एक को एकस्ट्रा मदद मिलेगी। सुबह अमृतवेले, अमृतवेला करने के बाद संकल्प को चेक करना और दिल से दृढ़ संकल्प करना तो बापदादा की एकस्ट्रा मदद मिलेगी। सच्ची दिल से, ऐसे नहीं देखता हूँ होता है या नहीं होता है! सच्ची दिल से अगर संकल्प करेंगे तो कुछ न कुछ एकस्ट्रा मदद मिलेगी क्योंकि नया वर्ष शुरू हो रहा है। बापदादा चाहते हैं हर बच्चा नया वर्ष आरम्भ होते सवेरे उठके अपने दिल से, कहने से नहीं, दिल से पुरुषार्थ करेंगे तो मदद भी मिल जायेगी। दृढ़ संकल्प करो कल सुबह को, दृढ़ता सम्पन्न छोड़ने का संकल्प करना क्योंकि बापदादा देखते हैं संकल्प सब करते हैं, लेकिन संकल्प के साथ रोज़ उस कमजोरी को बाप को देके दृढ़ संकल्प करना, उमंग उल्हास का गुण धारण करके करना ही है,

यह दृढ़ संकल्प करके, करके ही दिखाना, करना ही है, इसमें अगर कोई की मदद चाहिए, महारथियों की तो मदद भी ले सकते हो।

आज का दिन दृढ़ता का दिन मनाओ। होना ही है, करना ही है। करेंगे नहीं, करना ही है, इसमें बापदादा आपके मददगार हैं। उमंग को ढीला नहीं करना, रोज़ दोहराना। बाप को दे दो कमजोरी, दी हुई चीज़ वापस नहीं ली जाती। बापदादा देख रहे हैं कि मैजारिटी बच्चे चाहते हैं लेकिन अपनी कमजोरी बाप को दे दो, दी हुई चीज़ कभी वापस नहीं ली जाती। बापदादा खुश है कि सभी बच्चे मैजारिटी चाहते हैं लेकिन चाहना के साथ जो शक्ति चाहिए उस शक्ति के तरफ अटेन्शन कम देते हैं। हो जायेगा... यह बीच में विघ्न डालता है। दृढ़ता संकल्प के साथ में रखो। तो आज के दिन पुराना वर्ष जा रहा है, नया आयेगा, तो हर एक कुछ न कुछ दृढ़ संकल्प अपने दिल में करो, छोड़ना है अपने दिल में सोचो लेकिन रोज़ अमृतवेले के बाद उसको चेक करो तो जो संकल्प किया वह दृढ़ है? क्योंकि इसमें अलबेलापन भी आता है। तो आज के दिन कोई न कोई श्रेष्ठ धारणा अपने दिल में करो और रोज़ अमृतवेले उसको दोहराओ, दिया हुआ वापस नहीं लेना क्योंकि बापदादा अभी आगे चल करके जो समय आने वाला है, उस समय को देख हर एक संकल्प में हर रोज़ दृढ़ता चाहिए, रिजल्ट देखो जो संकल्प किया वह कहाँ तक पूरा हुआ? अगर परसेन्टेज भी हल्की हुई, पहले उमंग बहुत होता है पीछे थोड़ा-थोड़ा ढीला हो जाता है वह ढीला होने नहीं देना। करके ही दिखाना है, यह दृढ़ संकल्प करना। मास्टर सर्वशक्तिवान हैं साधारण नहीं हैं। तो कल के दिन कोई न कोई दृढ़ संकल्प सामने लाना और रोज़ अमृतवेले दोहराना, चेक करना। बापदादा की मदद लेना।

तो सभी खुशनुमा अभी तो देखने में आ रहे हैं। अभी-अभी सभी खुशनुमा हैं, हाथ उठाओ। तो जैसे अभी हैं ना, वैसे अपनी स्थिति को दोहराना। अभी बापदादा का साथ है, ऐसे दिल में सदा साथ रखना। दिल का दिलाराम है। तो सभी आज कोई न कोई स्व-उन्नति अपने हिसाब से चेक कर संकल्प में रखो और रोज़ उसको सुबह अमृतवेले के बाद दोहराना। अच्छा।

सभी दिलखुश हैं ना! जैसे अभी दिलखुश हैं, अभी दिलखुश हैं ना! हैं खुश हाथ उठाओ। तो यह समय याद करना। जैसे अभी दिलखुश है इस दिलखुश समय को दोहराते रहो। और बापदादा सभी बच्चों का फोटो निकालेगा। वह फोटो साधारण नहीं होता है। तो सदा खुश, सदा खुश रहेंगे? पक्का? कितना पक्का? खुशी को जाने ही नहीं देना ना। खुश रहना, खुशी बांटना। ब्रह्माकुमार, ब्रह्माकुमारियां हो। आपका टाइटिल क्या है! तो यह याद रखना ब्रह्माकुमार हूँ या ब्रह्माकुमारी हूँ। साधारण नहीं हूँ। ब्रह्मा बाप को जाना, भले देखा नहीं लेकिन जान तो लिया ना! मेरा बाबा, जितना बाप में मेरापन लायेंगे, मेरा बाबा, मेरा बाबा, उतना सहज याद होती जायेगी क्योंकि मेरी बात कभी भूलती नहीं है। तो बाप को मेरा बनाओ और मेरा भूले नहीं। तो बापदादा यही चाहते हैं, सुबह को उठके अपनी शक्ल देखना, मन की शक्ल, यह शक्ल नहीं। मन की शक्ल देखना, बाप के दिलपसन्द है? अच्छा।

सभी बच्चों को देख बापदादा भी खुश होते हैं, वाह बच्चे वाह! सब वाह वाह हो ना! हो? वाह वाह हो? दो-दो हाथ उठाओ। तो सदा रहेंगे या अभी? सदा वाह वाह। बाप सदा वाह वाह लगता है ना तब तो याद करते हो। तो बाप वाह वाह तो बच्चे भी वाह वाह। सुबह को उठके याद करना मैं कौन सा बच्चा हूँ? वाह वाह बच्चा हूँ। अच्छा। सदा वाह वाह रहेंगे ना! इसमें अटेन्शन देना है इसका हाथ उठाओ। सुबह को उठते ही यह वाह वाह शब्द याद करना। बाप देखे वाह वाह। अच्छा।

अभी सभी आये हुए बच्चों को बापदादा विशेष दृष्टि दे रहे हैं किस बात के लिए? वाह वाह रहने के लिए। रहेंगे? रहेंगे? हाथ उठाओ। रहेंगे। तो वाह वाह शब्द भूलना नहीं। यह सभा में हाथ उठाया यह भूलना नहीं। मैं कौन? वाह वाह। इज़ी है ना। हूँ ही वाह वाह, तो क्या होगा? खुश। कुछ भी बात हो जाए, आई और गई आप क्यों उसको पकड़ लेते हो? कोई बात ठहरती नहीं है, चली जाती है। आप क्यों पकड़ लेते हो? तो कल से रोज़ अमृतवेले अपना चेहरा देखना, अन्दर का चेहरा, बाहर का नहीं। चेक करना वाह वाह है? क्यों? बापदादा वाह वाह तो बच्चे क्या होंगे? वाह वाह! बस वाह वाह शब्द याद रखना। अगर कभी मूड आफ हो ना, वाह वाह शब्द याद रखना। अच्छा।

बापदादा मिला ना! बाप को भी बच्चों के सिवाए चैन नहीं आता। बापदादा सारे परिवार को अमृतवेले चक्कर

लगाते दृष्टि देते हैं। बापदादा को चक्कर लगाने में कितना टाइम चाहिए? क्योंकि बच्चों से प्यार है ना! तो रोज़ अमृतवेले के बाद देखना बापदादा चक्कर लगायेगा, देखेंगे सभी को। तो क्या दिखाई देंगे? वाह वाह! यह वाह वाह शब्द भूलना नहीं। वाह वाह! अच्छा - जो भी बच्चे जहाँ भी हैं, बापदादा सभी को वाह वाह बच्चे कह करके चक्र लगाके देख रहा है। तो अमृतवेले उठके सदा याद करना, मैं कौन? वाह वाह बच्चे। कोई भी बात हो ना, वह वाह वाह में समा देना। बात नहीं रखना। बाप और आप बस। अच्छा। गुडनाइट।

आज बापदादा ने गुडनाइट की। आप आपस में गुडनाइट करके सोना। सभी बच्चों को जो जहाँ बैठे हैं, जहाँ चल रहा है, लेकिन सभी को बापदादा देख रहा है। कितने में चक्कर लगा सकते हैं। सभी को चारों तरफ के बच्चों को बापदादा गुडनाइट कर रहे हैं।

सेवा का टर्न महाराष्ट्र का, महाराष्ट्र आंध्र और बाम्बे से 13 हजार आये हैं:- अच्छा है नाम ही महाराष्ट्र है तो महान ही होंगे ना। हैं सिर्फ थोड़ा-थोड़ा भूल जाते हैं, बाकी हैं। अच्छा - गुडनाइट। आप जाके खाके सोना, बाकी गुडनाइट याद रखना।

डबल विदेशी भाई बहिनें और सिंधी भाई बहिनें भी आये हैं, करीब 500:- देख लिया। बहुत अच्छे स्नेही हैं। सहयोगी भी हैं, स्नेही भी हैं। अच्छा।

पहली बार बहुत आये हैं:- (बापदादा ने हाथ हिलाके सभी को दृष्टि दी)

अच्छा, चारों ओर के देश विदेश सभी को बापदादा सामने से यादप्यार दे रहे हैं। बापदादा के सामने एक सेकण्ड में सभी इमर्ज हो जाते हैं, तो सभी तरफ बापदादा चक्कर लगाते सारे ब्राह्मण परिवार को यादप्यार दे रहे हैं।

नीलू बहन से:- इसने अच्छी सेवा की है। इसकी सेवा का लाभ सभी को मिल रहा है। सारे सेन्टर्स के ब्राह्मणों को मिल रहा है, और प्यार से करती है। प्यार इसके दिल में सभी के लिए बहुत होता है। (आप आते रहो, हम प्यार से सेवा करते रहेंगे) ठीक है। खुश तो है! सदा खुश है।

मोहिनी बहन का कल जन्म दिन है:- मुबारक हो। आगे बढ़ने की मुबारक हो।

जो भी आये हैं सभी को खास मुबारक है।

निर्वैर भाई से:- सभी ने अच्छी सेवा की। सेवा का मेवा सबको मिल रहा है।

रमेश भाई से:- (नारी शक्ति पर सीरियल बनाया है) ठीक है, देखेंगे। (बहुतों ने याद दी है) जिसने याद दिया है उन सबको नाम लेके कहना बापदादा ने याद दी है।

डा. बनारसी भाई से:- इसने भी रथ की सेवा बहुत अच्छी की है। दिल से सेवा करते हो, यह भी सबको भासना आती है। पेशन्ट को भासना आती है।